जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 12 सितम्बर, 2026

विचार बिन्दु

अज्ञानी होना मनुष्य का असाधारण अधिकार नहीं है बल्कि स्वयं को अज्ञानी जानना ही उसका विशेषाधिकार है। –राधाकृष्णन

कमेटी बनाओ, भर्ती टालो-कब तक?

राजस्थान में विश्वविद्यालयों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। हजारों शिक्षक और कर्मचारी पद वर्षों से खाली पड़े हैं। विश्वविद्यालयों के कुलगुरु बार-बार राज्य सरकार से रिक्त पदों को भरने की अनुमति मांग रहे हैं और यह बता रहे हैं कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण विश्वविद्यालयों का शैक्षणिक, शोध और प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। लेकिन सरकार की ओर से समाधान के बजाय अब एक नई समिति सामने आ गई है।

राज्यपाल ने प्रदेश के राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए प्रो. त्रिभुवन शर्मा की अध्यक्षता में छह सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति भर्ती प्रक्रिया में सुधार, नियमों में एकरूपता तथा अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं भर्ती संस्थाओं द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रियाओं का अध्ययन करेगी और एक माह में अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपेगी।

सवाल सीधा है-क्या राजस्थान के विश्वविद्यालयों में भर्ती के नियम ही नहीं हैं?

यदि नियमों में कमी है तो उसे दूर किया जाए। यदि भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता चाहिए तो उसका निर्णय लिया जाए। लेकिन यह बताने के लिए समिति बनाने की जरूरत क्यों पड़ी कि विश्वविद्यालयों में भर्ती कैसे की जाए? देश के विश्वविद्यालयों में दशकों से भर्ती हो रही है। विभिन्न विश्वविद्यालयों और भर्ती संस्थाओं की स्थापित प्रक्रियाएं हमारे सामने हैं। फिर राजस्थान को भर्ती की प्रक्रिया समझने के लिए एक और समिति की आवश्यकता क्यों पड़ गई?

असल समस्या भर्ती की प्रक्रिया नहीं, भर्ती की अनुमति है।

विश्वविद्यालयों के स्वीकृत पदों को भरने के लिए राज्य सरकार की अनुमति की अनिवार्यता ने पूरी व्यवस्था को जकड़ रखा है। विश्वविद्यालय अपने स्तर पर एक चपरासी का पद भी सृजित नहीं कर सकता। जब पद राज्य सरकार ने स्वीकृत किए हैं, जब उनकी आवश्यकता विश्वविद्यालयों को है और जब उनके लिए वित्तीय प्रावधान भी किया जाता है, तो फिर उन्हीं स्वीकृत पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार की बार-बार अनुमति क्यों?

सरकार को इसका स्पष्ट उत्तर देना चाहिए।

क्या सरकार को विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों की आवश्यकता दिखाई नहीं देती? क्या कुलगुरुओं के बार-बार भेजे गए पत्र सरकार तक नहीं पहुंचते? या फिर सरकार जानबूझकर इन पदों को खाली रखना चाहती है?

वर्ष 2000 से पहले कुलपतियों को स्वीकृत रिक्त पदों पर निर्धारित नियमों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता थी। विज्ञापन जारी होते थे, चयन समितियां गठित होती थीं, साक्षात्कार होते थे और योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाती थी। बाद में विश्वविद्यालयों को के माध्यम से ऐसी व्यवस्था में बांध दिया गया कि सरकार की अनुमति के बिना कोई पद नहीं भरा जा सकेगा। इसके बाद से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता धीरे-धीरे कागजों तक सीमित होती गई।

आज प्रदेश के लगभग 32 वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में हजारों पद खाली हैं। कई विश्वविद्यालयों में 75 से 80 प्रतिशत तक पद रिक्त बताए जा रहे हैं। ऐसे में एक और समिति बनाना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है किक्या यह समस्या के समाधान की कोशिश है या समस्या को कुछ और समय तक टालने का उपाय?

सरकारी व्यवस्था में समिति बनाना आसान है। समिति गठित कर दीजिए, रिपोर्ट का इंतजार कीजिए और तब तक पुरानी व्यवस्था चलती रहे। रिपोर्ट आने के बाद उस पर विचार के लिए दूसरी प्रक्रिया शुरू हो सकती है। फिर निर्णय कब होगा, इसका कोई निश्चित समय नहीं। इस तरह वर्षों से रिक्त पद वर्षों और महीनों की नई प्रतीक्षा में चले जाते हैं।

क्या विश्वविद्यालयों के पास इतना समय है?

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थिति इस प्रशासनिक संकट का एक गंभीर उदाहरण है। विश्वविद्यालय में गैर-शैक्षिणक कर्मचारियों के 1,586 स्वीकृत पदों में केवल 481 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं और 1,105 पद रिक्त हैं। यानी लगभग 70 प्रतिशत पद खाली हैं। शिक्षकों के 435 स्वीकृत पदों में केवल 91 पद भरे हुए हैं और लगभग 80 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं।

यह केवल आंकड़ा नहीं है। इसके पीछे विश्वविद्यालय की शिक्षा और शोध व्यवस्था का संकट छिपा है।

राजस्थान के सबसे पुराने डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान को मात्र दो सहायक प्रोफेसरों के भरोसे चलाना पड़े तो इसे क्या कहा जाएगा? कृषि महाविद्यालय, डूंगरपुर में मात्र एक शिक्षक चार वर्षीय बी.एससी. कृषि पाठ्यक्रम चला रहा हो तो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण कैसे मिलेगा? जब प्रयोगशालाओं में पर्याप्त शिक्षक नहीं होंगे, तो शोध कौन करेगा? जब खेतों में पर्याप्त वैज्ञानिक नहीं होंगे, तो किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक कौन पहुंचाएगा?

> **सरकार को यह समझना होगा कि खाली पद कोई प्रशासनिक आंकड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा का खाली होता हुआ भविष्य हैं। विश्वविद्यालयों में शिक्षक नहीं होंगे तो कक्षाएं कौन लेगा? वैज्ञानिक नहीं होंगे तो शोध कौन करेगा? कर्मचारी नहीं होंगे तो प्रशासन कौन चलाएगा? कृषि वैज्ञानिक नहीं होंगे तो किसानों तक नई तकनीक कौन पहुंचाएगा? इसलिए अब समय समिति बनाने का नहीं, निर्णय लेने का है।**

सरकार विश्वविद्यालयों से उत्कृष्टता चाहती है, लेकिन उन्हें शिक्षक तक देने को तैयार नहीं है। यह कैसी नीति है?

यह पीड़ा मेरे लिए केवल एक आंकड़ा या समाचार नहीं है। मैं स्वयं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का पेंशनर हूं। यह विश्वविद्यालय मेरे लिए केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मेरी रोजी-रोटी, मेरी कर्मभूमि और मेरे जीवन की पहचान रहा है। इसी विश्वविद्यालय ने मुझे आगे बढ़ने का अवसर दिया और प्रोफेसर जैसे सम्मानित पद तक पहुंचाया। मैंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष इस विश्वविद्यालय की सेवा में लगाए हैं।

इसीलिए आज जब मैं अपने विश्वविद्यालय की यह दुर्दशा देखता हूं तो मन अत्यंत दुखी हो जाता है। जिस विश्वविद्यालय को हमने मेहनत, समर्पण और निष्ठा से आगे बढ़ते हुए देखा था, आज उसे शिक्षकों और कर्मचारियों की भारी कमी से जूझते देखना किसी भी पूर्व कर्मचारी के लिए पीड़ादायक है।सच कहूं तो आज विश्वविद्यालय की हालत देखकर रोना आता है।

जिस विश्वविद्यालय ने हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा दी, किसानों तक कृषि तकनीक पहुंचाई और शोध के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई, यदि वही विश्वविद्यालय पर्याप्त शिक्षकों और कर्मचारियों के अभाव में अपनी मूल जिम्मेदारियां पूरी नहीं कर पा रहा है, तो यह केवल विश्वविद्यालय का संकट नहीं है। यह उन सभी लोगों की पीड़ा है जिन्होंने अपना जीवन इस संस्था के निर्माण में लगाया है।

कृषि विज्ञान केंद्रों की स्थिति में तो सरकारी अनुमति का औचित्य और भी गंभीर प्रश्न बन जाता है। इन केंद्रों के पदों का 100 प्रतिशत वित्तीय भार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वहन किया जाता है। राज्य सरकार पर वेतन का वित्तीय भार नहीं है। यदि पद स्वीकृत हैं और आर्थिक भार भी राज्य सरकार पर नहीं है, तो फिर ऐसे पदों को भरने के लिए अतिरिक्त सरकारी अनुमति की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए?

यह केवल लालफीताशाही नहीं, बल्कि व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल है।

विश्वविद्यालयों की समस्या केवल भर्ती तक सीमित नहीं है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन भी गंभीर संकट में है। कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में लंबे समय से पेंशन बकाया रहने और महंगाई भत्ते का उचित भुगतान नहीं होने की शिकायतें हैं। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कर्मचारी भी पेंशन के लिए आंदोलन करने को मजबूर हुए हैं। पिछले डेढ़ दशक में पेंशन समस्या के समाधान के लिए अनेक समितियां बनीं, लेकिन स्थायी समाधान आज भी दिखाई नहीं देता।

इससे एक कड़वा सवाल पैदा होता है-क्या राजस्थान में समितियां समस्याओं का समाधान करने के लिए बनती हैं या समस्याओं को लटकाने के लिए?

यदि सरकार सचमुच विश्वविद्यालयों को मजबूत करना चाहती है तो उसे सबसे पहले कुलगुरुओं को वास्तविक प्रशासनिक स्वायत्तता देनी होगी। कोई पद सेवानिवृत्ति या अन्य कारण से रिक्त होते ही, यदि वह पद पहले से स्वीकृत है, तो कुलगुरु को निर्धारित नियमों और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के अनुसार उसे भरने का अधिकार होना चाहिए। हर नियुक्ति के लिए सरकार की अनुमति की प्रतीक्षा करने की व्यवस्था विश्वविद्यालयों को पंगु बना रही है।

सरकार को यह समझना होगा कि खाली पद कोई प्रशासनिक आंकड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा का खाली होता हुआ भविष्य हैं।

विश्वविद्यालयों में शिक्षक नहीं होंगे तो कक्षाएं कौन लेगा? वैज्ञानिक नहीं होंगे तो शोध कौन करेगा? कर्मचारी नहीं होंगे तो प्रशासन कौन चलाएगा? कृषि वैज्ञानिक नहीं होंगे तो किसानों तक नई तकनीक कौन पहुंचाएगा?

इसलिए अब समय समिति बनाने का नहीं, निर्णय लेने का है।

नई समिति यदि वास्तव में उपयोगी बनना चाहती है तो उसे केवल यह नहीं बताना चाहिए कि भर्ती कैसे की जाए। उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए किस्वीकृत पदों को भरने के लिए सरकार की अनावश्यक अनुमति की व्यवस्था कब और कैसे समाप्त होगी। उसे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता बहाल करने की समयबद्ध सिफारिश करनी चाहिए।

और सरकार को भी इस बार केवल रिपोर्ट स्वीकार करके संतुष्ट नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट पर निश्चित समय सीमा में निर्णय होना चाहिए और रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तत्काल शुरू होनी चाहिए।

क्योंकि राजस्थान के विश्वविद्यालय अब और प्रयोग सहन करने की स्थिति में नहीं हैं।

समितियां बहुत हो चुकीं। रिपोर्टें बहुत हो चुकीं। आश्वासन भी बहुत हो चुके। अब विश्वविद्यालयों को समिति नहीं, शिक्षक चाहिए; कर्मचारी चाहिए; शोध चाहिए; पेंशन चाहिए और सबसे बढ़कर-निर्णय चाहिए।

कमेटी बनाओ, भर्ती टालो की नीति अब बंद होनी चाहिए। अब समय है-कमेटी नहीं, रिक्त पद भरो।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : नीतिगत भटकाव, प्रशासनिक विफलता और नई नीति की आवश्यकता

प्रोफेसर अशोक कुमार

किसी भी राष्ट्र के विकास, उसकी सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति का सबसे मजबूत आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। भारत ने वर्ष 2020 में तीन दशकों के लंबे अंतराल के बाद अपनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा की थी। इस नीति का उद्देश्य रट्टा मार प्रणाली को खत्म करना, व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना और उच्च शिक्षा का वैश्विक स्तर पर आधुनिकीकरण करना था।

नीति को लागू हुए आधा दशक बीत चुका है। इसके कई सकारात्मक और दूरदर्शी प्रस्तावों के बावजूद, आज जमीनी हकीकत पर इसके क्रियान्वयन की गति, संसाधन और ढांचागत कमियाँ इसकी सफलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं। भारत जैसी विशाल और विविधतापूर्ण जनसांख्यिकी वाले देश में क्या यह नीति अपने उद्देश्यों में सफल रही है, या अब समय आ गया है कि हम इसके फेलियर यानी विफलताओं का ईमानदारी से मूल्यांकन करें और एक वैकल्पिक शिक्षा नीति के रोडमैप पर विचार करें?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का वर्तमान धरातल : विफलता या व्यावहारिक बाधाएँ? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को कागज़ पर एक बेहद प्रगतिशील दस्तावेज़ माना गया, लेकिन इसे लागू करते समय भारतीय शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी कमियों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया। इसकी विफलता के प्रमुख कारण निम्नलिखित बिंदुओं में देखे जा सकते हैं:–

डिजिटल और बुनियादी ढांचे की भारी खाई, नीति में ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और कोडिंग जैसी आधुनिक विधाओं पर बहुत ज़ोर दिया गया। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि भारत के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के सरकारी स्कूलों में आज भी बिजली, चालू कंप्यूटर और हाई-स्पीड इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं। जब देश के एक बड़े हिस्से के पास बुनियादी डिजिटल संसाधन ही नहीं हैं, तो डिजिटल शिक्षा पर अत्यधिक निर्भरता ने अमीर और गरीब बच्चों के बीच की शैक्षणिक दूरी को और चौड़ा कर दिया है।

बजटीय आवंटन की भारी कमी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह वादा किया गया था कि शिक्षा पर कुल जीडीपी का 6 प्रतिशत खर्च किया जाएगा। कोठारी आयोग (1966) के समय से ही यह मांग की जा रही है। लेकिन हकीकत यह है कि आज भी भारत का शिक्षा बजट जीडीपी के 3 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत के आसपास ही सिमटा हुआ है। पर्याप्त बजट के बिना नई प्रयोगशालाएँ बनाना, स्कूलों का आधुनिकीकरण करना और शिक्षकों को प्रशिक्षित करना केवल एक कोरी कल्पना बनकर रह गया है।

बहु-विषयक दृष्टिकोण बनाम संसाधनों का अभाव उच्च शिक्षा में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट (जब चाहें पढ़ाई छोड़ें या दोबारा शुरू करें) और बहु-विषयक दृष्टिकोण का स्वागत किया गया। लेकिन व्यावहारिक रूप से, हमारे अधिकांश कॉलेजों के पास न तो पर्याप्त संकाय हैं और ना ही बुनियादी ढांचा कि वे एक ही समय में विज्ञान, कला और संगीत के सैकड़ों संयोजनों को संभाल सकें। इसके परिणामस्वरूप छात्रों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई है और डिग्रियों के मूल्यांकन का स्तर गिरा है।

भाषा विवाद और राज्यों की स्वायत्तता पर चोट प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में देने का विचार सराहनीय है, लेकिन भारत जैसे बहुभाषी देश में जहां लोग नौकरियों के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में प्रवास करते हैं, वहां इसे लागू करना बेहद जटिल है। इसके अलावा, शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। कई राज्यों का आरोप है कि केंद्र सरकार ने राज्यों को विश्वास में लिए बिना इस नीति को ऊपर से थोप दिया है, जिससे संघीय ढांचे में असंतोष पैदा हुआ है।

एक वैकल्पिक शिक्षा नीति का रोडमैप यदि हम वर्तमान नीति की कमियों को दूर कर एक नई वैकल्पिक शिक्षा नीति की कल्पना करें, तो उसका स्वरूप केवल आधुनिक दिखने पर नहीं, बल्कि जड़ों से जुड़ने और समावेशी होने पर केंद्रित होना चाहिए। एक आदर्श वैकल्पिक नीति में निम्नलिखित पाँच स्तंभ होने आवश्यक हैं:–

केंद्रीकरण के बजाय विकेंद्रीकरण, भारत के हर राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्थिति अलग है। केरल की शैक्षणिक ज़रूरतें बिहार से भिन्न हैं और पूर्वोत्तर राज्यों की समस्याएँ राजस्थान से अलग हैं। वैकल्पिक नीति में दिल्ली से नीतियाँ बनाकर पूरे देश पर लागू करने के बजाय, जिला और राज्य स्तर पर शिक्षा बोर्डों को अपनी नीतियाँ और पाठ्यक्रम तय करने की पूर्ण स्वायत्तता होनी चाहिए।

शिक्षक को व्यवस्था के केंद्र में लाना , राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तकनीक पर बहुत अधिक भरोसा करती है, लेकिन कोई भी स्क्रीन एक अच्छे शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती। हमारी वैकल्पिक नीति का सबसे बड़ा निवेश शिक्षक प्रशिक्षण पर होना चाहिए। बीएड जैसे पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारनी होगी और शिक्षकों से शिक्षण के अलावा कराए जाने वाले गैर-शैक्षणिक कार्यों (जैसे चुनावी ड्यूटी, जनगणना आदि) को पूरी तरह बंद करना होगा ताकि वे अपना 100 प्रतिशत समय बच्चों को दे सकें।

रटने और क्रेडिट सिस्टम के बजाय व्यावहारिक कौशल ,वर्तमान व्यवस्था में बच्चों को केवल परीक्षा पास करने और क्रेडिट जुटाने की होड़ में लगा दिया गया है। वैकल्पिक नीति के तहत कक्षा 6 के बाद से ही केवल थ्योरी के बजाय 50 प्रतिशत समय व्यावहारिक कौशल (जैसे- कृषि तकनीक, कोडिंग, स्थानीय शिल्प, इलेक्ट्रॉनिक्स, वित्तीय साक्षरता) को दिया जाना चाहिए। परीक्षा प्रणाली को साल के अंत में तीन घंटे के तनाव के बजाय, पूरे साल के व्यावहारिक प्रदर्शन के आधार पर आंका जाना चाहिए।

वित्तीय रूप से बाध्यकारी कानून, जब तक बजट नहीं बढ़ेगा, कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती। वैकल्पिक नीति के तहत एक कानूनी ढांचा तैयार होना चाहिए जिसके तहत केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह अनिवार्य हो कि वे अपने कुल बजट का एक निश्चित और बड़ा हिस्सा (जीडीपी का न्यूनतम 6 प्रतिशत) शिक्षा के लिए आरक्षित रखें। इसमें भी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे (शौचालय, साफ पानी, बिजली, सुरक्षित भवन) को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

समावेशी और समतावादी शिक्षा, वैकल्पिक नीति में निजी स्कूलों के बेतरतीब व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। समान स्कूल प्रणाली की दिशा में कदम बढ़ाना होगा, जहाँ अमीर और गरीब का बच्चा एक ही छत के नीचे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पा सके। इसके साथ ही, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और हाशिए पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और मेंटरशिप कार्यक्रम को अनिवार्य रूप से जमीनी स्तर पर लागू करना होगा।

आगे की राह, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा पर संदेह नहीं किया जा सकता; इसके विज़न डाक्यूमेंट में कई बेहतरीन बातें शामिल हैं। परंतु, किसी भी नीति की महानता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह कागज़ पर कितनी भव्य दिखती है, बल्कि इससे मापी जाती है कि वह देश के अंतिम छोर पर बैठे बच्चे के जीवन में क्या बदलाव ला रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की महत्वाकांक्षाएँ हमारे देश के यथार्थ से बहुत आगे निकल गईं, जिससे एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। आज हमें एक ऐसी वैकल्पिक और व्यावहारिक नीति की आवश्यकता है जो ऊंचे-ऊंचे दावों के बजाय बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, राज्यों को अधिकार देने और शिक्षकों को सशक्त बनाने पर केंद्रित हो। शिक्षा को उत्पाद और छात्र को उपभोक्ता बनाने के बजाय, इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। तभी हम वास्तव में एक सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

मानसून के बूढ़े होने का प्रकृति ने दिया संकेत

डॉ. कमलेश शर्मा

मानसून अब विदाई की ओर है... आसमान में बादलों की आवाजाही भले जारी हो, लेकिन प्रकृति ने मौसम बदलने का अपना संदेश दे दिया है। जयपुर-कूकस रोड के आसपास इन दिनों दूर तक फैले कांस के सफेद फूल मानो धरती पर बिछी चांदी की चादर नजर आ रहे हैं। पहाड़ियों की हरी पृष्ठभूमि के बीच सफेद कांस का यह विस्तार ऐसा दृश्य रच रहा है, जिसे देखते ही निगाहें ठहर जाती हैं। कांस के फूलों का खिलना भारतीय लोक-परंपरा में लंबे समय से वर्षा ऋतु की विदाई और शरद ऋतु के आगमन से जोड़ा जाता रहा है। इसकी खूबसूरती का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में भी किया है

विगत शरद रितु आई, देखहूं लक्ष्मण परम सुहाई।

फूले कास सकल मही छाई, जनु बरसा कृत प्रकट बुढ़ाई।।

अर्थात शरद ऋतु आ गई है। कांस के फूलों से पूरी धरती ढक गई है। ऐसा लगता है जैसे वर्षा ऋतु अब बूढ़ी हो चुकी है और अपनी विदाई का संकेत दे रही है।

जहां आमतौर पर झुंड छोटे होते हैं, वहां सफेद मैदान

कांस की खासियत यह है कि यह सामान्यत: किसी खेत की तरह व्यवस्थित तरीके से नहीं उगता। खाली पड़ी जमीन, सड़क किनारे की जगह, नदी-नालों के आसपास या नम मिट्टी वाले खुले क्षेत्रों में यह स्वत: उगने वाला घास कुल का पौधा है। सामान्य परिस्थितियों में इसके पौधे छोटे-छोटे समूहों में दिखाई देते हैं।

लेकिन कूकस रोड के आसपास का दृश्य कुछ अलग है। यहां कई स्थानों पर कांस इतनी बड़ी संख्या में फैला हुआ है कि पहली नजर में लगता है मानो किसी ने इसकी बाकायदा खेती कर दी हो। कई जगह सफेद फूलों का विस्तार दूर तक नजर आता है और हरी पहाड़ियों के बीच यह पूरा क्षेत्र एक प्राकृतिक लैंडस्केप जैसा दिखाई देता है।

कांस असल में क्या है?

कांस का वैज्ञानिक नाम ऍर्म्प्ल्स ज्दर्हैहाल्स है। अंग्रेजी में इसे Wild Sugarcane यानी जंगली गन्ना कहा जाता है। यह Poaceae (घास कुल) का पौधा है और गन्ने की ही वंशावली से संबंधित है।

हालांकि इसे सामान्य गन्ने की तरह मीठे रस या चीनी उत्पादन के लिए नहीं उगाया जाता। यह एक बहुवर्षीय घास है, जो भूमिगत तनों यानी राइजोम के माध्यम से फैल सकती है। अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर यह खाली जमीन पर तेजी से अपना विस्तार कर लेती है। कांस की एक खास विशेषता यह भी है कि यह कई तरह के चरने वाले पशुओं के लिए पसंदीदा चारा नहीं है। इसी कारण जहां दूसरी वनस्पतियां चराई के कारण कम हो जाती हैं, वहां कांस को फैलने का अवसर मिल सकता है।

बीज से ज्यादा जमीन के भीतर फैलता है साम्राज्य

कांस के फूल भले ऊपर दिखाई देते हों, लेकिन इसकी असली ताकत जमीन के नीचे होती है। इसके राइजोम मिट्टी के भीतर फैलते हैं और उनसे नए पौधे निकलते रहते हैं। यही कारण है कि एक बार अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर कांस किसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर फैल सकता है। मानसून के दौरान पर्याप्त नमी मिलने के बाद इसकी वृद्धि तेज होती है। मौसम के आगे बढ़ने पर पौधे पर सफेद, रेशमी फूलों जैसे पुष्पक्रम (inflorescence) निकलते हैं। हवा चलने पर ये महीन सफेद रेशे लहराते हैं और पूरा क्षेत्र धुंधले-सफेद रंग में बदल जाता है।

कांस का फूल वास्तव में फूल नहीं, पुष्पक्रम है

जिसे हम सामान्य भाषा में कांस का फूल कहते हैं, वह तकनीकी रूप से एक अकेला फूल नहीं बल्कि बहुत से छोटे-छोटे फूलों का पुष्पक्रम है। इसका यह सफेद, मुलायम और पंखदार रूप ही इसे इतना आकर्षक बनाता है। परिपक्व होने पर इसके बीजों के साथ महीन रोएं विकसित होते हैं, जो हवा के साथ दूर तक जा सकते हैं। इससे कांस को नए स्थानों तक फैलने में मदद मिलती है।

कभी गद्दों में भरते थे कांस के फूल

आज कांस का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्राकृतिक दृश्य और पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होने के कारण दिखाई देता है, लेकिन ग्रामीण जीवन में कभी इसकी उपयोगिता भी थी। इसके सूखे मुलायम पुष्पक्रम और रेशेदार सामग्री का इस्तेमाल गद्दे, तकिए और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं में भराव सामग्री के रूप में किया जाता था। आधुनिक जीवनशैली और बाजार में उपलब्ध कृत्रिम तथा औद्योगिक सामग्री के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कांस की यह पारंपरिक उपयोगिता लगभग समाप्त हो गई है।

सिर्फ खूबसूरती नहीं, पारिस्थितिकी में भी भूमिका

कांस को केवल मानसून की विदाई का प्रतीक मानना इसके महत्व को सीमित कर देगा। यह प्राकृतिक घासभूमि और नदी-तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी जड़ें मिट्टी को बांधने में मदद करती हैं और वनस्पति आवरण भूमि के कटाव को कम करने में योगदान दे सकता है।

हालांकि किसी क्षेत्र में इसका अत्यधिक विस्तार हमेशा सकारात्मक नहीं माना जा सकता। यदि यह स्थानीय वनस्पतियों को पीछे छोड़कर बहुत तेजी से फैल जाए, तो वनस्पति समुदाय की संरचना प्रभावित हो सकती है। इसलिए कांस को उसके स्थानीय पारिस्थितिक संदर्भ में देखना ज्यादा उचित है।

फोटो में मौसम बदलने की कहानी

कूकस रोड पर खींची गई यह तस्वीर केवल फूलों की खूबसूरती ही नहीं दिखाती, बल्कि मौसम के संक्रमण की पूरी कहानी कहती है। एक तरफ पहाड़ों पर मानसून की हरियाली है, तो दूसरी तरफ उन्हीं पहाड़ियों के बीच सफेद कांस का विस्तार-मानो प्रकृति खुद बता रही हो कि बरसात का मौसम अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और शरद दस्तक दे रही है।

हवा के साथ लहराते कांस के फूलों को देखकर तुलसीदास की सदियों पुरानी पंक्तियां आज भी उतनी ही जीवंत लगती हैं-

फूले कास सकल मही छाई...

मानो सचमुच बारिश की विदाई पर धरती ने सफेद चादर ओढ़ ली हो।

–डॉ. कमलेश शर्मा,
अतिरिक्त निदेशक
(प्रचार), पुलिस मुख्यालय

राशिफल शनिवार 12 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 12:55 तक, शुभ योग दिन 3:09 तक, बव करण प्रात: 7:47 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज त्रिपुष्कर योग प्रात: 7:47 से दिन 12:55 तक है। यमघट योग दिन 12:55 से सूर्योदय तक है। आज बुध उदय पश्चिम में प्रात: 7:15 पर होगा। आज नक्त व्रत पूर्ण होगा। आज साम श्रावणी उपाक्रम (सामवेदियों की राखी) आज प्रथम प्रकाश उत्सव गुरू ग्रंथ साहिब (प्राचीन मत) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:47 से 9:19 तक, चर 12:23 से 1:55 तक, लाभ-अमृत 1:55 से 5:00 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:32

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। आपसी विवादों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
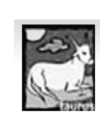
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

मिथुन
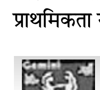
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय-व्यय में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
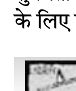
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक व्यावसायिक खर्च होगा।

वृश्चिक
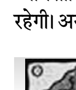
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही समस्त अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सुगमता से उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
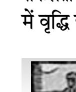
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
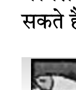
परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 42 प्रभात जयपुर, शनिवार 12 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Traffic Jam In The Mughal Empire

Food had to move, and the Banjaras knew how, their importance was so great that rulers had powerful incentives to maintain relationships with caravan leaders

The Baker Who Pretended to Be Heartless

मोदी-पुतिन मुलाकातः कोई बड़ी शस्त्रों की खरीद फरोख्त नहीं पर संबंधों में मोमैन्टम बना रहा

ऐसा लगा, मोदी-पुतिन मुलाकात का मकसद सुरक्षा संबंधों में निरंतरता बनाए रखना है

- भारत की मंशा, भारत के पास जो रूसी हथियार हैं, उनकी सप्लाई बरकरार रखना, रख रखाव जारी रखना, उसको ''अपग्रेड'' करना तथा सपोर्ट सिस्टम चुस्त व तंदरूस्त रखना।
- दूसरे शब्दों में, पुतिन-मोदी मुलाकात से दोनों देशों के आपसी संबंधों को और दृढ़ व मजबूत करना।
- पुतिन द्वारा मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में आने का न्यौता देना और मोदी द्वारा न्यौता तुरंत स्वीकार करना, पक्के रिश्तों का एक बड़ा प्रमाण है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की गहराई और मजबूती को और बढ़ाया है, लेकिन इसमें हथियारों की खरीद का कोई बड़ा नया समझौता नहीं हुआ है। हालांकि, बातचीत में डिफैंस का मुद्दा प्रमुख रूप से शामिल रहा, लेकिन रूस की उन्नत हथियार प्रणालियों, जिसमें एसयू-57 लड़ाकू विमान और अतिरिक्त एस-400 वायु रक्षा प्रणालियां शामिल हैं, से जुड़े बहुप्रतीक्षित सौदे अभी भी सिर्फ प्रस्ताव या बातचीत के दौर में ही हैं।

दोनों नेताओं ने आपसी रिश्तों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, परमाणु ऊर्जा सहयोग, मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे, इस्पात, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिज, सहयोग के प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरे। बातचीत से यह संकेत मिला कि दोनों देश रक्षा और तेल-गैस पर पारंपरिक निर्भरता से आगे बढ़कर संबंधों को अधिक विविध आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

डिफैंस से जुड़ा सबसे अधिक चर्चा का मुद्दा रूस का एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जैट का प्रस्ताव था। बताया जाता है कि मॉस्को ने भारत को इस विमान के दो स्क्वाड्रन देने और इसके अलावा अन्य स्क्वाड्रनों का भारत में ही उत्पादन करने का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ तकनीक हस्तांतरण की भी पेशकश की गई है। ऐसी व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यह भारत में स्वदेशी रक्षा उत्पादन और तकनीक हासिल करने पर बढ़ते जोर के अनुरूप होगी। हालांकि, मोदी-पुतिन मुलाकात के दौरान एसयू-57 खरीद समझौते की घोषणा नहीं की गई।

एस-400 एयर डिफैंस सिस्टम भी भारत-रूस रक्षा संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। भारत रूस से एस-400 प्रणालियां पहले ही खरीद चुका है और अतिरिक्त प्रणालियों तथा मिसाइलों की आपूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, हाल की मुलाकात के दौरान किसी नए बड़े एस-400 समझौते की घोषणा नहीं हुई। ऐसा लगता है कि जोर इस बात पर है कि भारत के पास मौजूद रूस निर्मित सैन्य उपकरणों के लिए सप्लाई, मेंटनैंस, अपग्रेड और सपोर्ट लगातार मिलता रहे।

ब्रह्मोस दोनों देशों के बदलते रक्षा संबंधों का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित और निर्मित यह मिसाइल उस तरह के रक्षा सहयोग का उदाहरण है, जिसे नई दिल्ली ज्यादा से ज्यादा चाहती है, यानी सिर्फ आयातित हथियारों पर निर्भर रहने के बजाय, संयुक्त विकास, उत्पादन और टैक्नॉलजी पार्टनरशिप उन्नत प्रणालियों और निर्यात के अवसरों में और सहयोग इस मॉडल को और मजबूत कर सकता है।

इसलिए डिफैंस पर हुई बातचीत का महत्व किसी एक नए समझौते की अपेक्षा संबंधों की दिशा से ज्यादा जुड़ा है। भारत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को तेजी से आगे बढ़ाते हुए तकनीक, उत्पादन, रखरखाव और आपूर्ति श्रृंखलाओं में रूस का सहयोग चाहता है। पश्चिमी बाजारों में लगातार पाबंधियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांच दिन बैंकिंग की मांग पर 28 से 30 सितम्बर हड़ताल की घोषणा

- बैंक ऑफिसर्स कॉन्फिडरेशन ने कहा कि यदि समाधन नहीं निकला तो 26 अक्टूबर से लगातार हड़ताल की जायेगी।

कोलकाता, 11 सितंबर। पश्चिम बंगाल में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर देश भर में बैंक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। बैंकिंग क्षेत्र की यूनियनों की ओर से सरकार पर पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन के उपाध्यक्ष शुभ्रज्योति चटर्जी ने कहा कि शुक्रवार की बैंक हड़ताल का मुख्य मुद्दा पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना है। उन्होंने बताया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने इस मुद्दे को लेकर पहले ही 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल की घोषणा कर रखी है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की ओर से इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया तो 26 अक्टूबर से लगातार हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। उनके अनुसार, बैंक यूनियनों की कई अन्य मांगें भी हैं, लेकिन इस समय पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना सबसे प्रमुख मांग है। सुभ्रज्योति चटर्जी ने दावा किया कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था के प्रस्ताव को सरकार पहले ही स्वीकार कर चुकी है।

सोनम वांगचुक ने आंदोलन पुनः शुरु करने की धमकी दी

वांगचुक ने आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय के साथ उनके प्रतिनिधियों की कई बार बैठक व बातचीत हुई, पर बैठक की अगली तारीख तय होने के अलावा कोई निर्णय नहीं हुआ है

- अब विश्वास (ट्रस्ट) घट रहा है तथा अविश्वास बढ़ रहा है।
- अतः वांगचुक 19 सितंबर से 24 सितंबर तक अपना आंदोलन पुनः शुरु करेंगे।
- उन्होंने पुनः अनशन पर बैठने का इरादा भी जताया, हालांकि, उनका शरीर, 26 दिन के अनशन से हुई शारीरिक हानि से अभी पूर्णतया उबरा नहीं है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी है कि अगर केन्द्र सरकार एक सप्ताह के भीतर लद्दाख की लोकतांत्रिक और संवैधानिक मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं देती है, तो 19 से 24 सितंबर, 2026 तक लद्दाख में फिर आंदोलन किया जाएगा। यह चेतावनी 9 सितंबर को नई दिल्ली में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी), कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रतिनिधियों और गृह मंत्रालय की एक उप-समिति के बीच हुई बैठक के बाद आई है। इस बैठक में अक्टूबर में एक और बैठक तय करने के अलावा कोई खास नई प्रगति नहीं हुई।

ज्ञातव्य है कि वांगचुक ने कई बार भूख हड़ताल का नेतृत्व किया है और सितंबर 2025 में लेह में हुई हिंसा (जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी) के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत, वे हिरासत में लिए गए थे। उन्होंने कहा कि हाल की बातचीत में ''शायद ही कुछ नया'' सामने आया। उन्होंने केन्द्र पर आरोप लगाया कि उसने लेह से कारगिल तक की प्रस्तावित पदयात्रा से ध्यान भटकाने के लिए इस बैठक का इस्तेमाल किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक कोई चुनी हुई संस्था नहीं बन जाती, तब तक जमीन, शासन व्यवस्था और स्थानीय संस्थाओं से जुड़े ऐसे फैसलों के खिलाफ आश्वासन नहीं मिलने पर आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''भरोसा कम हो रहा है और अविश्वास बढ़ रहा है।'' उन्होंने आगे भी व्यक्तिगत त्याग के लिए तैयार होने का संकेत दिया है, जिसमें संभावित भूख हड़ताल भी शामिल है। हालांकि, उन्होंने बताया कि वे हाल ही में की गई 26 दिन की भूख हड़ताल से अभी पूरी तरह स्वस्थ नहीं हुए हैं।

अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने के बाद, 2019 में लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केन्द्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू-कश्मीर से अलग कर दिया गया था। इससे, जम्मू-कश्मीर से अलग होने की बौद्ध बहुल लेह क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई थी। शुरुआत में इस फैसले का जश्न मनाया गया, लेकिन बाद में लोगों का उत्साह कम हो गया, क्योंकि क्षेत्र की विधायी शक्तियां खत्म हो गईं, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों की शक्तियां कम कर दी गईं और बाहरी लोगों की बढ़ती आमद तथा केन्द्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिटिश इकॉनमिस्ट जिम ओनील ने नवंबर 2001 में ''ब्रिक'' शब्द दिया था विश्व को

उस समय धनाढ्य देशों के संगठन जी7 का एकाधिकार था, ब्रिक का वजूद ना के बराबर था

- अब ब्रिक्स का इतना प्रसार हुआ है तथा महत्व बढ़ा है कि उसकी हर स्तर पर जी7 से तुलना होती है और कई क्षेत्रों में ब्रिक्स जी7 को पीछे छोड़ते हुए आगे से आगे निकल गया है, निकलता जा रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। भारत 12 और 13 सितंबर को होने वाले ''ब्रिक्स शिखर सम्मेलन'' की तैयारी कर रहा है। इस सम्मेलन में 11 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी उन नेताओं में शामिल हैं, जो नई दिल्ली के ''भारत मंडपम'' में होने वाले शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे।

दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में भारी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। राजधानी में करीब 15,000 पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां तैनात किए जाने की उम्मीद है। सम्मेलन के दौरान दिल्ली की ज्यादातर सड़कों को बंद रखा जाएगा।

यह शिखर सम्मेलन यह भी दिखाता है कि 2012 और 2021 में जब भारत ने दिल्ली में सम्मेलन की मेजबानी की थी, उसके बाद से ''ब्रिक्स'' कितना बदल गया है। चार देशों से शुरू हुए इस समूह में अब 11 सदस्य हैं, जिससे इसका आर्थिक, जनसंख्या संबंधी और सैन्य प्रभाव काफी बढ़ गया है।

इसी वजह से इसकी तुलना दुनिया की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के संगठन ''ग्रुप ऑफ सेवन'' (जी7) से भी की जा रही है।

ब्रिक्स की शुरुआत ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन के ग्रुप से हुई थी। इन चार देशों ने 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान, ''ब्रिक'' के रूप में पहली बैठक की थी। पहला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान का प्रतिनिधिमंडल कोलकाता पहुंचा

- प.बंगाल में जापानी निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा तथा कोलकाता -जापान हवाई संपर्क पर चर्चा हुई।

कोलकाता, 11 सितंबर। भारत और जापान के बीच व्यापार, निवेश तथा सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से जापान के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री तापस राय से मुलाकात की। विदेश मामलों के राज्य मंत्री अयानो कुनिमित्सु के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में, राज्य में जापानी निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और कोलकाता-जापान के बीच हवाई संपर्क बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में तापस राय ने बताया कि दोनों पक्षों ने पश्चिम बंगाल और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापार, कारोबारी सहयोग तथा सांस्कृतिक संबंधों को विस्तार देने के उपायों पर विचार किया।

3,000 रूम्स, ब्रिक्स के लिए आरक्षित किए, दिल्ली की होटलों ने

हर होटल में भारी सजावट की गई है तथा उच्च स्तर सुरक्षा भी प्रदान की गई है

- पुतिन आईटीसी के मौर्य होटल में ठहरे हैं। चीन के राष्ट्रपति ताज पैलेस में रूकेंगे। ओबेरॉय होटल में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ठहरेंगे। ले मेरिडियन में यूएन के सेक्रेटरी जनरल एंतोनियो गुतारेस के ठहरने की व्यवस्था है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। 12 और 13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली के आलीशान होटल हाई-सिक्योरिटी वाले कूटनीतिक क्षेत्रों में बदल गए हैं। ब्रिक्स प्रतिनिधियों, साझेदार देशों और वरिष्ठ वैश्विक अधिकारियों के लिए राजधानी के अलग-अलग होटलों में 3,000 से अधिक कमरे बुक किए गए हैं। कुछ आलीशान होटलों में एक रात के कमरे का किराया 2 लाख रुपये से भी अधिक हो गया है।

आइए जानते हैं कि प्रमुख प्रतिनिधिमंडल और अधिकारी कहां ठहरे हुए हैं।

व्लादिमीर पुतिन आईटीसी मौर्य में

सूत्रों के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आईटीसी मौर्य में ठहरे हुए हैं। शिखर सम्मेलन से पहले इस होटल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और कमरे का किराया फिलहाल 2 लाख रुपये प्रति रात से अधिक हो गया है। पुतिन उन 11 ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं में शामिल हैं, जिनके शिखर सम्मेलन में आने की उम्मीद है।

चीन के राष्ट्रपति ताज पैलेस में

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कल भारत पहुंचने की उम्मीद है और वे नई दिल्ली के ताज पैलेस में ठहरेंगे। फिलहाल इस होटल के सभी कमरे बुक हो चुके हैं।

द ओबेरॉय नई दिल्ली

डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग स्थित द ओबेरॉय नई दिल्ली में चार ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के प्रतिनिधिमंडल ठहरे हुए हैं। इनमें ब्राजील, कजाखस्तान, इथियोपिया और इंडोनेशिया शामिल हैं।

होटल, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के आने की भी तैयारी कर रहा है, जिनके दोपहर में होटल पहुंचने की उम्मीद है।

यहां सुरक्षा व्यवस्था विशेष रूप से कड़ी है और कई स्तरों पर सुरक्षा जांच की जा रही है।

आम यात्रियों के लिए भी यहां अब बहुत कम कमरे बचे हैं। ओबेरॉय की आधिकारिक वेबसाइट पर फिलहाल होटल पूरी तरह बुक दिख रहा है।

द ताजमहल होटल

द ताजमहल होटल में विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों का बड़ा समूह ठहरा हुआ है। उरुग्वे, फिलीपींस, क्यूबा, बेलारूस और वियतनाम के प्रतिनिधिमंडल इस होटल में ठहरे हैं।

होटल विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक और विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक की भी मेजबानी कर रहा है।

द ओबेरॉय की तरह इस होटल की आधिकारिक वेबसाइट पर भी फिलहाल सभी कमरे बुक दिख रहे हैं।

ले मेरिडियन

ले मेरिडियन नई दिल्ली में ठहरने वाले मेहमानों की सूची ब्रिक्स सरकारों से आगे बढ़कर है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, एशियाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विमान का इंजन फेल हुआ, दिल्ली में सुरक्षित आपात लैंडिंग

- प्रयागराज से दिल्ली आ रहे अलायंस एयर के विमान का इंजन हवा में फेल हो गया।

नई दिल्ली, 11 सितंबर। प्रयागराज से नई दिल्ली आ रहे एलायंस एयर के विमान का एक इंजन शुक्रवार दोपहर हवा में फेल हो गया। इसके चलते आईजीआई एयरपोर्ट पर विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार क्रू समेत 40 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सूत्रों के मुताबिक, एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9आई-698 ने दोपहर प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान, मेरठ के आसपास पायलट को विमान के एक इंजन में तकनीकी दिक्कत महसूस हुई। इसके बाद, पायलट ने स्थिति की जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान की दोपहर करीब 2:15 बजे आपात लैंडिंग कराई गई।

हूथीज़ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के वैकल्पिक रूट को भी अवरूद्ध करने में सफल होते नज़र आ रहे हैं

इस घटनाक्रम से सऊदी अरब लगभग घुट सा जाएगा

- आशंकाएं-आशंकाएं ही उभर रही हैं।
- क्या पाकिस्तान सऊदी अरब के समर्थन में उतरेगा, जैसा उसने सऊदी व टर्की के साथ किए सुरक्षा गठबंधन में घोषित किया था।
- पर, क्यों ऐसा करके ईरान से शत्रुता मोल लेगा, क्योंकि, ईरान व पाकिस्तान भी पड़ोसी हैं, सीधी स्पष्ट सीमा है।
- क्या अमेरिका, अब अंततोगत्वा, अपने सैनिकों को सीधे युद्ध में झोंकने को मजबूर होगा।
- क्या ट्रंप अमेरिका में नवंबर में होने वाले चुनाव के पहले यह अलोकप्रिय सा कदम उठाएंगे?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिका-ईरान युद्ध अब नए क्षेत्रों में फैल रहा है। ईरान के प्राक्सी, यमन के हूती विद्रोहियों ने तेल की आवाजाही के एक महत्वपूर्ण मार्ग पर मौजूद एक अहम द्वीप पर कब्जा कर लिया है और अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से गुजरने वाले सभी सऊदी जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दे रहे हैं।

खबरों के अनुसार, बताया जा रहा है कि उन्होंने यमन के तट पर बाब अल-मंदेब के बेहद करीब स्थित एक महत्वपूर्ण बंदरगाह पर कब्जा कर लिया है। इससे हूतियों को ऐसी महत्वपूर्ण जगह मिल गई है, जहां से वे उस जलडमरूमध्य से होने वाली सभी गतिविधियों को खतरे में डाल सकते हैं, जो स्वेज़ और लाल सागर के ट्रैफिक को हिंद महासागर बड़े इलाकों से जोड़ता है।

हूतियों की गतिविधियों ने पहले से ही बढ़े हुए युद्ध के खतरे को और जटिल बना दिया है। ईरान के दर्जनों सैन्य अधिकारी और उसके लिए काम करने वाले लोग पहले से ही हूतियों के कब्जे वाले यमन में मौजूद हैं। वे हूतियों की गतिविधियों को निर्देशित कर रहे हैं, ताकि सऊदी अरब से होने वाली तेल की आवाजाही पर नया नियंत्रण कायम किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी सीएनएन द्वारा उद्धृत कुछ खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी सैन्य ऑपरेटिव बाब अल-मंदेब मार्ग से तेल की आवाजाही को रोकने के लिए इन सैन्य अभियानों में सीधे तौर पर सक्रिय हैं।

बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, होर्मुज़ जलडमरूमध्य के समानांतर समुद्री मार्ग है, जो लाल सागर और उत्तर में स्वेज नहर के जरिए एशिया को यूरोप से जोड़ता है और आगे भूमध्य सागर तक पहुंचता है। हूतियों ने अब यमन के तट पर एक बंदरगाह और समुद्री मार्ग के बीच में स्थित एक छोटे से द्वीप पर कब्जा कर लिया है और कहा है कि सभी सऊदी जहाजों पर हमला किया जाएगा।

इससे और भी व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है। इसका कारण पाकिस्तान का यह हालिया दावा भी है कि पाकिस्तान और तुर्की अब इस बात के लिए वचनबद्ध हैं कि अगर हूती सऊदी जहाजों के खिलाफ अपनी धमकी को लागू करते हैं और किसी सऊदी जहाज पर हमला करते हैं, तो दोनों देश ईरान के समर्थक हूतियों पर हमला करेंगे।

याद दिला दें कि सऊदी अरब ने एक समझौता किया है, जिसे आम तौर पर मक्का समझौता कहा जा रहा है। इसमें, नाटो समझौते की तर्ज पर, यह प्रावधान है कि तीनों में से किसी एक पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान ने हाल ही में फिर कहा है कि मक्का समझौते में शामिल देशों को लेकर किसी स्पष्टता की जरूरत नहीं है क्योंकि जिम्मेदारी स्पष्ट है।

अगर पाकिस्तान ईरान के समर्थक हूती लड़ाकों पर हमला करता है, तो यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान किस तरह प्रतिक्रिया देगा। चूँकि दोनों देश सीधे पड़ोसी हैं और ऐसी स्थिति में जमीनी संघर्ष भी वास्तविकता बन सकता है।

मक्का समझौते की जिम्मेदारियों के बावजूद, सऊदी अरब पर पहले से छिटपुट रूप से हो रहे हूतियों के हमले ऐसे समय में तेल बाजार में भारी उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं, जब बाजार पहले ही संकट में है। तेल की कीमतें पहले ही 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी हैं और इनमें और तेजी आ सकती है।

बाब अल-मंदेब पर खतरा सऊदी अरब के तेल परिवहन के लिए बची हुई एकमात्र जीन रेखा पर खतरा है, क्योंकि होर्मुज़ जलडमरूमध्य उसके लिए पहले ही बंद है। सऊदी अरब एशिया में अपने खरीदारों तक तेल पहुंचाने के लिए लाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली हाईकोर्ट को आठ नये जज मिलेंगे

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सिफारिश में तीन महिला न्यायिक अधिकारी शामिल।

नई दिल्ली, 11 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय को आठ नये जज मिलेंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली में सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने इन जजों की नियुक्ति की अनुशंसा की।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के जज के रूप में नियुक्त करने के लिए तीन महिला न्यायिक अधिकारियों के नाम की सिफारिश की है। कोलीजियम ने गुरविंदर पाल सिंह, निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय शर्मा, संजय शर्मा प्रथम, भरत पराशर, डॉ. अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज के नाम की अनुशंसा की है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 60 है। फिलहाल, दिल्ली उच्च न्यायालय में 44 जज है।

डीएलएसए सचिव ने किशनगढ़ थाने के बंद कैमरों पर नाराजगी जताई

किशनगढ़बास । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (राल्सा), जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देश पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी ने पुलिस थाना ततारपुर का औचक निरीक्षण किया।

सचिव कुड़ी ने बताया निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना, राल्सा की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को दी जा रही विधिक सहायता की जमीनी हकीकत परखना था। निरीक्षण के दौरान सचिव ने थाने की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्थाओं और विभिन्न रजिस्टरों के संधारण की गहन जांच की। जांच में कई गंभीर खामियां सामने आईं। थाने में लगे कुल छह सीसीटीवी कैमरों में से कुछ कैमरे बंद अवस्था में पाए गए। इस पर सचिव अजीत कुड़ी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल सभी कैमरों को दुरुस्त कर 24 घंटे चालू रखने के निर्देश दिए। इसी तरह थाने में महिला एवं पुरुष बंदियों के लिए अलग-अलग लॉकअप की व्यवस्था नहीं मिली। इसके अलावा आगंतुक रजिस्टर और एफआईआर रजिस्टर में कई जगह कटिंग पाई गई और प्रारंभिक हस्ताक्षर भी नहीं किए गए थे। उन्होंने सभी अभिलेखों और रजिस्टरों का नियमानुसार, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधिक सहायता व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई कि थाने में पैनल

डीएलएसए सचिव अजीत कुड़ी ने पुलिस थाना ततारपुर का निरीक्षण किया।

अधिवक्ताओं, लीगल एड डिफेंस काउंसिल और निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित ही नहीं की गई थी। गिरफ्तारी के समय आरोपियों को दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, तालुका विधिक सेवा समिति अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाने वाली सूचनाओं और जेजे एक्ट व पॉक्सो अधिनियम से संबंधित विधिक सहायता के रिकॉर्ड की भी समीक्षा की गई। पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों को आगे

- 24 घंटे कैमरे चालू रखने निर्देश दिए
  सचिव के निरीक्षण में मिली कई खामियां
- महिला-पुरुष के लिए अलग लॉकअप नहीं, रजिस्टरों में कटिंग और हस्ताक्षर अधूरे
- अवैध हिरासत पर भी दिए कड़े निर्देश

भेजने की व्यवस्था में भी सुधार की आवश्यकता पाई गई। निरीक्षण के दौरान थाने में चाइल्ड वेलफेयर ऑफिसर के रूप में एएसआई नरेश की नियुक्ति पाई गई। सचिव अजीत कुड़ी ने थाना अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी व्यक्ति को अवैध हिरासत में नहीं रखा जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों को 24 घंटे क्रियाशील रखा जाए, लॉकअप व्यवस्था में आवश्यक सुधार किया जाए, सभी रजिस्टरों का नियमानुसार संधारण हो और आमजन को उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी थाने में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय और विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना है। पुलिस थानों में आवश्यक व्यवस्थाओं और अभिलेखों के बेहतर संधारण से ही आमजन के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

सार-समाचार

9 चरणों में 14 सितम्बर को होगी मतगणन

निवाई। नगरपालिका चुनावों की मतगणना का ज्यों-ज्यों समय समीप आ रहा है। त्यों-त्यों प्रत्याशियों की सांसे फूलती जा रही है। प्रशासन ने मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। उपखण्ड अधिकारी गंभीर सिंह ने बताया कि 14 सितम्बर को मतगणना की जाएगी। मतगणना के दौरान कानून एवं शान्ति व्यवस्था के लिए मतगणना स्थल कृषि मण्डी के बाहर एवं भीतर अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर केवल पासधारी प्रतिनिधियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के दौरान मोबाईल फोन, बीडी, सिगरेट, गुटखा एवं अन्य आपत्तिजनक सामठाी के साथ प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए 5 टेबिलें लगाई गई हैं। जिन पर 15 कार्मिक नियुक्त किए गए है। उन्होंने बताया कि 40 वार्डों की मतगणना 9 चरणों में की जाएगी। जीतने वाले प्रत्याशियों की घोषणा लाउड स्पीकर से की जाएगी। उन्होंने बताया कि जीतने वाले पार्षद 14 व 15 सितम्बर तक शपथ ले सकेंगे। लोगों को नियंत्रित रखने के लिए मण्डी के गेट बंद रहेंगे एवं बेरिकेटस लगाए जाएंगे। प्रशासन ने मण्डी परिसर में मतगणना की तैयारियों को अन्तिम रूप दे दिया गया है। शुक्रवार को भी ईवीएम मशीनों की कड़ी सुरक्षा के लिए जवान तैनात रहे।

नंदोत्सव में उमड़े श्रद्धालु, सजीव झांकी सजाई

निवाई । बस स्टैंड पर तंबोली परिवार के तत्वावधान में नंदोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हे कृष्ण व राधा की सजीव झांकी सजाई गई। नंदोत्सव का शुभारंभ भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस दौरान भजन गायिका पार्वती सोनी, उषा कुमावत, पार्वती टेलर, बबली शर्मा व शांति सहित कई महिला श्रद्धालुओं ने नन्द के आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय हो नन्दलाल की, राधिका गोरी से बिरज की छोरी से मैया करा दे मेरो ब्याह, म्हाका हिवडा में बस रही झांकी जी कल्याण मोत्यांला, यशोदा थारे घर आनंद आयो व त्रिलोकी को नाथ आज थारे कीर्तन करबा आयो सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन कीर्तन के दौरान उपस्थित महिलाएं नृत्य करने लगी। नंदोत्सव की समाप्ति पर भगवान की आरती करके बाद प्रसादी का वितरण किया गया।

आत्मरक्षा में तकनीक के साथ आत्मविश्वास भी जरूरी : डॉ. अंजू

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालाडेरा में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित 24 दिवसीय रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण कैम्प के 16 वें दिवस छात्राओं ने आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों का सघन अभ्यास किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अंजू यादव के नेतृत्व में प्रशिक्षार्थी छात्राओं ने विपरीत परिस्थितियों में हमलावर को पछाड़ने एवं गिराने के विभिन्न तरीकों का सफलतापूर्वक अभ्यास किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को बताया गया कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सजगता, त्वरित निर्णय, आत्मविश्वास और सही तकनीक के समन्वय का नाम है। अभ्यास के दौरान छात्राओं ने विभिन्न परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने, सामने वाले के आक्रमण को नियंत्रित करने तथा आवश्यकता पड़;ने पर उसे पछाड़कर स्वयं को सुरक्षित करने की तकनीकों का प्रदर्शन किया । इस अवसर पर प्रशिक्षार्थी छात्राओं के उत्साह और शारीरिक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में पूजा यादव ने प्रथम, दिव्या कुमावत एवं श्वेता सेन ने द्वितीय तथा कोमल निठरवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अंजू यादव ने अपने विषयपरक मोटिवेशनल वक्तव्य में कहा कि आत्मरक्षा की पहली सीढ़ी अपने भीतर के भय को परास्त करना है। जिस दिन बेटी को यह विश्वास हो जाता है कि वह किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं को संभाल सकती है, उसी दिन उसके व्यक्तित्व में एक नई शक्ति का जन्म होता है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को केवल आत्मरक्षा के दांव-पेंच सीखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग रहना, खतरे को समय रहते पहचानना और संकट की घड़ी में बिना घबराए सही निर्णय लेना भी सीखना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि सशक्त बेटी केवल स्वयं की रक्षा नहीं करती, बल्कि समाज में सुरक्षा और आत्मविश्वास का वातावरण भी तैयार करती है। उन्होंने छात्राओं का आ ान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान सीखी तकनीकों का नियमित अभ्यास करें, क्योंकि संकट की स्थिति में वही कौशल काम आता है जो अभ्यास के माध्यम से व्यवहार का हिस्सा बन चुका हो। उन्होंने कहा कि शारीरिक फिटनेस भी आत्मरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है।

निवाई में कौन होगा पालिकाध्यक्ष, प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शुरु

निवाई। नगरपालिका के चुनाव सम्पन्न होते ही पार्टी नेता प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी हो गई है। जिसके चलते पालिकाध्यक्ष के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है। शहर में सभी जगह एक ही चर्चा है कि कौन होगा शहर का पालिकाध्यक्ष। नगरपालिका के 40 वार्डों में किस पार्टी का बहुमत आता है। इसकी जानकारी तो 14 सितम्बर को ही लग पाएगी। लेकिन पहले से ही भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पालिकाध्यक्ष की ताजपोशी के लिए बाड़ाबंदी करने में जुट गए है।

भाजपा में विधायक रामसहाय वर्मा, पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी, चुनाव प्रभारी मनोज चौधरी एवं दिनेश दादिया सहित कई नेता प्रत्याशियों से सम्पर्क बनाए हुए है। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, चुनाव प्रभारी राजेन्द्र चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी सहित कई नेता

- भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पालिकाध्यक्ष की ताजपोशी के लिए बाड़ाबंदी करने में जुट गए है

प्रत्याशियों के सम्पर्क में जुड़े हुए है। नगरपालिका का मतदान होने के साथ ही चाय एवं पान की दुकानों पर अब प्रत्याशियों के समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों की हार-जीत के लिए शर्तें लगाकर दावा कर रहे है। वही कई प्रत्याशियों के परिजन मंदिरों में माथा टेक रहे है।

सभी को 14 सितम्बर का बेसबरी से इंतजार है। चुनावी चर्चाओं में कई प्रत्याशियों की वन वे जीत बताई जा रही है। तो कई जगह भीतरघात का डर समर्थकों एवं प्रत्याशियों को भी सता रहा है।

पावटा में चुनाव खत्म, किसके सिर सजेगा पालिका का ताज

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव में मतदान संपन्न होने के साथ ही अब शहर की सियासत में नया दौर शुरू हो गया है। ईवीएम में बंद 243 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 14 सितंबर को होगा। मतगणना राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पावटा में की जाएगी।

- अब बोर्ड की बिसात, वार्ड पार्षदों से लेकर चेयरमैन-वाइस चेयरमैन तक के लिए शुरू हुए समीकरण
- 14 सितंबर को खुलेगा पार्षदों के भाग्य का पिटारा
- चेयरमैन-वाइस चेयरमैन की कुर्सी पर नजर, पार्टियों ने शुरू की बाड़ाबंदी

परिणाम आने से पहले ही राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने नगरपालिका बोर्ड के गठन को लेकर जोड़-तोड़ और संभावित समीकरणों पर मंथन शुरू कर दिया है। मतदान के बाद अब वार्डवार हार-जीत का गणित लगाया जा रहा है। प्रत्याशी और उनके समर्थक अपने-अपने बूथों से मिले आंकड़ों के आधार पर जीत के दावे कर रहे हैं। वहीं कांटे के मुकाबले वाले वार्डों के परिणाम को लेकर सबसे ज्यादा उत्सुकता बनी हुई है। नगरपालिका चुनाव भले ही पार्षद चुनने के लिए हुआ हो, लेकिन असली सियासी नजर अब चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के पद पर है।

कौन-कौन प्रत्याशी जीतकर बोर्ड में पहुंचेगा और जीत के बाद किस खेमे के साथ खड़ा होगा, इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। यदि किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो बोर्ड गठन के लिए निर्दलीय और अन्य दलों से जीतकर आने वाले पार्षदों की भूमिका बेहद अहम हो सकती है। ऐसे में राजनीतिक दल अपने-अपने संभावित विजेता पार्षदों को एकजुट रखने के लिए बाड़ाबंदी की रणनीति पर भी काम कर रही हैं। हालांकि अंतिम तस्वीर 14 सितंबर को परिणाम आने के बाद ही साफ होगी, लेकिन संभावित परिणामों को लेकर राजनीतिक खेमों में बैठकों और संपर्कों का दौर शुरू होने की चर्चाएं हैं। किस पार्षद का रुख किस ओर होगा और किसके समर्थन से बोर्ड का बहुमत तैयार होगा, यही अब सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। पार्षदों का चुनाव केवल एक वार्ड की जीत-हार नहीं है। निर्वाचित पार्षद अगले पांच वर्षों तक नगरपालिका की नीतियों, विकास कार्यों और बोर्ड के फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यही वजह है कि इस बार पार्षदों के परिणाम के साथ-साथ पालिका बोर्ड की सत्ता का गणित भी बेहद अहम माना जा रहा है। अब शहर की निगाहें 14 सितंबर पर टिकी हैं। मतगणना के साथ जहां पार्षदों के भाग्य का फैसला होगा, वहीं इसके बाद शुरू होगा नगरपालिका में बोर्ड बनाने का असली सियासी खेल-किसके पास बहुमत होगा, कौन बनेगा चेयरमैन और किसके सिर सजेगा वाइस चेयरमैन का ताज, इसका जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा।

गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा पोषण व स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

कोटपूतली । सेवा भारती समिति कोटपूतली की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले सुपोषित भारत अभियान को लेकर शुक्रवार को रामरिछपाल मोरीजावाला विद्या मंदिर कोटपूतली में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने तथा अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सुपोषित भारत अभियान का आयोजन 16 सितंबर से 30 सितंबर तक किया जाएगा। बैठक में अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। प्रांत संरक्षक महेश गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में जिला मंत्री महेश चंद सैनी ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अभियान से संबंधित जानकारी कार्यकर्ताओं को दी तथा सभी कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का आ ान किया। अभियान के तहत महाविद्यालयों, राजकीय विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों के माध्यम से अधिक से अधिक गांवों, क्षेत्रों एवं लोगों तक सुपोषित भारत अभियान की जानकारी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान

सेवा भारती समिति कोटपूतली की ओर से सुपोषित भारत अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई।

के दौरान लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक दिनचर्या, प्रोटीन, स्वस्थ जीवनशैली, भोजन, पोषण एवं कुपोषण के साथ किशोरावस्था में पोषण, बालकों के पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अभियान के संदेश को अपने परिवार एवं आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचा सकें। बैठक में राजस्थान क्षेत्र के सेवा प्रमुख शिव लहरी जी के प्रवास को लेकर भी चर्चा की गई तथा अभियान के संदर्भ में आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा भारती के सेवा कार्यों एवं विभिन्न आयामों का परिचय भी लोगों तक पहुंचाया जाएगा। बैठक में श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर भी जानकारी दी गई। सम्मेलन का आयोजन 20 फरवरी 2027 को डांडा रोपणी में आयोजित होने की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला सह मंत्री नागरमल अग्रवाल, जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख एडवोकेट भूपेंद्र सोनी, जिला सह कोषाध्यक्ष रतन लाल मोरिजावाला, जिला स्वावलंबन प्रमुख छाजूराम सैनी, नगर मंत्री विजय कुमार आर्य एवं जिला सामाजिक आयाम प्रमुख निशु कुमार सैनी सहित सेवा भारती के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लालसोट:शाम 6 बजे तक 87.02 मतदान

लालसोट । नगर परिषद चुनाव 2026 में मतदान को लेकर मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह नजर आया । शाम 6 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र के 26,661 मतदाताओं में से 23,200 मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे कुल मतदान प्रतिशत 87.02 रहा। मतदान प्रतिशत के

- मतदान प्रतिशत के लिहाज से वार्ड 26 सबसे आगे रहा, जहां 95.70 मतदाताओं ने वोट डाला

लिहाज से वार्ड 26 सबसे आगे रहा, जहां 95.70 मतदाताओं ने वोट डाला। इसके बाद वार्ड 12 में 93.69 , वार्ड 19 में 93.64 , वार्ड 4 में 92.31 , वार्ड 27 में 92.27 और वार्ड 25 में 92.11 मतदान दर्ज किया गया। वहीं वार्ड 8 में सबसे कम 80.76 मतदान हुआ। वार्ड 11 में 80.99 , वार्ड 29 में 83.19 और वार्ड 16 में 83.71 मतदान रहा। 26,661 में से 23,200 ने दबाया वोट का बटन शाम 6 बजे तक के आंकड़ों ने लालसोट के मतदाताओं की लोकतांत्रिक भागीदारी की तस्वीर साफ कर दी। अब प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है ।

दूदू कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट में एक भी ब्राह्मण नहीं

दूदू । निकाय चुनाव के दौरान मतदान के बाद नगर पालिका दूदू में 25 वार्डों के लिए 99 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाने का प्रयास किया । 25 वार्डों में कुल मतदाता 15316 थे । इनमें से 13 657 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया ।

इस दौरान महिला मतदाताओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया । मतदान के दौरान 7564 महिलाओं ने तथा 7752 पुरुषों ने मतदान किया । भाजपा का कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव मैदान में 25 वार्ड में उतारे गए। प्रत्याशियों की सूची में कांग्रेस पार्टी द्वारा इस बार एक भी ब्राह्मण समाज के व्यक्ति को टिकट नहीं दिया गया से समाज में आक्रोश है । इसका खामियाजा इस चुनाव के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में भी कितना पड़ेगा मतदान के बाद हम चौराहे दुकानों पर चर्चा है कि वार्ड संख्या 4 में भाजपा के युवा नेता अवधेश शर्मा कांठोस के मानसिंह भाजपा के बागी अमित जोशी वार्ड संख्या 5 में भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह कांठोस के तरुण सैनी प्रभु लाल रामेश्वर सुरा खारोल वार्ड संख्या 12 में नगर पालिका की अध्यक्ष रही कमलेश चौधरी के पति कैलाश जाट कांठोस के मुकेश कुमार निर्दलीय

- महिला मतदाताओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया

महेंद्र कुमार चंद्र प्रकाश छोटू खान वार्ड 14 में मोजमाबाद के उप प्रधान की पत्नी हीरा देवी कांठोस के जरीना वार्ड संख्या 24 में कांठोस के रामधन धाभाई भाजपा के हनुमान धाभाई जो तेरे सुरेंद्र कुमार गोपाल लाल रवि जांगिड़ वार्ड संख्या 20 में कांठोस के पवन जैन भाजपा से संजय मेहता निर्दलीय कुंज बिहारी सोनी देवेंद्र कुमार का सामना है सभी के मत पेटी में बंद हो गए हैं भाग्य का फैसला 14 सितंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद ही होगा भाजपा एवं कांठोस पार्टी के सभी उम्मीदवारों को पार्टी हाई कमान के निर्देश अनुसार बाड़े बंदी कर ले जाया जा चुका है 14 सितंबर को हारे हुए प्रत्याशियों को घर भेज दिया जाएगा जीते हुए प्रत्याशियों को 21 तारीख तक बाडे बंदी में रखा जाएगा वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों पर दोनों पार्टियों की नजर रखी जा रही है दूदू नगर पालिका में बोर्ड बनाने के लिए दोनों पार्टियों को ही निर्दलीयों का समर्थन लेना पड़ेगा यह आम चर्चा का विषय है।

किशनगढ़बास में 25 में से 23 वार्डों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

किशनगढ़बास। नगर पालिका किशनगढ़बास के 25 वार्डों के लिए लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व शुक्रवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। हालांकि नामांकन जांच और वापसी के बाद 2 वार्ड पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे, इसलिए शुक्रवार को 23 वार्डों में ही मतदान हुआ। सुबह 7.15 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम तक पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा, लेकिन दिनभर चुनावी सरगर्मी चरम पर रही। साय 6 बजे तक 88.17 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के बीच आपसी नोक-झोंक और कहासुनी भी देखने को मिली। माहौल तनावपूर्ण होने लगा था, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों पक्षों को समझाइश कर मामले को वहीं शांत करा दिया। किसी भी केंद्र पर मतदान बाधित नहीं हुआ ।

अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए प्रत्याशियों के समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। घर-घर से मतदाताओं को लाने के लिए सुबह से ही गाड़ियां दौडती रहीं। सबसे खास नजारा बुजुर्ग मतदाताओं का रहा। लाठी के सहारे और परिजनों की मदद से 80-90 वर्षीय बुजुर्ग महिला-पुरुष भी वोट डालने पहुंचे। उनके चेहरे पर लोकतंत्र के प्रति गजब का जोश और जिम्मेदारी का भाव साफ दिखाई दे रहा था, जो युवाओं के लिए भी प्रेरणा बना।

चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव, डीएसपी लाल सिंह यादव सहित पूरी पुलिस टीम लगातार सभी मतदान केंद्रों पर नजर बनाए रही और बारी-बारी से निरीक्षण करती रही। मतदान केंद्रों के अंदर जहां लोकतंत्र की प्रक्रिया चल रही थी, वहीं केंद्रों के बाहर अलग-अलग झुंड बनाकर लोग चुनावी गणित बैठाते नजर आए। सबसे ज्यादा चर्चा चेयरमैन पद को लेकर हो रही थी।

- बुजुर्गों में दिखा मतदान का जोश, समर्थकों में उत्साह उफान पर; मतदान केंद्रों के बाहर बैठा चुनावी गणित, हाइब्रिड चेयरमैन की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

कोई हाइब्रिड फॉर्मूले से चेयरमैन बनने का दावा कर रहा था, तो कोई निर्दलीयों के किंगमेकर बनने की बात कर रहा था। कुछ वार्डों में मतदान खत्म होते ही प्रत्याशियों के समर्थक जीत के दावे करने लगे, तो कई वार्डों में कांटे की टक्कर के कारण लोग अभी भी असमंजस में हैं कि ऊंट किस करवट बैठेगा। अब सबकी निगाहें मतगणना पर टिकी हैं, जिसके बाद ही तय होगा कि किशनगढ़बास की नगर सरकार की चाबी किसके हाथ में जाएगी।

बंदरों का आतंक चरम पर

मनोहरपुर । मनोहरपुर कस्बे में बंदरों का आतंक अब लोगों के सब्र का बांध तोड़ चुका है। बंदरों की टोली इतनी बेखौफ हो गई है कि जब महिलाएं छतों पर खाना बना रही होती हैं तो छबड़ी में रखी सभी रोटियां उठाकर ले जाते हैं। अगर महिलाएं विरोध करती हैं तो बंदर उन्हें धक्का देकर छत से गिरा देते हैं।

इमरान आजाद ने बताया कि उनकी भांजी मासूम चाहत को भी बंदरों के झुंड ने घेरकर काटने की कोशिश की और हाथ पर नोचा। कई महिलाओं के साथ भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कमर तोड़ महंगाई में वैसे ही इंसानों का जीना दुश्वार हो गया है। एक तरफ इंसान महंगाई से लड़ रहा है, दूसरी तरफ बंदरों से लड़ रहा है। दिन भर काम धंधे से हारा थका इंसान जब घर आता है तो उसे इन बंदरों से मुकाबला करना पड़ता है। बंदर अब झुंड में आते हैं, रसोई तक में घुस जाते हैं, खाने पीने का सामान उठा ले जाते हैं और छतों पर रखी ईंटों को नीचे फेंक कर लोगों को चोटिल कर देते हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और नगरपालिका से मांग की है कि बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाया जाए और उन्हें जंगल में छोड़ा जाए ।

जिला निर्वाचन अधिकारी व एसपी ने मतदान केंद्रों पर रखी पैनी नजर

दौसा (निसं.)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के तहत शुक्रवार को मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा एवं पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने दौसा नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर परिषद कार्यालय में बने आदर्श मतदान केंद्र सहित अन्य मतदान केंद्रों पर पहुंचकर

- मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कार्मिकों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा मतदान प्रक्रिया को सुचारू कराने के लिए निर्देश दिए

दौसा में मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा व पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था तथा मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कार्मिकों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा मतदान प्रक्रिया को सुचारू, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मतदान में बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान केंद्रों पर वाहनों एवं व्हीलचेयर की सुविधा एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान करना सुगम एवं सहज बनाया गया। मतदाताओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

प्रत्याशी के बीच हुई जमकर तकरार

दौसा (निसं.)। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कडी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को नगर परिषद के 55 वार्डो के लिए 79.09 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। कुछेक वार्डों में हल्की झडप को छोडकर शेष वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। उधर वार्ड 53 में फर्जी मतदान को लेकर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा एवं भाजपा प्रत्याशी योगेश तिवाडी के बीच जमकर तकरार हुई, जिसके चलते एक बार तो माहौल गरमा गया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने बडी सुझबुध के साथ मामले को शांत कर दिया। इधर फर्जी मतदान को लेकर कई बूथों पर जमकर हंगामा हुआ, जिसके चलते पुलिस प्रशासन को शांति बहाली के लिए भारी मशक्कत करनी पडी। उल्लेखनीय है कि दौसा नगर परिषद चुनाव के मतदान के दौरान दौसा में फर्जी मतदान को लेकर सियासी पारा गरमा गया। शहर के विभिन्न वार्डों में फर्जी वोटिंग के आरोपों के बीच प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक और मारपीट की घटनाएं हुई। वार्ड संख्या 53 में फर्जी मतदान को लेकर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा और भाजपा प्रत्याशी योगेश तिवाडी आमने-सामने हो गये तथा दोनो के बीच जमकर तीखा विवाद हो गया।

प्रदेश की 147 निकायों में पार्षद चुनने में 70.74 फीसदी लोगों ने निभाई भागीदारी

छिटपुट विवादों और फर्जी वोटिंग की शिकायतों के बीच राजस्थान में दूसरे चरण के मतदान संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में शहरी सरकार चुनने के लिए शुक्रवार को हुए दूसरे चरण के मतदान में मतदाताओं ने जमकर उत्साह दिखाया। कहीं सुबह से बूथों पर कतारें लगी रहीं, तो कहीं महिलाओं, बुजुर्गों और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभाई। छिटपुट विवादों, फर्जी मतदान की शिकायतों और कुछ स्थानों पर तकनीकी अड़चनों के बीच प्रदेश के 147 नगरीय निकायों में मतदान संपन्न हुआ। शाम छह बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 70.74 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अब मतगणना के साथ शहरी सरकार की तस्वीर साफ होगी। अब 14 सितंबर को दोनों चरणों में हुए चुनावों की मतगणना होगी।

राज्य में दूसरे चरण के मतदान के लिए कुल 87 लाख 63 हजार 595 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 61.99 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रतिशत के आंकडों ने प्रदेश के अलग-अलग शहरों में मतदाताओं के उत्साह की अलग-अलग तस्वीर पेश की। छोटे नगरों में कई जगह मतदान 85 से 90 प्रतिशत के पार पहुंचा, जबकि बड़े नगर निगमों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा।

प्रदेश के मतदान आंकड़ों में बालोतरा जिले की धोरीमन्ना नगर पालिका सबसे आगे रही। यहां 91.59 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जयपुर नगर निगम में 62.88 प्रतिशत और अजमेर नगर निगम में 63.65 प्रतिशत मतदान हुआ। कई स्थानों पर पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवकों ने बुजुर्गों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग किया। पहली बार वोट डालने वाले युवाओं में भी खासा उत्साह नजर आया। महिलाओं की कतारों ने भी मतदान के प्रति जागरूकता की तस्वीर पेश की।

राजस्थान के 147 नगरीय निकायों में मतदान संपन्न होने के साथ ही प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया है। प्रदेश में कुल 70.74 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। अब सभी की निगाहें 14 सितंबर को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। परिणाम सामने आने के बाद तय होगा कि प्रदेश के नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में शहरी सरकार की कमान किसके हाथों में जाएगी।

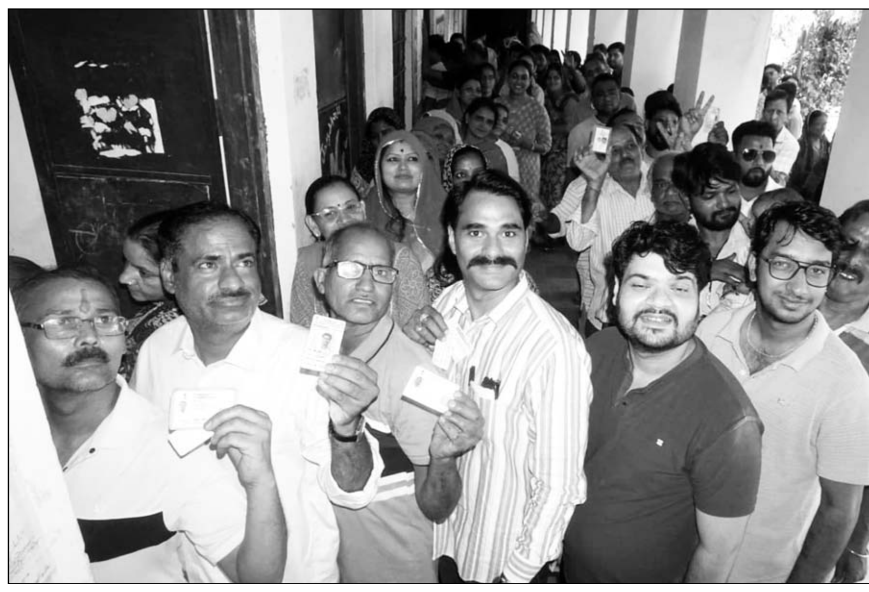

लंबे समय बाद हुए निकाय चुनाव में मतदान के लिए शुक्रवार को लोगों ने उत्साह के साथ वोट डाले।

- महिलाओं-बुजुर्गों के साथ-साथ पहली बार वोट डालने पहुंचे युवाओं में दिखा जोश
- छोटे निकायों में कई जगह मतदान 85 से 90 प्रतिशत के पार पहुंचा, जबकि बड़े नगर निगमों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा।

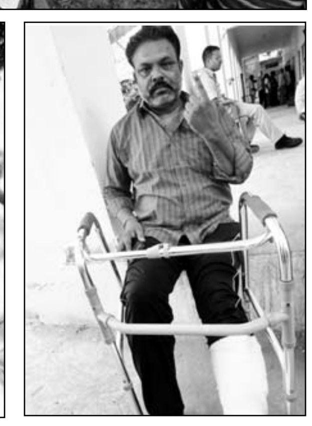

ईवीएम बंद होने और फर्जी वोटिंग के आरोपों पर हंगामा

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के पार्षदों के लिए शुक्रवार को वोटर्स ने मतदान किया। जयपुर में 62.88 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि शुरूआत में मतदान धीमा रहा। दोपहर बाद मतदान की गति ने रफ्तार पकड़ी। कई पोलिंग बूथों पर फर्जी मतदान और ईवीएम बंद होने से हंगामा भी हो गया। वार्ड 49,101 और 62 में फर्जी वोटिंग के आरोप लगे। वार्ड 26 में मंगलम सिटी गवर्मेंट स्कूल बूथ पर कांग्रेस के एजेंट नहीं बैठने को लेकर हंगामा हो गया। शहर की सरकार बनाने के लिए बुजुर्गों के साथ जेन-जी मतदाता और पहली बार मतदान का प्रयोग करने वाले भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

सार-समाचार

लंपी रोग के नियंत्रण व उपचार पर चर्चा

जयपुर। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में लंपी स्किन डिजीज की स्थिति एवं नियंत्रण की समीक्षा के लिए शुक्रवार को पशुधन भवन स्थित राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड के सभागार में प्रमुख शासन सचिव पशुपालन विभाग विकास सीतारामजी भाले की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण, टीकाकरण एवं उपचार व्यवस्था की समीक्षा की गई। भाले ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में पशुपालकों को रोग के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी देने तथा पशु चिकित्सा संस्थाओं के माध्यम से आवश्यक चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में अभी तक लंपी के केस नहीं आए हैं, वहां विशेष फोकस रखते हुए संक्रमण को फैलने से रोकने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। उन्होंने चिकित्साधिकारियों को घर-घर जाकर बीमार पशुओं का सर्वेक्षण, जिला स्तर पर सतत निगरानी और अन्य विभागों के साथ समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से पशुपालकों को जागरूक करने पर जोर दिया। बैठक में पशुपालन निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 10 जिले लंपी रोग से प्रभावित हैं, जिनमें अधिकतर पूर्वी राजस्थान के जिले हैं। सक्रिय गौवंशों की संख्या लगातार कम हो रही है, जबकि अब तक 16 पशुओं की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि पशुओं के आवागमन को नियंत्रित करते हुए पशु मेले और पशु हाट पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला एवं राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष तथा त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित किए गए हैं। रोग के प्रति जागरूकता के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

दुपहिया वाहन चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिससे अन्य वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर वाहन चोर रवीश (20) निवासी तहपुर जिला कन्नौज (उत्तर प्रदेश) हाल सांगानेर को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद कर ली गई। मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी को पकडने के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। जहां गठित टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। पूर्व में चालान शुदा और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के साथ तकनीकी आधार पर आरोपी की पहचान करते हुए धर-दबोचा है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी मुकेश कुमार खारडिया, एसआई देवी सहाय, एचसी लल्लू लाल, कांस्टेबल बहादुर, मानवेन्द्र, रामप्रकाश, हवलदार तथा तकनीकी शाखा जयपुर दक्षिण के एचसी लोकेश और एचसी रामसिंह शामिल रहे। कांस्टेबल मानवेन्द्र और रामप्रकाश की विशेष भूमिका रही।

अंडरपास में भरे पानी में मिला युवक का शव

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में दादनपुरा पुलिया के नीचे अंडरपास में भरे पानी में शुक्रवार दोपहर एक युवक का शव मिला। शव करीब दो दिन पुराना बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि मृतक की पहचान जगतपुरा कच्ची बस्ती निवासी आशीष बैरवा (26) पुत्र कैलाश बैरवा के रूप में हुई है। आशीष करीब दो दिन पहले घर से निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे दादनपुरा पुलिया के नीचे पानी में लोगों ने युवक का शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से शव को बाहर निकलवाया और एफएसएल टीम से साक्ष्य जुटाए। प्रथमदृष्टया पुलिस अंडरपास में भरे पानी में गिरने से आशीष की मौत होना मान रही है। शव भी करीब दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खानाबदोश मजदूर ने की खुदकुशी

जयपुर। मुहाना इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक 25 वर्षीय मजदूर ने खुद का गला रेतकर आत्महत्या कर ली। घटना एसएमएस कॉलोनी स्थित एक कबाड़ खाने की है, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। थानाधिकारी मुकेश खरड़िया के अनुसार, मृतक की पहचान 25 वर्षीय छीतर के रूप में हुई है। पुलिस की शुरुआती छानबीन में सामने आया कि छीतर पिछले पांच-सात सालों से मंडी में काम कर रहा था और खानाबदोश की जिंदगी जी रहा था। शुक्रवार को वह एसएमएस कॉलोनी स्थित एक कबाड़खाने में गया, जहां उसने अचानक चाकू से खुद का गला रेत लिया। गला कटने के बाद अत्यधिक खून बहता देख वह घबरा गया और मदद की गुहार लगाते हुए कबाड़ खाने से बाहर भागा, लेकिन थोड़ी दूर जाकर सड़क पर अचेत होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है।

मतदान के बाद अभय कमांड सेंटर पहुंचे डीजीपी

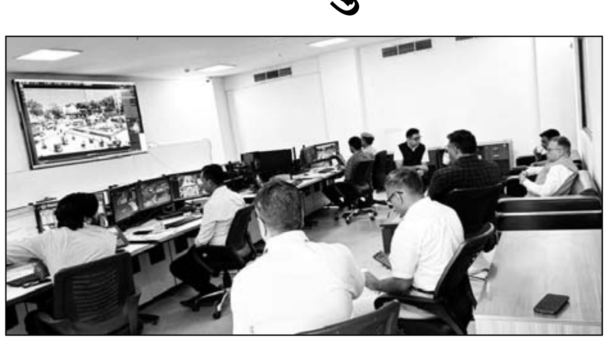

जयपुर। निकाय चुनाव के तहत पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को अपने मताधिकार का प्रयोग किया। डीजीपी अपनी धर्मपत्नी भावना शर्मा के साथ नगर निगम के वार्ड 82 में गांधीनगर स्थित अधिशासी अभियंता पीएचईडी कार्यालय दक्षिण परिसर में कमरा नम्बर 5 में बने मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया। उन्होंने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाई।

मतदान के बाद डीजीपी शर्मा ने आम मतदाताओं से भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए राजस्थान पुलिस की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मतदान केंद्रों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। मतदान के बाद डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस मुख्यालय स्थित राज्य स्तरीय अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पहुंचकर निकाय चुनाव के द्वितीय चरण को लेकर राज्यभर की कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कानून व्यवस्था वीके सिंह भी मौजूद रहे। अभय कमांड सेंटर में वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न निकाय क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चुनावी गतिविधियों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की निगरानी की।

3.81 करोड़ की साइबर ठगी करने वाला दबोचा

ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर वारदात को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ऑनलाइन ट्रेडिंग में कम समय में भारी मुनाफे का झांसा देकर 3 करोड़ 81 लाख 37 हजार 677 रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक आरोपी को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) से गिरफ्तार किया है। केंद्रीय साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर की टीम ने आरोपी आलोक निवासी फैजाबाद (अयोध्या) को गिरफ्तार किया। पुलिस अब ठगी के पूरे नेटवर्क और रकम के मनी ट्रेल की जांच कर रही है।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि परिवादी ने 5 अक्टूबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश की जानकारी गूगल पर तलाश रहा था। इसी दौरान उसे सीएमसी फॉरेक्स/सीएमसी ग्लोबल सीएस के नाम से ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी मिली। साइबर ठगों ने खुद को कंपनी के भारत स्थित कस्टमर केयर और मैनेजमेंट से जुड़ा बताते हुए टेलीग्राम के जरिए परिवादी से संपर्क किया। उसे कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देकर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करवाई गई। शुरुआत में छोटी रकम पर रिटर्न देकर ठगों ने उसका विश्वास जीत लिया। इसके बाद परिवादी ने बड़ी रकम निवेश करना शुरू कर दिया और देखते ही देखते उससे कुल 3 करोड़ 81 लाख 37 हजार 677 रुपए ट्रांसफर करवा लिए गए। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने प्रतिष्ठित विदेशी ट्रेडिंग कंपनी सीएमसी का प्रतिरूपण कर उससे मिलती-जुलती वेबसाइट और फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म तैयार किया था। टेलीग्राम के जरिए परिवादी को विभिन्न कंपनियों में निवेश के निर्देश दिए जाते रहे। फर्जी ट्रेडिंग अकाउंट में निवेश की रकम के मुकाबले लगातार बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया जाता था। जब परिवादी ने रकम निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने इनकम टैक्स, करेंसी एक्सचेंज फीस, सिक्योरिटी डिपॉजिट और मार्जिन गारंटी सहित अलग-अलग शुल्क के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगनी शुरू कर दी। हर बार भुगतान के बाद नई शर्त या शुल्क बताकर फिर रकम जमा करवाई गई। इस तरह करोड़ों रुपए की ठगी कर ली गई, जबकि खाते में दिख रहा मुनाफा वास्तविक नहीं था। पुलिस की जांच में एक लाभार्थी बैंक खाते का संबंध शिव बेकर्स एंड फास्ट फूड से सामने आया है। इस खाते में परिवादी से ठगी किए गए 20 लाख रुपए पहुंचे थे। बैंक रिकॉर्ड और मनी ट्रेल के आधार पर पुलिस अब यह पता लगा रही है कि ठगी की रकम आगे किन-किन खातों में पहुंचाई गई और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

आरोपी आलोक

बैंक रिकॉर्ड और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी आलोक की पहचान हुई। अनुसंधान में उसकी भूमिका साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए गए लाभार्थी बैंक खाते से जुडी सामने आई है। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते और वित्तीय माध्यम का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने तथा आगे ट्रांसफर करने में किया गया। मामले में सीडीआर, सीएएफ, आईपीडीआर और बैंकिंग ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। पुलिस ठगी की रकम की पूरी मनी ट्रेल खंगालने के साथ नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान में जुटी है। कार्रवाई उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम शान्तनु कुमार सिंह के निर्देशन में केंद्रीय साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर के थानाधिकारी एवं उप अधीक्षक पुलिस गजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने की। टीम में पुलिस निरीक्षक राधेश्याम, कांस्टेबल मनोज सामोता, कृष्ण यादव और कांस्टेबल चालक सुबे सिंह शामिल रहे।

स्व. सतीश चंद्र अग्रवाल की याद में 75 यूनिट रक्तदान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट परिसर जयपुर में वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद एवं विधायक रहे स्व. सतीश चंद्र अग्रवाल की 29वीं पुण्यतिथि पर सतीश चंद्र अग्रवाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। सतीश चंद्र अग्रवाल सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले शिविर में अधिवक्ताओं, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में 75 यूनिट रक्तदान किया गया, जबकि स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं निर्धारित मानकों के आधार पर 12 फॉर्म निरस्त किए गए।

शिविर में राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस अरुण मोंगा, जस्टिस महेन्द्र गोयल, जस्टिस अनुप कुमार ढंड, जस्टिस विनोद कुमार भारवानी, जस्टिस शुभा मेहता, जस्टिस आशुतोष, जस्टिस मनीष शर्मा, जस्टिस आनंद शर्मा, संदीप तनेजा, जस्टिस रवि चिरानिया, जस्टिस अनुरूप सिंघी और जस्टिस संगीता शर्मा ने शिरकत कर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। एडवोकेट प्रज्ञा पांडे, वणिका अग्रवाल, तितिक्षा पालीवाल, निशा शर्मा और विधी मित्रुका सहित कई महिला अधिवक्ताओं ने भी रक्तदान किया। ट्रस्ट की ओर से रक्तदान करने वाली महिला अधिवक्ताओं का विशेष सम्मान भी किया गया। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, महासचिव दीपेश शर्मा, पूर्व महासचिव अंशुमान सक्सेना, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं अधिवक्ता शशांक अग्रवाल ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से स्वर्गीय सतीश चंद्र अग्रवाल की स्मृति में यह पांचवां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहल का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना है। स्वर्गीय सतीश चंद्र अग्रवाल ने अधिवक्ता के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई थी। इसके अलावा उन्होंने केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायक के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। ट्रस्ट की ओर से उनकी स्मृति को जीवंत रखने के साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर जयपुर में शुक्रवार को स्व. सतीश चंद्र अग्रवाल की 29वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित हुआ।

टैक्सटाइल फैक्ट्री से पांच लाख रु. के कपड़े चोरी

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने सीतापुरा स्थित टेक्सटाइल फैक्टरी से करीब पांच लाख रुपए कीमत के कपड़े चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए जीजा-साले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए एक्सपोर्ट क्वालिटी के कपड़े भी बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि दुर्गापुरा निवासी कुणाल केशवानी ने 9 सितंबर को सांगानेर सदर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार सीतापुरा स्थित केही पनाश टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड में कुर्तियों का एक्सपोर्ट माल तैयार कर ट्रांसपोर्ट के लिए पैक किया जा रहा था। इस दौरान माल कम मिला। जांच करने पर सामने आया कि फैक्टरी की खिड़की खोलकर अंदर प्रवेश किया गया और कपड़े चोरी कर लिए गए।

परिवादी ने फैक्टरी में तैनात गार्ड यश कुमावत और उसके जीजा पर चोरी का संदेह जताया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू भवानी सिंह के निर्देशन में सांगानेर सदर थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के साथ आसपास की कंपनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

कथक की मुद्राओं से भगवान गणेश को नमन

जयपुर। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव के दौरान संध्या बेला में कथक नृत्य और सुगम संगीत के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंदिर महंत के अनुसार शुक्रवार को सब्जियों की झांकी सजाई गई। इसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे और दर्शन किए। इसके बाद मोती डूंगरी गणेश मंदिर में शनिवार को फूलों की विशेष झांकी सजाई जाएगी। इन झांकियों के जरिए प्रकृति और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। तीनों दिन शाम 6 बजे कथक की प्रस्तुति होगी। वहीं ध्रुपद, सुगम संगीत और कथक कलाकारों ने गणेशजी को अपनी कला समर्पित की। इस मन भावक आयोजन में हजारों लोग साक्षी बनें।

3500 किलो मेहंदी से होगा सिंजारा

13 सितंबर को मोतीडूंगरी गणेशजी का मेहंदी पूजन और सिंजारा होगा। सोजत की करीब 3500 किलो मेहंदी गणेशजी को धारण कराई जाएगी। पूजा के बाद रात 7:30 बजे पांच स्थानों से मेहंदी प्रसाद बांटी जाएगी। महिलाओं और कन्याओं के लिए मेहंदी की अलग व्यवस्था की जाएगी। इसी दिन गणेशजी का साल में केवल गणेश चतुर्थी पर धारण कराया जाने वाला स्वर्ण मुकुट पहनाया जाएगा। चांदी के सिंहासन पर विराजित गणेशजी विशेष पोशाक और नौलखा हार में नजर आएंगे। मोती, सोना, पन्ना और माणक से सजे इस हार को महंत परिवार ने करीब तीन महीने में तैयार कराया है।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेशोत्सव की कड़ी में शुक्रवार को कत्थक नृत्य की प्रस्तुति हुई।

जन्मोत्सव पर 19 घंटे होंगे दर्शन

गणेश चतुर्थी के दिन 14 सितंबर को भगवान गजानन का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 5 बजे मंगला आरती से रात 11:40 बजे शयन आरती तक दर्शन होंगे। विशेष पूजन सुबह 11:20 बजे, श्रृंगार आरती 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी। भोग के दौरान दोपहर 1:30 से 2 बजे तक मंदिर के पट मंगल रहेंगे।

15 को गणेशजी करेंगे नगर भ्रमण

नौ दिवसीय उत्सव का समापन 15 सितंबर को गणेशजी के नगर भ्रमण के साथ होगा। गणेशजी महाराज शाम को मोतीडूंगरी मंदिर से रवाना होकर एमडी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार और नाहरगढ़ रोड होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेंगे। नगर भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। 14 सितंबर को मंगला आरती सुबह 5 बजे, श्रृंगार आरती सुबह 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी।

'निगम आयुक्त आकर बताए चारदीवारी के मुख्य मार्गों से क्यों नहीं हटाए अवैध निर्माण?'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारदीवारी के मुख्य मार्गो पर हुए अवैध निर्माण को नहीं हटाने पर नगर निगम आयुक्त को 16 नवंबर को अदालत में हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने पूछा है कि मामले में अदालती आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि आगामी सुनवाई पर आदेश की पालना कर ली जाती है तो निगम आयुक्त को हाजिर होने की जरूरत नहीं है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने मामले में अदालत की ओर से गत 7 अगस्त को दिए निर्देशों की पालना रिपोर्ट पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। इस पर अदालत ने रिपोर्ट पेश करने का समय देते हुए पालना नहीं होने पर निगम आयुक्त को तलब किया है। गत सुनवाई पर अदालत ने निगम आयुक्त को कहा था कि वे चारदीवारी के मुख्य मार्गो पर बिना अनुमति हुए निर्माणों को रोके। जनहित याचिका में अधिवक्ता उमेश व्यास ने कहा कि चारदीवारी के चौड़ा रास्ता क्षेत्र में हेरिटेज स्वरूप के साथ छेडछाड कर अवैध निर्माण किया है। यहां आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं।

National Chocolate Milkshake Day

National Chocolate Milkshake Day celebrates one of the most delicious and refreshing sweet treats loved by people of all ages. A chocolate milkshake is typically made by blending chocolate ice cream with milk and chocolate syrup to create a rich, creamy, and smooth drink. This special day is a perfect opportunity to enjoy a classic chocolate milkshake with friends and family. People can also get creative by adding whipped cream, chocolate chips, sprinkles, or a cherry on top. Whether enjoyed as a dessert, snack, or refreshing drink, a chocolate milkshake is a simple pleasure that brings sweetness and happiness to any day.

#FREE

The Baker Who Pretended to Be Heartless

For 44 years, his father had been secretly giving away bread. He knew the children. He knew their families. He knew which mothers struggled to afford food

Every morning, the children of the neighborhood gathered outside the little bakery. They were often hungry. Some came in worn-out clothes, others with empty hands and hopeful eyes. But whenever they stood near the bakery door, the owner, Mr. Stansvoiff, would come rushing outside.

"Get out!" he would shout. "Nothing is free here!"

The children would scatter down the street, frightened by the old baker's harsh voice.

For years, everyone believed that Mr. Stansvoiff was simply a mean, heartless man.

He was 67 and had run the bakery for decades. People knew him as a quiet, serious man who rarely smiled. No one suspected that behind his cold behaviour, he was hiding something entirely different.

Then, in 2024, Mr. Stansvoiff died.

His son took over the bakery and began going through the old business records. One evening, he noticed something strange.

According to the books, the bakery had lost exactly one loaf of bread every night.

Not once.

Not occasionally.

Every single night.

He checked the records again and again. The pattern stretched back 44 years.

His father had apparently been taking one loaf from the bakery every night.

Confused, the son went next door and spoke to an elderly neighbour who had known his father for many years. When he mentioned the missing bread, the woman suddenly burst into tears.

Then, she told him something he had never heard before. "My father used to come home at one in the morning," she said. "And every night, there was a fresh loaf of bread waiting by our stairs."

"There was never a note. We never knew who left it."

The baker's son stood silently.

Then, the pieces began to fit together.

For 44 years, his father had been secretly giving away bread.

He knew the children who came to the bakery. He knew their families. He knew which mothers struggled to afford food.

But he didn't want those children to be given charity in front of everyone.

So, every morning, he would shout at them.

"Get out! Nothing is free here!"

The children thought that he was cruel.

But after the bakery closed, when the streets were quiet and nobody was watching, Mr. Stansvoiff would take a fresh loaf and leave it somewhere a hungry family could find it.

One loaf.

Every night.

For 44 years.

He never asked for thanks.

He never told anyone.

And he never allowed the children to see the kindness behind his angry words.

Perhaps, that was why he seemed so heartless.

Because sometimes, the kindest people are not the ones who make the biggest promises.

Sometimes, they are the ones who quietly help others when nobody is looking.

And when the truth finally came out, the old baker was no longer remembered simply as the man who shouted at hungry children. He was remembered as the man who secretly made sure that they never went to bed hungry.

Traffic Jam In The Mughal Empire

PART:1

The roads themselves could be remarkably inconvenient. Much of the countryside was intensely cultivated, with fields bordered by ditches and irrigation tanks. A huge caravan could not simply pull over onto the side of the road. When two enormous streams of animals met, neither could easily turn around. The result was an early form of gridlock. Except this, gridlock involved thousands of animals carrying the food on which entire regions depended.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Today, a traffic jam means cars, horns and impatient drivers. But in Mughal India, a traffic jam could mean something entirely different. It could mean thousands of oxen standing nose-to-nose on a narrow road, unable to move, while rival caravans waited for one another to give way.

The Mughal economy depended heavily on an extraordinary network of long-distance transporters. Among the most important were the Banjaras, nomadic trading communities who moved enormous quantities of grain, salt and other goods across the subcontinent.

Their caravans could be immense.

The French traveller Jean-Baptiste Tavernier, who travelled through India in the seventeenth century, described caravans containing 10,000 or even 12,000 oxen, carrying rice, grain and salt from regions where they were abundant to places where they were needed. He remarked that when such caravans encountered one another on narrow roads, travelers could be forced to wait for days until the animals had passed.

> The French traveller Jean-Baptiste Tavernier, who travelled through India in the seventeenth century, described caravans containing 10,000 or even 12,000 oxen, carrying rice, grain and salt from regions where they were abundant to places where they were needed. He remarked that when such caravans encountered one another on narrow roads, travelers could be forced to wait for days until the animals had passed.

In 1614, Thomas Roe, ambassador of King James I of England to the Mughal court, travelled the road between Agra and Lahore and described it as one of the great works and wonders of the world. Roe was not a man given to easy admiration of things he encountered in Asia. He was a representative of a rising imperial power, accustomed to dismissing what he saw around him. His description of the Mughal highway was neither diplomatic flattery nor orientalist fantasy. It was an assessment.

The road he travelled was paved, tree-lined, furnished with wayside inns at regular intervals, marked with distance pillars at every two kilometres, and maintained by a state apparatus that employed hundreds of thousands of people across its operation. It connected Kabul in the northwest to the port of Sonargaon in Bengal, a continuous route of over 2,600 kilometres through the heart of one of the largest empires on earth.

That road, and the communication network built around it, was not incidental to Mughal power. It was the physical backbone of everything the empire did: governing provinces, moving armies, collecting taxes, transmitting intelligence, facilitating trade, and projecting imperial authority to every corner of a subcontinent of over 100 million people. Without it, the administrative sophistication that Akbar built, the economic productivity that made Mughal India a quarter of the world's GDP, and the military reach that stretched from Kabul to the Deccan would not have been possible. This is the story of how the Mughals built that infrastructure, what it consisted of, how it was managed, and why it mattered.

The route that became the Grand Trunk Road under British administration was not invented by the Mughals, or even by Sher Shah Suri, the Afghan ruler whose road-building programme is most often credited with its creation. The route itself had existed for millennia.

The first written reference to it appears in Panini's *Ashtadhyayi*, composed around 500 BCE, where it is called the Uttarapatha, the Northern Road. The seventh Ashokan pillar, from the third century BCE, describes a royal road furnished with rest houses and wells connecting the Mauryan capital Patliputra (modern Patna) to Taxila in the northwest.

What Sher Shah Suri did between 1540 and 1545, during his brief but extraordinarily productive reign as the Afghan ruler who temporarily displaced the Mughals, was not to build a road from nothing. He unified, systematised, and extended the existing route into a continuous, standardised, administered highway stretching from Sonargaon in Bengal to Kabul in Afghanistan.

He gave it consistent road surface and width, planted shade trees along both sides of the entire length, and, most consequentially, built sarais, caravanserais, at regular intervals of approximately two kos (roughly four kilometres) along its entire length. Contemporary accounts credit him with constructing around 1,700 sarais on major routes across his empire.

#TRAFFIC JAMS

He also reformed the postal system. Two horses were kept ready at each sarai specifically to relay urgent government messages, creating a continuous chain of relay stations across the entire road network. A letter from Bengal could reach Agra within ten days using this system.

Sher Shah died in 1545 while besieging Kalinjar fort. Humayun recovered the Mughal throne in 1555 and died the following year. Akbar inherited the infrastructure Sher Shah had built, and then substantially expanded it.

Under Mughal rule, the great road was renamed the *Badshahi Sadak*, the King's Road. Its management became an explicit instrument of imperial governance, and the Mughals approached it with the same systematic thinking they applied to revenue extraction and military organisation.

The road network expanded significantly beyond the central trunk route. Under Akbar, secondary highways connected the major provincial capitals to each other and to the trunk road: routes linking Agra to Surat in the southwest, Agra to Patna and Dhaka in the east, Agra to Kabul in the northwest. The empire's road system was not a single artery but a branching network, with the Badshahi Sadak as its spine and secondary roads connecting the empire's key administrative and commercial nodes.

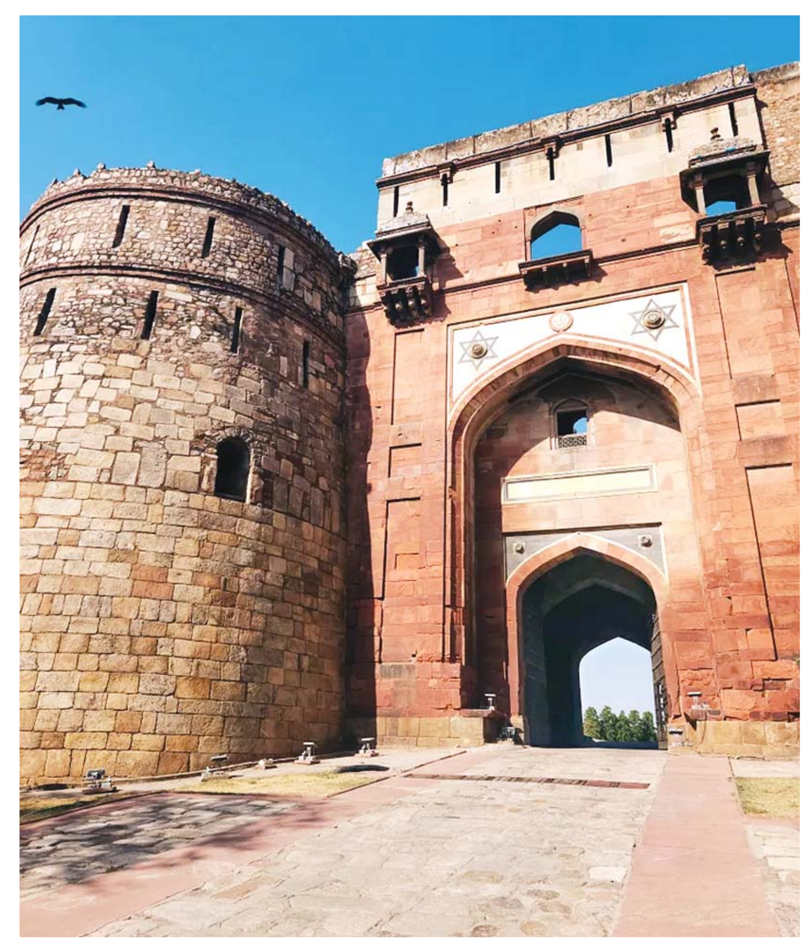

Physical improvements were substantial. Under Jahangir, a decree required that all sarais be built of burnt brick and stone, replacing earlier earthen and timber construction, and broad-leaved trees were planted between Lahore and Agra, with bridges constructed over all water bodies along the highways. The kos minars, stone distance markers placed at regular kos intervals along the road, were constructed systematically along the entire route during the Mughal period.

These conical, octagonally based markers guided travelers through the entire stretch of the empire's road system. They also served administrative purposes: they established standardised measurements for the calculation of distances in tax assessments, military logistics planning, and postal timing estimates.

The road was not merely a surface to travel on. It was a managed corridor. State officials were responsible for its maintenance within their jurisdictions. Nobles and mansabdars were sometimes directed to fund sarai construction along their assigned territories as a form of public service obligation, an extension of the same logic that tied military service and administrative function to imperial rank.

The sarai, the roadside caravanserai, deserves detailed examination because it was far more than a simple rest stop. It was a multipurpose institution that combined hospitality, commerce, postal function, intelligence gathering, and architectural statement within a single complex.

A standard Mughal sarai was an enclosed courtyard structure with rooms for travelers arranged along the interior walls. The Akbari Sarai in Lahore, built in 1637 under Shah Jahan, measured approximately 243 by 186 metres, an area of over 12 acres, with 180 individual cells arranged around a central courtyard, each furnished with a veranda and a common passage.

The complex included a bazaar, a resident physician, a bakery providing bread to those who could not afford to pay, and a well. It also served as a dak chowki, a postal relay station, where government correspondence was processed and forwarded.

This combination of functions was deliberate. The sarais were not private commercial enterprises. They were state infrastructure serving multiple administrative purposes simultaneously. Akbar reportedly ordered that sarais on major highways provide free food and lodging to travelers who could not pay, a policy of public welfare embedded within the infrastructure that also reinforced the emperor's image as a just and magnanimous ruler.

> The commercial life of the sarais was dense. Contemporary European accounts describe sarais as medieval melting-pots, serving as meeting points for traders, craftsmen, adventurers, barbers, washermen, tailors, musicians, astrologers, and many others, brimming with business from merchants, pilgrims, and state officials as the money economy expanded in the sixteenth and seventeenth centuries.

The commercial life of the sarais was dense. Contemporary European accounts describe sarais as medieval melting-pots, serving as meeting points for traders, craftsmen, adventurers, barbers, washermen, tailors, musicians, astrologers, and many others, brimming with business from merchants, pilgrims, and state officials as the money economy expanded in the sixteenth and seventeenth centuries.

This commercial density was not incidental. By concentrating traders, merchants, and travelers at regular intervals along the main routes, the sarai system accelerated the velocity of commercial exchange across the empire. Goods, prices, and market information moved through sarai networks with a speed and regularity that would not have been possible without the infrastructure that supported them. There were oxen, men and miles of road. The roads themselves could be remarkably inconvenient. Much of the countryside was intensely cultivated, with fields bordered by ditches and irrigation tanks. A huge caravan could not simply pull over onto the side of the road. When two enormous streams of animals met, neither could easily turn around.

The result was an early form of gridlock.

Except this, gridlock involved thousands of animals carrying the food on which entire regions depended.

And sometimes, waiting was not enough.

When competing groups refused to yield, a dispute over the road could become a physical confrontation. A logistical problem could turn into a violent clash between caravan groups.

This tells us something important about the Banjaras.

They were not merely wandering traders passing through the landscape.

They were part of the economic infrastructure of the Mughal Empire.

Their mobility connected agricultural regions to towns, cities, markets and armies. Grain had to move from places where harvests were plentiful to places where food was scarce. Salt had to travel across enormous distances. Armies and urban populations depended on reliable supplies.

The empire could conquer territory, collect taxes and establish cities, but all of that required something more basic: food had to move.

And the Banjaras knew how to move it.

Their importance was so great that rulers had powerful incentives to maintain relationships with caravan leaders. The state could not simply ignore these mobile trading networks because disrupting them could mean disrupting the flow of essential commodities.

This is one reason the history of the Banjaras challenges the image of nomadic communities as people existing outside organised economies. They were not outside the system. They were the system's moving parts.

Their wealth came from mobility. Their knowledge came from knowing routes, seasons, markets, water sources and supply requirements. Their caravans represented an enormous logistical capacity long before the arrival of modern transport.

When the British occupied the region, communities like the Banjara were labeled as criminals. It was known that the British wanted to put tax on the manufacture and transportation of salt. This could have been one of the reasons why the British decided to criminalise the Banjara, to intercept the trade and make profit as usual.

The Banjaras moved in groups with laden oxen, who were beast of burden and an acquainted acclimatizer with minimum requirement of water and fodder. The moving caravans were called Tanda. Interestingly, in the north India, there is large number of villages and few towns with name of Tanda; and all these are located near some river or a water source.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

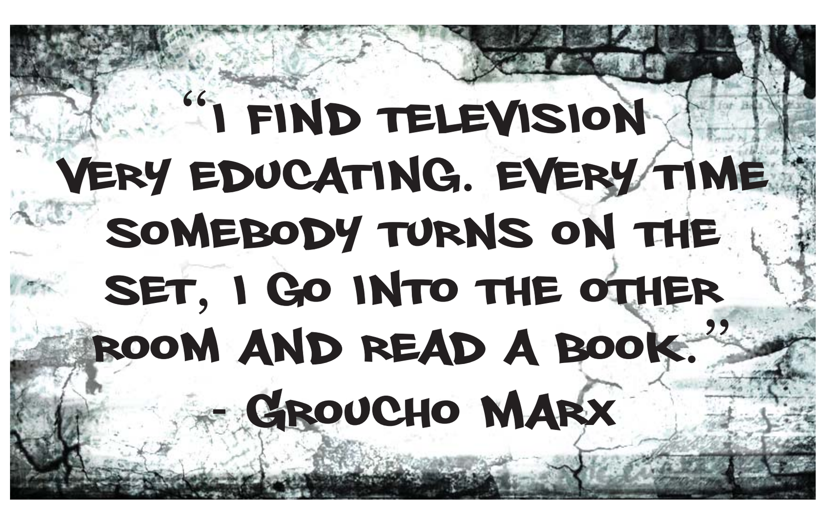

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

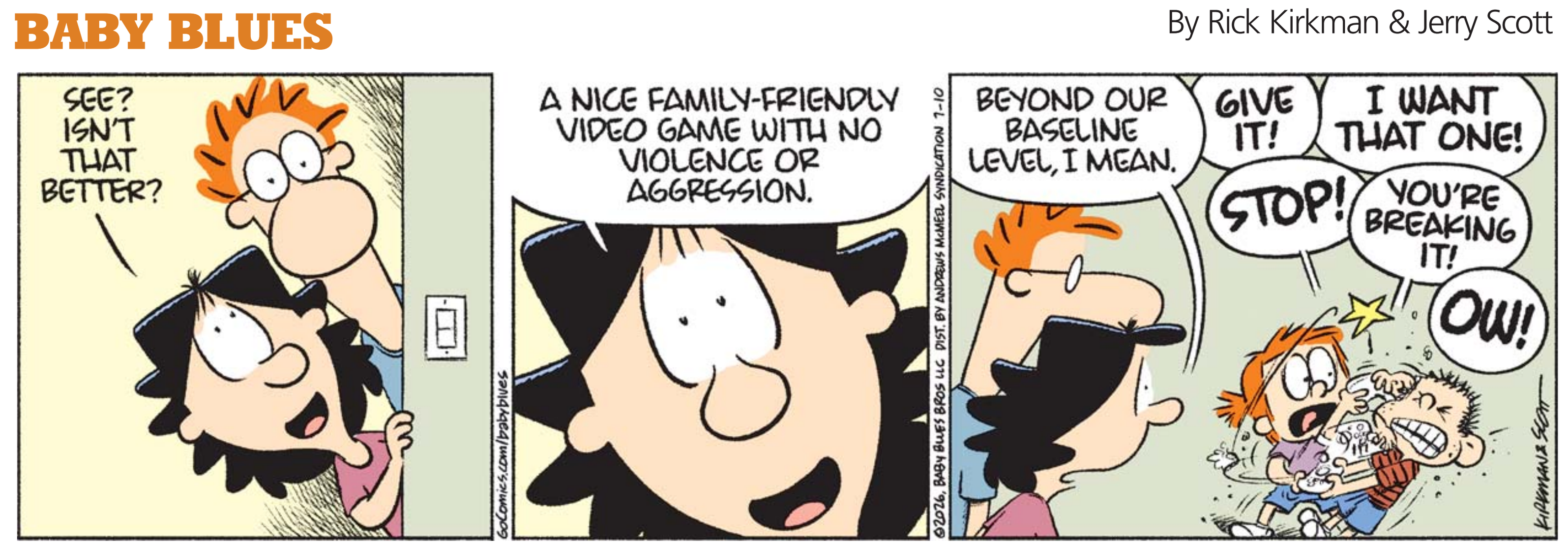

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

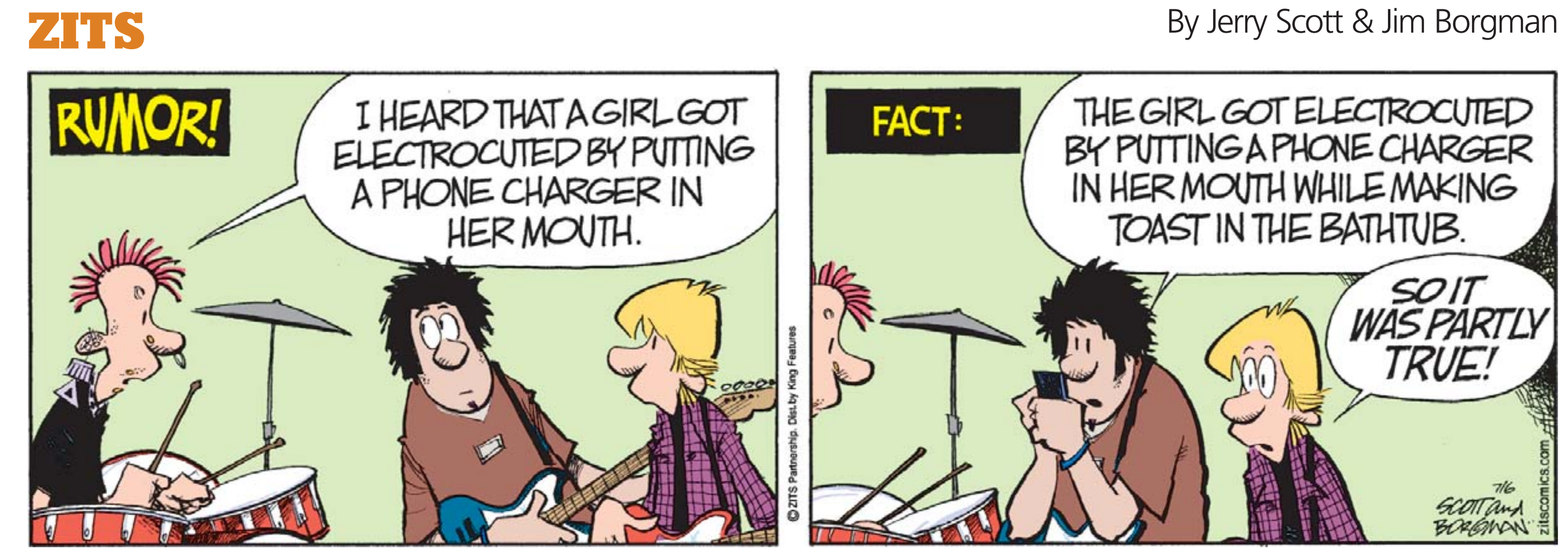

अजमेर में मतदान के दौरान कई स्थानों पर अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आईं

कहीं आईडी को लेकर परेशानी तो कहीं ईवीएम खराबी से मतदान प्रभावित हुआ

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों में शुक्रवार को मतदान के दौरान कई स्थानों पर व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें सामने आईं। कहीं पहचान पत्र को लेकर मतदाता को परेशानी हुई, तो कहीं ईवीएम में तकनीकी खराबी आने से कुछ समय के लिए मतदान प्रभावित हुआ। वार्ड संख्या 79 में एक मतदाता के नाम पर दूसरे व्यक्ति द्वारा मतदान किए जाने के आरोप के बाद कुछ देर मतदान केंद्र पर चर्चा का माहौल बना रहा।

वार्ड संख्या 79 के वृंदावन स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर ईवीएम करीब 10 मिनट तक खराब रही। मशीन में तकनीकी खराबी आने के कारण मतदान कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ और मतदाताओं की कतार लग गई। बाद में मशीन को दुरुस्त कर मतदान प्रक्रिया सुचारू कराई गई। इसी दौरान कांग्रेस से विधानसभा प्रत्याशी रह चुकीं द्रोपदी कोली मतदान के लिए केंद्र पर पहुंचीं, लेकिन उनके पास पहचान पत्र नहीं होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। कुछ देर बाद मोबाइल में आईडी दिखाने पर उन्हें मतदान करने की अनुमति दी गई। वार्ड 79 में कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि वर्षा नाम की मतदाता के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति ने मतदान कर दिया। शिकायत सामने आने के बाद मतदान केंद्र प्रशासन की ओर से संबंधित मतदाता

अजमेर मतदान के दौरान महिला और पुरुष मतदाता उत्साहित नजर आये।

का वोट शाम को डलवाने की बात कही गई। मामले को लेकर मतदान केंद्र पर कुछ देर चर्चा का माहौल बना रहा।

नगर निकाय चुनाव के दौरान अजमेर के वार्ड संख्या 73 में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर मतदान केंद्र पर हंगामा हो गया। वोट डालने पहुंची एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके मतदान केंद्र पर पहुंचने से पहले ही उसके नाम से मतदान किया जा चुका है। महिला के आरोप के बाद मतदान केंद्र पर कुछ देर के लिए माहौल बिगड़ गया और हंगामा होने लगा। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा महिला और अन्य लोगों से समझाइश की। अधिकारियों ने मामला शांत कराने के बाद मतदान प्रक्रिया को दोबारा सुचारू कराया।

महिला की ओर से लगाए गए आरोप को लेकर प्रशासन स्तर पर मामले की जानकारी ली गई। घटना के बाद मतदान केंद्र पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर निकाय चुनाव के दौरान वार्ड संख्या 62 स्थित सोफिया कॉलेज स्कूल के मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान के आरोप को लेकर हंगामा सामने आया। संतोष देवी मतदान करने के लिए केंद्र पर पहुंचीं तो उन्हें कथित तौर पर बताया गया कि उनके नाम से पहले ही मतदान किया जा चुका है। संतोष देवी का आरोप है कि उन्होंने स्वयं मतदान नहीं किया, इसके बावजूद उनके नाम से किसी अन्य व्यक्ति ने वोट डाल दिया। उन्होंने मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारियों से मामले की जानकारी ली और इस पर आपत्ति जताई। संतोष देवी ने मतदान व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदान करना उनका अधिकार है। यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनके नाम से मतदान किया गया है तो यह गंभीर मामला है और इससे मतदान केंद्र की व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।

- **वार्ड संख्या 79 में एक मतदाता के नाम पर दूसरे व्यक्ति द्वारा मतदान किए जाने के आरोप के बाद कुछ देर मतदान केंद्र पर चर्चा का माहौल बना रहा**

मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन की ओर से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। घटना को लेकर मतदान केंद्र पर कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण रही, जिसे अधिकारियों ने समझाइश के जरिए शांत कराया। वृंदावन स्कूल स्थित भाग संख्या-4 के मतदान केंद्र पर भी ईवीएम करीब 10 मिनट तक खराब रही। हालांकि तकनीकी खराबी दूर किए जाने के बाद मतदान दोबारा सुचारू रूप से शुरू हो गया। मतदान केंद्र पर दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गई थी। हालांकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के मौके पर नहीं पहुंचने के कारण कुछ दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को उनके परिजन ही मतदान केंद्र तक लेकर पहुंचे। इससे व्यवस्थाओं को लेकर सवाल भी उठे।

भीलवाड़ा के पीथास गांव में पत्थरबाजी से लोगों में दहशत

भीलवाड़ा, (निसं)। बागोर थाना क्षेत्र के पीथास ग्राम में बिजली गुल होने के बाद अज्ञात लोगों द्वारा मकानों पर पत्थर फेंकने की लगातार घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। गुरुवार रात करीब 9:40 बजे बिजली गुल होने के बाद गोपाल चौबे पुत्र स्वर्गीय गणपत चौबे के मकान के बाहर अज्ञात लोगों ने बड़े-बड़े पत्थर फेंके। अचानक हुई घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्राम पंचायत प्रशासक छोटू सिंह चुंडावत ने बागोर थाना पुलिस को मामले से अवगत कराया। पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाने की बात कही गई।

जानकारी के अनुसार करीब एक माह पूर्व भी गोपाल चौबे के मकान पर अज्ञात लोगों द्वारा पत्थर फेंके गए थे। लगातार दूसरी बार घटना होने से परिवार एवं ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे बिजली दोबारा गुल होने

- **ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि लगातार हो रही इन घटनाओं की गहनता से जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए**
- **पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी तथा पत्थरबाजी करने वाले आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पकड़ने के प्रयास किए जाएंगे**

के बाद हिम्मत सुवालका/स्वर्गीय सोहनलाल सुवालका के मकान की छत पर भी अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंके। लगातार दूसरी घटना सामने आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। लगातार हो रही घटनाओं की सूचना के बाद शुक्रवार प्रातः करीब 2 बजे बागोर थाना पुलिस पीथास पहुंची। पुलिस ने दोनों घटनास्थलों का मौका मुआयना किया तथा आसपास के मोहल्लेवासियों से घटना के संबंध में पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की जाएगी तथा पत्थरबाजी करने वाले आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पकड़ने के प्रयास किए जाएंगे। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि लगातार हो रही इन घटनाओं की गहनता से जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही रात्रि के समय गांव में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके और ग्रामीणों में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो सके।

झुंझुनूं में ई-मित्र कियोस्कों पर विभाग की सख्ती, 30 जगह औचक जांच

झुंझुनूं, (निसं)। ई-गवर्नेंस सेवाओं में पारदर्शिता और आमजन को निर्धारित शुल्क पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, ब्लॉक-झुंझुनूं की ओर से ई-मित्र कियोस्कों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। विभाग की अलग-अलग टीमों ने अगस्त 2026 में उपखंड क्षेत्र के 30 ई-मित्र कियोस्कों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और शुल्क वसूली की जांच की।

निरीक्षण के दौरान एक ई-मित्र कियोस्क पर अनियमितता सामने आने पर संबंधित कियोस्क धारक को सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया। विभाग की कार्रवाई से ई-मित्र संचालकों में भी हड़कंप की स्थिति रही। विभाग के प्रोग्रामर विनोद कुमार सैनी ने बताया कि ई-मित्र कियोस्कों पर आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क और विभागीय नियमों की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से निरीक्षण किए जा रहे हैं। औचक जांच के दौरान व्यवस्थाओं, सेवा प्रक्रिया और शुल्क वसूली सहित विभिन्न बिंदुओं को देखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन या अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य ई-मित्र सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ आमजन को निर्धारित शुल्क पर बेहतर एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराना है।

हिण्डौन सिटी में फर्जी मतदान को लेकर दो पक्षों में मारपीट

घटना में निर्दलीय प्रत्याशी बिजेंद्र सहित दो लोग घायल, हिंडौन के अस्पताल में भर्ती कराया

हिंडौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन नगर परिषद के लिए शुक्रवार को हुए मतदान में छिटपुट घटनाओं के बीच मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान के प्रयास, प्रत्याशियों के समर्थकों की ओर से निर्धारित सीमा में प्रचार करने की कोशिश और वार्ड 40 में फर्जी मतदान को लेकर विवाद की घटना सामने आई। हालांकि पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी के चलते मतदान प्रक्रिया पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

मतदान के दौरान कुछ बूथों पर आधार कार्ड में कथित हेराफेरी कर फर्जी मतदान का प्रयास करने की सूचनाएं मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया। वार्ड संख्या 32 से दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की सूचना है। इसके अलावा अन्य वार्डों से भी फर्जी मतदान के प्रयास में कुछ लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। वार्ड संख्या 40 में फर्जी मतदान को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला झगड़े और मारपीट तक पहुंच गया। घटना में निर्दलीय प्रत्याशी बिजेंद्र सहित दो लोगों के घायल होने की सूचना है। दोनों घायलों को उपचार के लिए राजकीय अस्पताल हिंडौन में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति को शांत कराया। बाद में पुलिस अधिकारी राजकीय अस्पताल भी पहुंचे और घायल निर्दलीय प्रत्याशी से घटना की जानकारी लेते हुए उसके हाल-चाल पूछे। घटना के दौरान पथराव होने की भी चर्चा रही, हालांकि इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। मतदान शुरू होने के समय बूथ संख्या 81 पर ईवीएम में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल मशीन बदलवाई। नई मशीन लगाए जाने के बाद मतदान प्रक्रिया को सुचारू कराया गया। इससे कुछ समय के लिए मतदान प्रभावित हुआ, लेकिन प्रशासन की तत्परता से स्थिति शीघ्र सामान्य हो गई।

सीकर जिले से फूड रियलिटी अवेयरनेस पदयात्रा गुजरी

सीकर, (निसं)। सीकर जिले से फूड रियलिटी अवेयरनेस पदयात्रा गुजर रही है। देश में बढ़ती मिलावटखोरी, असुरक्षित खाद्य पदार्थों, हानिकारक रसायनों के प्रयोग और भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ जन जागरूकता के लिए यह पदयात्रा निकाली जा रही है।

यात्रा संयोजक एडवोकेट जयंत मूंड ने बताया कि 4 सितंबर को बीकानेर के वैष्णो माता मंदिर से पदयात्रा शुरू हुई। यह पदयात्रा रतनगढ़, सीकर, जयपुर, कोटपूतली और गुरुग्राम होते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचेगी। पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे दमित गहलोत और एडवोकेट जयंत मूंड का सीकर जिले की सीमा में प्रवेश करने पर स्वागत किया गया। जयंत मूंड ने बताया कि इस पदयात्रा के जरिए नकली दूध, घी, पनीर, आटा और मसालों के माफियाओं की फांसी का प्रावधान, मिलावट से जुड़े मामलों का 90 दिनों में समाधान के लिए विशेष अदालतों का गठन करने की मांग की जा रही है।

8वीं क्लास के कोर्स में शुद्ध आहार सब्जेक्ट जोड़ने की मांग :- इसके अलावा पैकेटबंद प्रोडक्ट्स पर 5 स्टार रेटिंग कंपल्सरी करना, हर

- **रतनगढ़, सीकर, जयपुर, कोटपूतली और गुरुग्राम होते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचेगी पदयात्रा**

प्रोडक्ट की सभी सामग्री की लिस्ट हिंदी में अनिवार्य हो, हर जिले में आमजन के लिए अत्याधुनिक फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना, फसलों व सब्जियों में जहरीले रसायनों, आर्टिफिशियल कलर/फ्लेवर व पाम ऑयल पर रोक तथा शुगर की मात्रा कंट्रोल करना, कोल्ड ड्रिंक्स व तंबाकू-गुटखा उत्पादों पर देश में पूर्ण प्रतिबंध, प्रोडक्ट्स के झूठे दावे और भ्रामक प्रचार करने वाली कंपनियों और प्रमोटर सेलिब्रिटीज को जेल का प्रावधान, पहली कक्षा से 8वीं तक के पाठ्यक्रम में शुद्ध आहार विषय अनिवार्य रूप से जोड़ने की मांग की है। पदयात्री युवाओं ने आमजन से खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल और एक्सपायरी जांचने और मिलावट की शिकायत तुरंत दर्ज कराने की अपील की है।

पावटा में श्रीकृष्ण गौशाला के पास जरख की दस्तक

पावटा, (निसं)। कस्बे में इन दिनों वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही ने ग्रामीणों और आमजन की चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार को श्रीकृष्ण गौशाला पावटा के आसपास जरख (हाइना) दिखाई देने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि जरख काफी देर तक गौशाला के आसपास खेतों में घूमता नजर आया और बाद में आवासीय कॉलोनियों के आसपास भी उसकी गतिविधियां देखे जाने से लोगों में भय का माहौल बन गया। जरख को आबादी के नजदीक घूमता देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शाम ढलने के बाद खेतों और कॉलोनियों की ओर आने-जाने वाले ग्रामीणों तथा पशुपालकों में विशेष रूप से डर बना हुआ है।

लोगों का कहना है कि वन्यजीव लगातार आबादी क्षेत्र के नजदीक पहुंच रहे हैं, ऐसे में किसी अप्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। श्रीकृष्ण गौशाला के आसपास बड़ी संख्या में पशु और ग्रामीणों की आवाजाही रहती है। जरख के यहां पहुंचने की सूचना के बाद पशुपालकों में भी चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गौशाला, खेतों और आसपास की आवासीय कॉलोनियों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टीम द्वारा जरख की गतिविधियों पर निगरानी रखने और उसके मूवमेंट का पता लगाने की बात कही गई। आवश्यकता पड़ने पर वन्यजीव को सुरक्षित रेस्क्यू करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि जरख अथवा किसी अन्य वन्यजीव के दिखाई देने पर उसके पास जाने, पीछा करने या घेरने का प्रयास नहीं करें। वन्यजीव दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग अथवा पुलिस को सूचना दें।

ग्रामीणों का कहना है कि जरख पहले खेतों में दिखाई दिया और अब आबादी तथा आवासीय कॉलोनियों के आसपास भी नजर आ रहा है। इससे लोगों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से रात के समय क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और वन्यजीव की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि किसी अप्रिय घटना से पहले वन विभाग प्रभावी कदम उठाए और आबादी क्षेत्र के आसपास वन्यजीवों की आवाजाही को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

फर्जी वोटिंग कराने से रोकने पर निर्दलीय प्रत्याशी को पीटा

टोंक, (निसं)। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं. 37 में निकाय चुनाव के दौरान शुक्रवार को फर्जी वोट डालने को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी सलाद्दीन खान ने विरोध किया तो अन्य दल के प्रत्याशी द्वारा उनके साथ मारपीट कर दी, जिसके बाद सलाद्दीन ने मामले की प्रशासन से शिकायत करते हुए थाना कोतवाली पुलिस को शिकायत पत्र लिखकर आरोपी कांग्रेस प्रत्याशी ओसाब के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। सलाद्दीन ने बताया कि पूरे दिन चले चुनावों के दौरान कई बार ऐसे मामले सामने आये, जब सांय एक नाबालिग को आरोपी वोट कराने के लिए लाने के बाद सलाद्दीन ने मना कर दिया, जिसके बाद आरोपी व उसके साथ आये अन्य व्यक्तियों ने सलाद्दीन व उसकी पुत्री के साथ मारपीट की। जिसकी सूचना सलाद्दीन ने लिखित में देकर पुलिस प्रशासन से आरोपियों से उचित कार्यवाही की मांग की है।

सिंघाना में फर्जी वोट डालने का आरोप, पांच जने हिरासत में

सिंघाना, (निसं)। नगर पालिका चुनाव के तहत शुक्रवार को सिंघाना के 35 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही रही। कुल 20,630 मतदाताओं में से 16,405 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह नगरपालिका क्षेत्र में 79.52 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 35 वार्डों में कुल 221 प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य ईवीएम में बंद हो गया।

मतदान को लेकर प्रशासन एवं पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहा। अधिकारी लगातार मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित स्थान पर जमा कराया गया। मतदान के दौरान दोपहर में बूथ संख्या 5, 6 और 7 पर फर्जी वोट डालने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। वार्ड 6 के निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थकों ने भाजपा प्रत्याशी पर फर्जी वोट डलवाने का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और मौके पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। पुलिस ने मामले में दो महिलाओं और तीन युवकों सहित पांच जनों को हिरासत में लिया। बाद में सभी को शांतिभंग के मामले में पाबंद कर छोड़ दिया गया। इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक भगवत सिंह ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से मतदान करवाने के निर्देश दिए।

किसान की मौत

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह में खेत पर फसल काटने गए एक किसान की प्यास बुझाने के दौरान कुएं से पानी निकालते समय पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार को देर सांय टोडारायसिंह क्षेत्र में हुआ जहां गांगोलाव निवासी खेमराज (36) पुत्र कजोड़ मीणा जो अपने खेत पर फसल काटने गया था। काम के दौरान उसे प्यास लगी तो वह खेत में बने कुएं पर पानी लेने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर कुएं में जा गिरा। कुएं में पानी अधिक गहरा होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और डूब गया।

चूरू में वन शहीद दिवस पर वन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी

चूरू, (निसं)। वन शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार को वन विभाग की ओर से जिला मुख्यालय सहित जिले की विभिन्न वन रेंजों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। नेचर पार्क चूरू में स्थापित शहीद स्मारक पर वन अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर वन व वन्यजीवों की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उप वन संरक्षक संदीप कुमार, सहायक वन संरक्षक मनीष कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश जाखड़ सहित रेंज व मंत्रालयिक स्टॉफ

- **सरदारशहर, राजगढ़, तारानगर, रतनगढ़, सुजानगढ़ रेंज और वन्यजीव तालछापर में भी वन शहीद दिवस मनाया**

मौजूद रहा। जिले में चूरू, सरदारशहर, राजगढ़, तारानगर, रतनगढ़, सुजानगढ़ रेंज और वन्यजीव तालछापर में भी वन शहीद दिवस मनाया गया।

उप वन संरक्षक संदीप कुमार ने उपस्थित वनकर्मियों, मंत्रालयिक स्टाफ व गणमान्य नागरिकों को पंच गौरव के तहत एक जिला एक वनस्पति प्रजाति के रूप में चयनित खेजड़ी के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने वीरांगना अमृता देवी और उनके साथियों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि खेजड़ी और पर्यावरण की रक्षा के लिए समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने वनकर्मियों से जिले में हरियाली बढ़ाने के साथ वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आव्हान किया।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारी को अलवर खेल परिसर की हकीकत दिखाई

खेल अधिकारी ने साई निदेशक को गंदे टॉयलेट और बिजली चोरी के सबूत दिखाए

अलवर, (निसं)। अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में शुक्रवार को दिल्ली से आए साई (स्पोर्ट्स ऑथिरिटी ऑफ इंडिया) के क्षेत्रीय निदेशक अरुण सिंह के सामने खेल परिसर की उस वक्त पोल खुल गई, जब अलवर जिला खेल अधिकारी ने खेल परिसर की हकीकत दिखाई। जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा ने उन्हें गंदे टॉयलेट और बिजली चोरी से जुड़े सबूत दिखाए। अधिकारी को मौके की व्यवस्थाओं और सामने आई खामियों से अवगत कराया गया।

जानकारी के अनुसार स्टेडियम में साई का सेंटर संचालित हैं और यहीं पर राज्य सरकार की ओर से संचालित जिला क्रीड़ा परिषद का दफ्तर है। साई के क्षेत्रीय निदेशक अरुण सिंह दिल्ली से साई के सेंटर की व्यवस्था देखने आए थे। यहां आने पर जिला खेल अधिकारी ने सारे हालात उनके सामने रख दिए। इस पर साई के क्षेत्रीय निदेशक ने जिला

अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में दिल्ली से आए साई के क्षेत्रीय निदेशक अरुण सिंह ने खेल परिसर की हकीकत जानी।

खेल अधिकारी से कहा कि आप लिखित में दीजिए। उसके बाद शिकायतों पर संज्ञान लिया जाएगा।

असल में अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में साई का खेल का सेंटर हैं। अभी यहां शूटिंग और हॉकी के खिलाड़ी अभ्यास करते हैं, हालांकि अभी हॉकी का खेल बंद है। इस वजह से हॉकी के

- **साई के क्षेत्रीय निदेशक ने जिला खेल अधिकारी से कहा कि आप लिखित में दीजिए, उसके बाद शिकायतों पर संज्ञान लिया जाएगा**

खिलाड़ियों में निराशा है। हॉकी को लेकर क्षेत्रीय निदेशक अरुण सिंह ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय निदेशक के रूप में 1 सितंबर को ही कार्य संभाला है। उसके बाद उनकी यह पहली अलवर की विजिट है। उन्होंने कहा कि हम यह देखने आए हैं कि अलवर के सेंटर पर क्या बेहतर करने की जरूरत है। शूटिंग व हॉकी खेल चलते हैं। शूटिंग को बेहतर करने के प्रयास जारी है। हॉकी में कहां सुधार कर सकते हैं। हॉकी के बंद होने का कारण जमीन का इश्यू रहा। साई के तहत हमारी स्कीम को रन के लिए जमीन की उपलब्धता पूरे समय के लिए होना जरूरी होती है। इसके कारण यहां दिक्कत आई है। अब पता चला है कि हॉकी का सिंथेटिक ग्राउंड बनेगा। उसके मिलने के बाद बेहतर तरीके से खिलाड़ियों को अभ्यास करने का अवसर मिल सकेगा। हॉकी संघ और कोच के बीच अनबन की बातें सामने आई है। उनका भी समाधान किया जाएगा।

अरुण सिंह ने कहा कि हमारे यहां सहायक निदेशक लगे हैं। आगे टॉयलेट व अन्य चीजों को दुरुस्त कराएंगे। यहां की जिला क्रीड़ा परिषद की अधिकारी ने जो आरोप लगाए हैं। उनको लेकर लिखित में जानकारी मांगी गई है। अब यहां खिलाड़ियों के अलावा आमजन से मिले हैं। इस दौरान कई विषय सामने आए हैं। उन सब को दुरुस्त करने का प्रयास करेंगे।

रेवदर के गांव करजिया स्थित विद्यालय में शिक्षकों की कमी

रेवदर, (निसं)। ब्लॉक के ग्राम पंचायत दत्तानी के गांव करजिया में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की अत्यधिक कमी से नाराज होकर करजिया ग्रामवासियों ने स्कूल के ताला जड़ दिया।

सुदूर जनजाति क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय में एक से बारहवीं तक कक्षायें संचालित है, परंतु शिक्षा विभाग की अनदेखी से मात्र स्कूल में तीन शिक्षक ही कार्यरत हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही हैं। तालाबंदी की सूचना मिलने पर पीईईओ दत्तानी रूपेश राठौर ने पहुँच कर समझाइश की, परंतु ग्रामीण मौके पर ही शिक्षकों की स्थाई व्यवस्था करने की मांग पर अड़े रहे। पीईईओ ने अपने क्षेत्र से ही सात शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करके ग्रामीणों को शांत कर विद्यालय का सुचारू संचालन प्रारंभ करवाया। यह विद्यालय लगभग 3 वर्ष पहले सीनियर स्कूल में क्रमौन्नत

- **विद्यालय में एक से बारहवीं तक कक्षायें संचालित है, मात्र तीन शिक्षक ही कार्यरत हैं**
- **पीईईओ ने अपने क्षेत्र से ही सात शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करके ग्रामीणों को शांत किया**

हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में ही इसी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था करके शिक्षण कार्य करवाया गया है। ग्रामीणों की पुरजोर मांग है कि इस समस्या स्थाई शिक्षक लगाकर हल निकाला जाए। मौके पर दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

अलवर में सात नगर पालिकाओं में मतदान शांतिपूर्ण हुआ

अलवर, (निसं)। आज हुए द्वितीय चरण के लिए जिले की सात नगर परिषद, पालिकाओं के लिए हुए चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 85.46 रहा सबसे ज्यादा मतदान बडोदामेव नगर पालिका 89.74, गोविन्दगढ़नगर पालिका में 86.35, कठूमर नगर पालिका में 85.79, खेरली में 82.26, राजगढ़ नगर पालिका में 63.64, थानागाजी में 86.99 और लक्ष्मणगढ नगर पालिका में 86.70 प्रतिशत वोटिंग हुई।

अलवर जिले में निकाय के दूसरे चरण में शुक्रवार को 7 नगर पालिकाओं (कठूमर, खेड़ली, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, गोविंदगढ़ -रामबास, बड़ौदामेव) में वोटिंग हुई। इस दौरान गोविंदगढ़ में वोट डालने आए बुजुर्गों को व्हील चेयर नहीं मिलने से लोगों और पुलिस प्रशासन में कहासुनी भी हो गई। बुजुर्ग लोग परेशान भी नजर आए।

बीकानेर के कई गांवों में 2010 बीघा सरकारी जमीन सोलर कंपनियों को बेची

करीब दो लाख रुपए प्रति बीघा बाजार कीमत वाली इन जमीनों से सरकार को सीधे तौर पर 40 करोड़ रुपए के राजस्व का चूना लगाया

- अब इन जमीनों को वापस अराजीराज करने की तैयारी की जा रही है, जिला कलैक्टर मामले में राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा
- आरोपियों ने 52 से 53 साल पुराने पट्टों के आधार पर नॉन टिनेंट/मृत्युपरांत वारिसों के नाम से आवंटन दर्ज किए

बीकानेर, (निसं)। पूगल क्षेत्र में सौर ऊर्जा की नींव फर्जी तरीके से बेची गई जमीनों पर रखी जा रही है। इनमें सबसे प्रमुख नाम भारत सरकार के उपक्रम मैसर्स एसजेवीएन (सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड) ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का है। कंपनी ने यहां एक हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया है। नवरत्न कंपनी मैसर्स एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने करणीसर भाटियान और बांदरेवाला में 10 हजार बीघा में एक हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया है। इसमें निजी काश्तकारों से खरीदी गई 400 बीघा जमीन का आवंटन फर्जी है। इसी प्रकार, जयपुर की एमआरएस बिल्ड विजन प्राइवेट लिमिटेड को भी 250 बीघा जमीन फर्जी तरीके से बेच दी गई। मैसर्स अवाड़ा आरजे बीकानेर प्राइवेट लिमिटेड और महाराष्ट्र इंडिया सहित कई सोलर कंपनियों को फर्जी तरीके से सरकारी जमीन बेची गई है। इन कंपनियों ने करोड़ों रुपए का निवेश भी कर दिया। ऐसी कुल 31 जमाबंदियां हैं, जिनमें से ज्यादातर जमीनें फर्जी तरीके से सोलर कंपनियों को बेच दी गईं। उनके म्यूटेशन चढ़ गए और लीज भी रजिस्टर्ड हो गई, जबकि कुछ जमीनों के एग्रीमेंट हो चुके हैं। फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद अब जमाबंदी में नोट लगा दिए गए हैं कि इनका उपयोग किसी भी कोर्ट में साक्षी के रूप में नहीं किया जा सकता।

जानकारी के अनुसार बीकानेर में सोलर की चमक से मालामाल होने के लिए भू-माफिया ने भ्रष्ट सरकारी तंत्र से मिलकर यह खेल रचा। करणीसर भाटियान, बांदरेवाला और दीनसर गांव में 50 साल पुराने पट्टों में सेंध लगाकर सरकार की कुल 2010 बीघा बेशकीमती भूमि को ही कब्जा लिया। करीब 2 लाख रुपए प्रति बीघा बाजार कीमत वाली इन जमीनों से सरकार को सीधे तौर पर 40 करोड़ रुपए के राजस्व का चूना लगाया गया है। अब इन जमीनों को वापस अराजीराज करने की तैयारी की जा रही है। यदि ऐसा हुआ तो सोलर कंपनियों को बड़ा भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। उधर, जिला कलेक्टर निशांत जैन ने इस मामले में राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा है।

सरकारी जमीनों को हड़पने का यह पूरा खेल मार्च 2014 से लेकर फरवरी-2024 तक चला। आरोपियों ने 52 से 53 साल पुराने पट्टों के आधार पर नॉन टिनेंट/मृत्युपरांत वारिसों के नाम से आवंटन दर्ज किए। इस फर्जीवाड़े के लिए तत्कालीन एसडीएम सीता शर्मा और मनोज खेमदा, तहसीलदार रामेश्वर गढ़वाल व आदित्या, नायब तहसीलदार राजेश शर्मा, महेंद्र सिंह मुवाल, भंवरलाल ऑफिस कानूनगो, भू-अभिलेख निरीक्षक इकबाल सिंह, पटवारी राजेंद्र स्वामी, विकास पूनियां, लूणाराम, कालूराम, जयसिंह, मांगीलाल, रणवीरसिंह के खिलाफ पुलिस-एसीबी में जांच चल रही है। जमीन को वैध दिखाने के लिए आरोपियों ने साल 1970, 1971 से लेकर 1976 तक की पुरानी तारीखों में फर्जी आवंटन पत्र और पट्टे तैयार किए।

पुराने कागजों के दम पर सरकारी जमीन पर मालिकाना हक जताया। बिना किसी वैध मूल दस्तावेज के राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से रातों-रात सरकारी जमीनों के नामांतरण 31 निजी व्यक्तियों के नाम खोल दिए गए। जैसे ही जमीन कागजों में निजी हुई, उसे तुरंत मोटी रकम लेकर सोलर कंपनियों को बेच दिया गया। उपनिवेशन और राजस्व विभाग के नियमों को पूरी तरह दरकिनार करते हुए जमीनों को चिह्नित (पिक एंड चूज) किया गया, ताकि सोलर हब वाले बेल्ट की कीमती जमीनें हथियाई जा सकें।

यह घोटाला केवल एक बार नहीं, बल्कि एक चेन की तरह चला। 2021, 2022, 2023, जनवरी 2024 तक अलग-अलग तारीखों में कंप्यूटर और रजिस्टरों में फर्जी प्रविष्टियां (म्यूटेशन संख्या 545, 432, 606 आदि) दर्ज की जाती रहीं, ताकि सोलर कंपनियों को बेची गई जमीन का रिकॉर्ड साफ-सुथरा दिखे।

निशांत जैन, बीकानेर, कलैक्टर का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। उक्त संपूर्ण भूमि की जमाबंदी पर नोट अंकित कर दिया है, ताकि इस भूमि का आगे बेचान न हो सके। प्रकरण शीघ्र निस्तारण के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलवर में आधे घंटे की तेज बारिश से सड़कें लबालब

अलवर शहर तेज बारिश के सड़कों पर दो फीट से ज्यादा पानी भर गया।

- 12 सितंबर को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, 13 सितंबर से मौसम में बदलाव की संभावना जताई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक मौसम पलट गया। शहर सहित जिले के कुछ हिस्सों में कहीं मध्यम बारिश तो कहीं तेज बारिश हुई। शहर में करीब आधा घंटे से ज्यादा हुई बारिश के बाद गोपाल टॉकिज रोड पर करीब दो फीट से ज्यादा पानी भर गया।

जानकारी के अनुसार सुबह से ही कभी धूप तो कभी बादल छाए रहे। वहीं सरिस्का की तरफ अगर अच्छी बारिश होती है तो रूपारेल नदी में पानी की आवक होगी। इसके बाद जयसंमद बांध में पानी की आवक हो सकती है। इस साल मानसून में अच्छी बारिश नहीं होने से अलवर के कई प्रमुख बांध अभी खाली हैं। पिछले दिनों बारिश के बाद जयसमंद बांध में पानी की आवक हुई थी, लेकिन एक-दो दिन में ही पानी कम हो गया। ऐसे में बांधों में पानी की आवक नहीं होने से जलाशयों में रौनक कम है। मौसम विभाग के 7 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार, 12 सितंबर को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद 13 सितंबर से मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश होने और आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। 14 सितंबर को भी गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है। 15 और 16 सितंबर को भी बारिश की संभावना जताई गई है। इससे तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

भीलवाड़ा के तीर्थयात्री देवीलाल का पांचवें दिन भी नहीं लगा सुराग

उत्तराखंड के देवप्रयाग के पास तोताघाटी में 300 फीट गहरी खाई में गिरी कार बरामद हुई

लापता देवीलाल

भीलवाड़ा, (निसं)। चारधाम यात्रा से लौट रहे भीलवाड़ा जिले के कीरखेड़ा निवासी देवीलाल तेली (45) का हादसे के पांचवें दिन भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उत्तराखंड के देवप्रयाग के पास तोताघाटी में 6 सितंबर की शाम उनकी कार अनियंत्रित होकर करीब 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी थी। एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमें दुर्गम पहाड़ी इलाके में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

परिजनों के अनुसार, देवीलाल अपने बेटे लखन, दामाद और एक मित्र के साथ चारधाम यात्रा पूरी कर कार से घर लौट रहे थे। 6 सितंबर की शाम तोताघाटी के पास भारी ट्रैफिक जाम लगा था। इस दौरान कार में सवार अन्य तीनों लोग लघुशंका के लिए नीचे उतरे, जबकि देवीलाल कार में ही बैठे रहे। इसी बीच ढलान पर खड़ी कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा समाई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई से क्षतिग्रस्त कार को तो बरामद कर लिया, लेकिन देवीलाल का कोई पता नहीं चला। पहाड़ी क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश, घने कोहरे और दुर्गम चट्टानों के कारण रेस्क्यू टीम को तलाशी अभियान में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देवीलाल का सुराग न मिलने से भीलवाड़ा स्थित उनके गांव कीरखेड़ा में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पांच दिन बीत जाने के बाद परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है और किसी अनहोनी की आशंका के चलते घर पर गमी की बैठक भी शुरू कर दी गई है। परिजन उत्तराखंड प्रशासन की ओर से किसी भी सकारात्मक सूचना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नहर में डूबे युवक का शव मिला, मृतक की शिनाख्त हुई

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में दांयी मुख्य नहर में डूबे युवक का शव घटना से एक से डेढ़ किलोमीटर दूर बरामद किया गया। मृतक युवक की शिनाख्त बजरंगपुरा निवासी पवन प्रजापत के रूप में की गई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नान्ता क्षेत्र में एक युवक पैर फिसलने से दांयी मुख्य नहर में गिर गया, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोताखोर टीम को सूचना दी गई। युवक की तलाश में जुटी गोताखोर टीम को घटना से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक का शव बरामद हुआ।

नगर निगम के गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से काली बस्ती की ओर दांयी मुख्य नहर में एक युवक के बहने की सूचना मिली। पानी का बहाव तेज होने के कारण नहर को पहले बंद कराया गया और गोताखोर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। विष्णु श्रृंगी ने बताया कि करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद घटना से एक से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक का शव बरामद किया गया, शव को बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया गया।

नान्ता थाने के एएसआई शिवराज सिंह ने बताया कि काली बस्ती के समीप दांयी मुख्य नहर में एक युवक के डूबने की सूचना मिली, जिस पर गोताखोर टीम को मौके पर बुलाकर नहर में बहे युवक के शव को बरामद कर बाहर निकाला गया। एएसआई ने बताया कि मृतक की शिनाख्त बजरंगपुरा निवासी पवन प्रजापत (28) के रूप में हुई। पवन घर से निकला था, काली बस्ती के समीप दांयी मुख्य नहर में पैर फिसलने से नहर में बह गया। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मृग दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन कल

1.77 लाख से अधिक अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 429 केंद्रों पर होगी ओएमआर आधारित परीक्षा

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा-2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए कोटा विश्वविद्यालय ने परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष 1,77,901 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के लिए राज्य के सात संभागीय मुख्यालयों में कुल 429 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 13 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक ऑफलाइन ओएमआर आधारित प्रणाली से आयोजित होगी। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एसईटी-2026 का आयोजन कोटा विश्वविद्यालय द्वारा कुलगुरु प्रो. बी.पी.सारस्वत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। परीक्षा का आयोजन यूजीसी-नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप किया जाएगा। परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए कोटा विश्वविद्यालय में केंद्रीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

कुलगुरु प्रो.बी.पी. सारस्वत ने बताया कि परीक्षा की सुरक्षा, गोपनीयता और संवेदनशीलता से जुड़े सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने और परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने की अपील की।

समन्वयक सेट-2026 प्रो.धनश्याम शर्मा ने बताया कि प्रवेश-पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र और रोल नंबर के कोड को केवल सांकेतिक न मानते हुए परीक्षा केंद्र की वास्तविक लोकेशन पहले से सुनिश्चित कर लें। इसके लिए परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्र पर जाकर स्थान की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचनाओं के लिए कोटा विश्वविद्यालय की वेबसाईट का नियमित अवलोकन करने की अपील की है।

बोलेरो कैंपर ने पैदल श्रद्धालुओं को कुचला, तीन की मौत

जोधपुर के शेरगढ़ स्थित भूंगरा मेगा हाइवे पर मध्यरात्रि को हुआ हादसा

- तेना-नाथासर से बाबा के दर्शन के लिए निकले थे पांच जातरू

जोधपुर, (कासं)। जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा मेगा हाईवे की सरहद के पास मध्यरात्रि में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल रामदेवरा जा रहे तीन जातरुओं की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि तेना-नाथासर गांव से पांच जातरू रात करीब 10 बजे बाबा रामदेव के दर्शन के लिए पैदल रवाना हुए थे। मेगा हाइवे पर पहुंचते ही एक अनियंत्रित बोलेरो कैंपर ने तीन जातरुओं को कुचल दिया। हादसे की जानकारी होने पर स्थानीय निवासी बिशन सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को शेरगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नाथासर निवासी महेश पुत्र चंद्राराम, अंबाराम पुत्र कुंभाराम और भानाराम पुत्र अनोपाराम के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर शेरगढ़ थाना अधिकारी खेताराम सियोल और एएसआई रूगाराम पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बोलेरो कैंपर को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू की।

तीनों शवों को शेरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे, जिससे मोर्चरी के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है।

फैक्टरी से छह लाख का तांबा व पीतल चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बोरानाडा क्षेत्र में झंवर रोड स्थित एक रेडियटर फैक्टरी के मुख्य दरवाजे के ताले तोड़कर अज्ञात चोर करीब छह लाख रुपए कीमत का तांबा एवं पीतल का सामान चोरी कर ले गए। फैक्टरी मालिक की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शास्त्रीनगर निवासी प्रमोद अग्रवाल ने रिपोर्ट दी कि उसकी प्रथम चरण, झंवर रोड स्थित रेडियटर बनाने की फैक्टरी है। फैक्टरी में तांबा, पितल एवं तांबे से बने अन्य उत्पादों का स्टॉक रहता है। परिवादी के मुताबिक गत माह 15 और 16 अगस्त को छुट्टी होने के कारण फैक्टरी बंद थी। 17 अगस्त को फैक्टरी पहुंचने पर मुख्य दरवाजे के दो ताले टूटे मिले। अंदर जांच करने पर तांबे-पितल के पर्दे, कॉइल सहित करीब 5 से 6 लाख रुपए का माल गायब मिला।

बीकानेर के एक सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है लालगढ़ स्टेशन

महाप्रबंधक उत्तर-पश्चिम रेलवे पंकज शर्मा ने बीकानेर दौरे के दौरान लालगढ़, बीकानेर और देशनोक स्टेशनों का निरीक्षण किया

- पंकज शर्मा ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे विकास कार्यों, मूलभूत यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया

उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बीकानेर जिले के स्टेशनों का निरीक्षण किया।

बीकानेर/जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने शुक्रवार को बीकानेर, देशनोक एवं लालगढ़ स्टेशनों का निरीक्षण किया गया। लालगढ़ स्टेशन को बीकानेर के एक सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत महाप्रबन्धक ने बीकानेर रेलवे स्टेशन से देशनोक स्टेशन तक ट्रेक का फुट प्लेट निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने स्टेशन का निरीक्षण भी किया।

महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, बुकिंग विंडो, आधुनिक प्रतीक्षालय, डॉरमेट्री, स्टेशन कक्ष, आईपीएस रूम, स्टेशन यार्ड तथा दिव्यांग जनों की सुविधाओं सहित अन्य यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

महाप्रबंधक ने बीकानेर स्टेशन पर प्रेस वार्ता के दौरान स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति के बारे में अवगत कराया एवं निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान यार्ड रीमॉडलिंग एवं हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने इन परियोजनाओं से परिचालन क्षमता में होने वाली वृद्धि तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडल में चल रहे विकास एवं आधारभूत संरचना से संबंधित कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक जोधपुर एवं बीकानेर सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के पैर छूने का वीडियो वायरल

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को मतदान के दौरान जोधपुर के वार्ड नंबर 82 में एक मामला चर्चा में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महामंदिर स्थित वर्धमान जैन स्कूल मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने गहलोत के पैर छू लिए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया।

भाजपा ने संबंधित पोलिंग कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए चुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। हालांकि, जिला निर्वाचन आयोग द्वारा कराई गई त्वरित प्राथमिक जांच में यह पूरा मामला कुछ और ही निकला। जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई जांच और सीसीटीवी फुटेज के सत्यापन के बाद यह साफ हो गया है कि मतदान केंद्र पर अशोक गहलोत के पैर किसी एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग लोगों ने छुए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि पैर छूने वाले इन तीन लोगों में से कोई भी चुनाव ड्यूटी पर तैनात सरकारी पोलिंग कर्मचारी नहीं था।

उदयपुर नगर निगम चुनाव में कई बूथों पर फर्जी मतदान हुआ

कई बूथों पर एवीएम खराब होने से व्यवधान होने की भी जानकारी सामने आई

उदयपुर, (कासं)। नगरीय निकाय चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के तहत शक्रवार को जिले के उदयपुर नगर निगम सहित तीन निकायों में मतदान सम्पन्न हुआ। इस दौरान कई बूथों पर फर्जी मतदान करने की शिकायतें भी मिली है। वहीं कई बूथों पर एवीएम खराब होने से व्यवधान होने की भी जानकारी मिली है। एक बूथ पर कांग्रेस समर्थक बूथ सीमा में पहुंचे तो भाजपा ने विरोध जताया।

जानकारी के अनुसार मतदान के दौरान वार्ड नंबर 23 में हंगामा हो गया। यहां कांग्रेस समर्थकों के बूथ की निर्धारित सीमा के अंदर जाने पर भाजपा ने विरोध किया। बूथ की निर्धारित सीमा के अंदर मौजूद कांग्रेस समर्थकों को देखकर भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने कड़ा विरोध जताया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए सभी को बाहर किया। उदयपुर के वार्ड संख्या 76 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शोभागपुरा में तीन मतदाता वोट करने गए तो उनको पता चला कि वहां उनका वोट पहले ही कोई डालकर चला गया। मतदाताओं ने फर्जी वोट डालने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। इसके बाद वहां से निकल गए।

शोभागपुरा राजकीय प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बाहर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों को पुलिस ने हटाया। यहां दोनों दलों के समर्थक बूथ की 200 मीटर की सीमा के अंदर प्रचार कर रहे थे। बता दें कि उदयपुर में कुल 220 कैंडिडेट्स के भाग्य का फैसला होगा। इनमें भाजपा और कांग्रेस के 160 उम्मीदवार हैं। वार्ड 14 में एवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतदान 45 मिनट तक बाधित रहा। जानकारी मिलने पर दूसरी मशीन लगने के बाद मतदान पुनः शुरू हुआ। इस वार्ड में तीन मतदाताओं के फर्जी वोट डाले जाने की जानकारी मिली है। यहाँ वैकल्पिक पहचान पत्रों के आधार पर फर्जी मतदान होना उजागर हुआ।

उदयपुर के 80 में से 39 वार्डों में सीधे भाजपा-कांग्रेस की टक्कर है। उदयपुर नगर निगम में भाजपा-कांग्रेस के मेयर दावेदारों ने अपने वार्ड में पूरी ताकत लगाई है। भाजपा से वरिष्ठ नेता दिनेश भट्ट, प्रमोद सामर, अतुल चंडालिया और पारस सिंघवी तो कांग्रेस की ओर से हितांशी शर्मा, शंकर चंदेल, अरूण टांक और डॉ.पूनम कुंवर राठौड़ मेयर के प्रमुख दावेदार है।

एक महीने से घूम रहे लैपर्ड को पिंजरे में पकड़ा

वन विभाग की टीम ने लैपर्ड का रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया

- दामड़ी और आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दौवड़ा वन विभाग क्षेत्र के दामड़ी के नालफला बामणिया तालाब इलाके में करीब एक महीने से एक लैपर्ड घूम रहा था। इससे ग्रामीणों में डर का माहौल था। वन विभाग की टीम ने अब इस लैपर्ड का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है।

ग्रामीणों की सूचना और उनके सहयोग के बाद वन विभाग ने लैपर्ड को पकड़ने का अभियान शुरू किया। डीएफओ के निर्देश पर आतरी वन रेंज के रेंजर तेजसिंह चौहान ने एक टीम बनाई। टीम ने लैपर्ड की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए। साथ ही, इलाके में पगमार्गों की निगरानी की और लैपर्ड के आने-जाने की जगहें पहचानी। इन जगहों पर पिंजरे लगाए गए और लगातार निगरानी रखी गई।

रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा :- कई कोशिशों के बाद लैपर्ड को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लैपर्ड को सुरक्षित जगह पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया गया है। इससे दामड़ी और आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इस रेस्क्यू अभियान में पंचायत समिति सदस्य सुरमाल परमार, हिम्मतसिंह और दामड़ी के ग्रामीण भी शामिल थे। वन विभाग की ओर से रेंजर तेजसिंह चौहान, चंद्रवीर सिंह, वनपाल हर्षवर्धन सिंह, पिंटू यादव, हरिओम सिंह, नाथूराम रोत और अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सोते समय मां और तीन बेटियों की पत्थर से सिर फोडकर हत्या

करधनी क्षेत्र की गोविंद वाटिका में गुरूवार देर रात की घटना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करधनी थाना इलाके की गोविंद वाटिका में गुरुवार देर रात एक परिवार में मां और उसकी तीन बेटियों की हत्या से सनसनी फैल गई। शुक्रवार सुबह घर में चार शव मिलने के बाद घटना का खुलासा हुआ। मृतकों की पहचान गीता झा (40), उसकी बेटियां नंदनी (22), राधिका (17) और गिरीश उर्फ गौरी (14) के रूप में हुई है। चारों के सिर और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस को मौके से हत्या में इस्तेमाल किए गए दो पत्थर और खून से सने कपड़े मिले हैं।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण के अनुसार पुलिस कंट्रोल रूम को शुक्रवार सुबह गोविंद वाटिका स्थित प्लॉट नंबर ए-169 में चार शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। गीता का शव मकान की पहली मंजिल पर बने कमरे में मिला, जबकि तीनों बेटियों के शव ग्राउंड फ्लोर के दो अलग-अलग कमरों में मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि चारों की सोते समय सिर पर भारी पत्थर से वार कर हत्या की गई।

- पुलिस को मौके से हत्या में इस्तेमाल किए गए दो पत्थर व खून से सने पकड़े मिले
- पति पर हत्या का शक, सुबह जल्दी घर से निकला, वापस ही नहीं लौटा

सुबह पिता को चाय पिलाई, फिर हुआ फरार

घर में 85 वर्षीय लक्ष्मीनाथ झा भी रहते हैं। पुलिस के अनुसार मृतका गीता के पति राहुल ने शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे दूधवाले से दूध लिया और पिता के लिए चाय बनाई। पिता को चाय पिलाने के बाद वह तैयार होकर घर से निकल गया और वापस नहीं लौटा। उसने अपना मोबाइल भी घर पर ही छोड़ दिया और फोन बंद था। बाद में बुजुर्ग पिता ने घर में खून देखा और पडौसियों को इसकी सूचना दी। पडौसियों ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी।

पत्नी ब्यूटी पार्लर, राहुल शेयर ट्रेडिंग से जुड़ा : प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राहुल झा शेयर ट्रेडिंग का काम करता था, जबकि गीता घर की पहली मंजिल पर ब्यूटी पार्लर चलाती थी। नंदनी पढ़ाई के साथ निजी नौकरी भी करती थी। राधिका 12वीं कक्षा और गिरीश उर्फ गौरी आठवीं कक्षा में पढ़ रही थी। राहुल के पिता लक्ष्मीनाथ झा सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हैं और उन्हें पेंशन मिलती है। पड़ोसियों के अनुसार राहुल करीब तीन दिन पहले गुजरात से लौटा था। उसने एक पड़ोसी महिला से 50 हजार रुपए उधार मांगे थे, लेकिन उसे 25 हजार रुपए दिए गए थे। परिवार करीब छह साल पहले यह मकान खरीदकर यहां रहने लगा था। इससे पहले परिवार झोटवाड़ा में रहता था और वर्ष 2021 में गोविंदपुरी क्षेत्र में रहने लगा था।

घरेलू विवाद की आशंका : पुलिस प्रारंभिक तौर पर घरेलू कलह समेत विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घर में जबरन प्रवेश के स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिले हैं और कीमती सामान भी सुरक्षित मिला है। राहुल के भाई संजय कुमार झा और भतीजे राज ने पुलिस को बताया कि पति-पत्नी के बीच किसी तरह का विवाद नहीं था। उन्होंने बताया कि राहुल करीब तीन दिन पहले घर आया था और उस समय सभी ने साथ बैठकर खाना भी खाया था। डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि बुजुर्ग लक्ष्मीनाथ झा की उम्र अधिक है और उन्हें सुनने में भी परेशानी है, इसलिए उनसे ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अलग-अलग टीमें राहुल की तलाश में : घटना के बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर किसी को अंदर नहीं जाने दिया। एफएसएल टीम ने खून से सने कपड़ों सहित अन्य साक्ष्य जुटाए हैं।

चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। राहुल झा की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद ही हत्या की वजह पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

दिल्ली में जयपुर फुट का दूसरा केंद्र शुरू

पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में जयपुर फुट के दूसरे केन्द्र का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं बीएमवीएसएस के संरक्षक गणपत सिंह सिंघवी ने किया। इस मौके पर डॉ. डी.आर.मेहता व अन्य लोग मौजूद थे।

जयपुर। देश की राजधानी दिल्ली में दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए विश्व प्रसिद्ध "जयपुर फुट" की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) ने अपना दूसरा केंद्र शुरू कर दिया है। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार स्थित इस केंद्र का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं बीएमवीएसएस के संरक्षक गणपत सिंह सिंघवी ने किया।

नए केंद्र की स्थापना दिव्यांगों के कल्याण के लिए कार्यरत हैण्डीकेप वेलफेयर फैडरेशन (एचडब्ल्यूएफ) के सहयोग से की गई है। केंद्र के संचालन में फैडरेशन के भवन सहित अन्य सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा।

- पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में दिव्यांगों को मिलेगा पुनर्वास का लाभ

बीएमवीएसएस का दिल्ली में पहला केंद्र न्यू राजेन्द्र नगर के अहिंसा भवन में करीब 25 वर्षों से संचालित है। यहां दिल्ली-एनसीआर के साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के दिव्यांगों का पुनर्वास किया जाता है।

एचडब्ल्यूएफ भवन में आयोजित उद्घाटन समारोह में बीएमवीएसएस के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, फैडरेशन के अध्यक्ष सतीश कुमार मलिक, मानद सचिव डॉ. एमपीएस गांधी, बीएमवीएसएस दिल्ली के अध्यक्ष प्रेमेन्द्र राज मेहता, बीएमवीएसएस के मानद सचिव भूपेन्द्र राज मेहता सहित गणमान्य नागरिक और दिल्ली केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. डी.आर. मेहता ने कहा कि मधु विहार का नया केंद्र पूर्वी दिल्ली के साथ राष्ट्रीय राजधानी के अन्य क्षेत्रों के दिव्यांगों के लिए भी लाभकारी होगा। दिल्ली केंद्र में हर वर्ष 10 हजार से अधिक दिव्यांगों का पुनर्वास किया जाता है और यह जयपुर के बाद देश का सबसे बड़ा केंद्र है। दूसरे केंद्र के शुरू होने से दिव्यांगों को बेहतर और अधिक सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपरिवार किया मतदान

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने भी डाला वोट

जयपुर (कासं)। नगर निगम चुनाव-2026 में भागीदारी निभाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सपरिवार एनडब्ल्यूआर ऑफिस के पास स्थित नवोदय शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज, गेटोर जगतपुरा में पहुंचकर मतदान किया। मतदान के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र के इस पर्व में अधिकाधिक भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अनिवार्य रूप से मतदान करने का आव्हान किया।

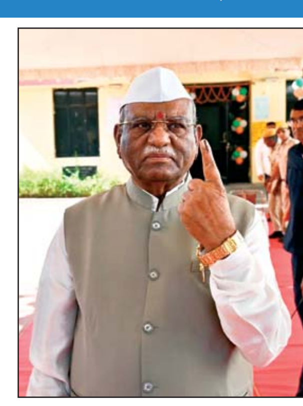

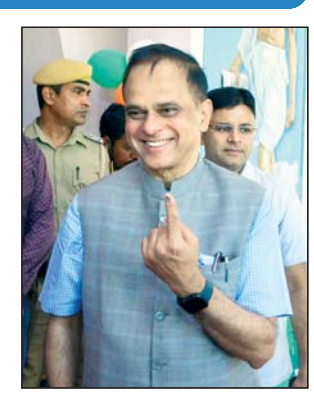

इसी तरह राज्यपाल हरिभाऊ बागडे प्रातः 10.40 बजे केशवनगर सामुदायिक भवन, हॉल लेफ्ट स्थित मतदान भवन पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का पावन अवसर है। उन्होंने नगर निकाय आम चुनाव में मतदाताओं से निर्भीक एवं भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा अधिकाधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

इसी प्रकार मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सुबह 9 बजे राजकीय सेठ आनंदी लाल पोद्दार बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेएलएन मार्ग, स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। इसके बाद मुख्य सचिव ने मतदान केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से मतदान प्रक्रिया और मतदान प्रतिशत की जानकारी भी ली।

लूटपाट-तोड़फोड़ का मुख्य आरोपी 8 माह बाद गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने मानसरोवर स्थित शिप्रा बैंक्वेट हॉल एवं मैरिज गार्डन में दिनदहाड़े तोड़फोड़, लूटपाट और चोरी के मामले में 8 माह से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी मुख्य आरोपी प्रदीप शर्मा (47) निवासी ओधव जिला अहमदाबाद (गुजरात) को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि आरोपी प्रदीप शर्मा के खिलाफ शिप्रापथ थाने में मुकदमा दर्ज था। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। जिस पर थानाधिकारी हितेश शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता और आसूचना के आधार पर आरोपी को ट्रेस कर गिरफ्तार किया। कार्रवाई में कांस्टेबल छोटू राम की विशेष भूमिका रही। टीम में कांस्टेबल मंगलज, प्रभास, जयदेव और नारायण शामिल रहे।

सरकारी मशीनरी से लोकतंत्र पर प्रहार कर रही भाजपा : डोटासरा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर निकाय चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और प्रत्याशियों पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राजस्थान में भी गुजरात मॉडल लागू करना चाहती है, जिसका मतलब जनप्रतिनिधियों को डराना-धमकाना, दबाव में लाना और भाजपा में शामिल करना है। डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार के कामकाज के आधार पर वोट मांगने के बजाय प्रशासन का दुरुपयोग कर निकाय चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को डराने-धमकाने में जुटी है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा को ऐसा क्या डर है कि प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी और खरीद-फरोख्त की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के प्रति आम जनता में रोष है और कांग्रेस निकाय चुनाव में जीत की स्थिति में है। इसी कारण भाजपा हार के डर से बौखला गई है और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। डोटासरा ने कहा कि सभापति का चुनाव 21 सितंबर को होना है, इसके बावजूद भाजपा सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल कर अधिकारियों के माध्यम से अभी से प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी करवा रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से जिला अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निकाय चुनाव में जीत की संभावना रखने वाले निर्दलीय और अन्य प्रत्याशियों को चिन्हित किया जाए तथा उन पर दबाव बनाकर भाजपा की बाड़ेबंदी में पहुंचाया जाए।

- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा पर निकाय चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया

आम सूचना

सर्व साधारण का सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सलीम पुत्र वाहिद निवासी-180 करीम नगर खौ नागोरियान जामडोली जयपुर का पुत्र फईम उर्फ सलमान उनके कहने मे नहीं है, फईम उर्फ सलमान अपने माता पिता का कहना नही मानता है एवं लड़ाई-झगड़ा करता है। एक शादीशुदा महिला शबाना के बहकावे में है। इसलिये दिनांक 09.07.2026 को फईम को मौखिक रूप से बेदखल कर दिया था। इसलिये मेरे अभिभाष्या नें अपने पुत्र फईम को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल करते हुए फईम से अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं। भविष्य मे कोई भी व्यक्ति एंव संस्था मेरे अभिभाष्या के पुत्र सलमान से कोई भी लेन देन संव्यवहार करेगा तो वह स्वंय जिम्मेदार होगा। सूचित रहें।

जयपुर (पी.एम खॉन) एडवोकेट
दिनांक 11/9/2026 मो.9351253799

खोया पाया

मेरे मकान 1/103 मालवीय नगर जयपुर का मूल डिक्लेरेशन मालवीय नगर में कहीं गिर गया है, मिलने पर सूचित करें- सुषमा मारू, 7733807882

अशोक कुमार शर्मा TERO GPA Sitaram भुतिया व्यावसायिक भूखंड Shop No. A4/251 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड़, जयपुर जिसकी रजिस्टरी ज्योति शर्मा के नाम करवा ली JDA Patta खो गया है मिलने पर सूचित करें- 9468286381

राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने किया मतदान

भाजपा का बोर्ड बनने से जयपुर को मिलेगी विकास की नई गति : पूनियां

जयपुर। नगर निगम चुनाव-2026 में भागीदारी निभाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा-पंजाब प्रभारी तथा राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने सपरिवार मतदान किया। उन्होंने प्रदेशवासियों से भी अधिकाधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

डॉ. पूनियां ने धर्मपत्नी मोहिनी पूनिया के साथ निर्माण नगर स्थित ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश और प्रदेश में भाजपा सरकारें विकास के लिए काम कर रही हैं। नगर निकाय चुनाव में भी भाजपा को जनता का जनादेश मिलने की उम्मीद है। पूनियां ने कहा कि जयपुर को विकास की नई गति देने के लिए मजबूत और सक्षम नगर निगम बोर्ड जरूरी है। उनके अनुसार केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने का लाभ शहर के विकास को मिल सकता है। यदि नगर निगम में भी भाजपा का बोर्ड बनता है तो केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय के बीच बेहतर तालमेल के साथ विकास कार्यों को गति मिलेगी।

दो निगमों में बांटने से प्रभावित हुआ शहर का विकास : पूनियां

पूनियां ने कांग्रेस के पिछले कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जयपुर नगर निगम को दो हिस्सों में बांट दिया था। इससे शहर के समग्र और सुनियोजित विकास पर असर पड़ा। वार्ड स्तर से लेकर पूरे शहर के विकास की प्रभावी व्यवस्था नहीं बन सकी। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की ओर से स्मार्ट सिटी के लिए उपलब्ध कराए गए बड़े बजट का भी अपेक्षित उपयोग नहीं हो पाया। अब जयपुर के समग्र विकास के लिए मजबूत नगर निगम बोर्ड की आवश्यकता है।

13 हजार करोड़ की मेट्रो परियोजना का जिक्र

डॉ. पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर को करीब 13 हजार करोड़ रुपए की नई मेट्रो परियोजना की बड़ी सौगात मिली है। इससे राजधानी की परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही शहर के विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जयपुर के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं। ऐसे में नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बनने पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय और तेजी आएगी।

एक-एक वोट से तय होगा शहर का भविष्य

मुख्यमंत्री और डॉ. पूनियां दोनों ने मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपील की। पूनियां ने कहा कि प्रत्येक मत लोकतंत्र को मजबूत करने के साथ जयपुर के बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मतदान केंद्रों पर नेताओं के परिवार सहित पहुंचने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भी मतदान को लेकर उत्साह नजर आया।

21 हजार लड्डुओं से सजेगी गणपति की भव्य झांकी

जयपुर। चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महंत अमित शर्मा के सान्निध्य में होने वाले तीन दिवसीय आयोजन में मंदिर को विशेष लाइटिंग, फूल-बंदरवाल से सजाया जाएगा। जन्मोत्सव के दौरान हवन, 108 गणपति अथर्वशीर्ष के पाठ और सायंकाल दीपदान सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

12 सितंबर को 21 हजार लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई जाएगी। लड्डुओं से सजे गणपति के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। 13 सितंबर को सिंजारा उत्सव होगा। इस दौरान 111 किलो मेहंदी प्रथम पूज्य को अर्पित कर महिला मंडल की ओर से बधाई गान किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं में मेहंदी वितरित की जाएगी।

14 सितंबर को गणेश चतुर्थी के महापर्व पर भगवान गणेश को सोने के वर्क चढ़ाकर विशेष श्रृंगार किया जाएगा और छप्पन भोग की भव्य झांकी सजाई जाएगी। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन भी होंगे। गणपति जन्मोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भक्तिमय माहौल रहेगा और श्रद्धालु सुख-समृद्धि व मंगल की कामना करेंगे।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निकाय चुनाव बताएंगे कि सरकार ने ढाई साल में कितना काम किया : सचिन पायलट

उन्होंने कहा कि "हाईकोर्ट की फटकार के बाद चुनाव हुए हैं, बीते 2 वर्षों से विकास थमा है"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने शुक्रवार को जयपुर में सिविल लाइंस क्षेत्र में केशव नगर सामुदायिक केन्द्र में मतदान करके निकाय चुनाव में भागीदारी निभाई। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद राजस्थान में नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम के चुनाव हाईकोर्ट की फटकार पर हुए हैं। अब ये चुनाव बताएंगे कि सरकार ने पिछले ढाई-तीन साल में कितना काम किया है।

पायलट ने आरोप लगाया कि सरकार ने विभिन्न बहाने बनाकर चुनाव टालने की कोशिश की। ग्राम पंचायतों के प्रधान और प्रमुख के चुनावों की घोषणा अभी नहीं हुई है, निकायों के चुनाव भी हाईकोर्ट की फटकार के बाद करवाने पड़े हैं। पिछले ढाई-तीन साल में बड़े शहरों में जिस तरह का विकास पहले हुआ करता था, वह अब थम गया है।

कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पायलट ने कहा कि राजधानी जयपुर में ही दिनदहाड़े सेंट्रल पार्क से एक व्यक्ति का अपहरण हो गया। यदि राजधानी में यह स्थिति है तो ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की स्थिति की कल्पना की जा सकती है।

पायलट ने दावा किया कि कांग्रेस ने निकाय चुनाव में डोर-टू-डोर कैंपेन किया और प्रत्याशी चयन से लेकर प्रचार तक पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मिलकर काम किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस इस बार पहले से ज्यादा सीटें जीतेगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट

पंजाब में ड्रग्स और बेरोजगारी बड़ा मुद्दा

पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पायलट ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने उन्हें जिम्मेदारी दी है। उन्होंने पिछले दो-तीन दिनों में पंजाब के लगभग सभी नेताओं से मुलाकात की है और जल्द ही वहां औपचारिक चुनाव अभियान शुरू किया जाएगा।

- पायलट ने कहा कि "राजधानी में दिनदहाड़े अपहरण की घटना ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं।"

उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में ड्रग्स, कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी सबसे बड़े मुद्दे हैं। उनके अनुसार सरकार ने राजनीतिक नेतृत्व को संरक्षण देने के अलावा जनता की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। पायलट ने कहा कि पंजाब के युवाओं का भविष्य अंधकार में है और बड़ी संख्या में युवा कनाडा, यूरोप और अमेरिका जाना चाहते हैं, जिससे गांवों के गांव खाली हो रहे हैं।

ड्रग्स के मुद्दे पर केंद्र सरकार को भी घेरते हुए पायलट ने कहा कि देश में 21 हजार करोड़ रुपए का कोकीन पकड़ा गया। उन्होंने सवाल उठाया कि देश में ड्रग्स कहां से आ रही हैं और सीमाओं की जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशामुक्त बनाने की जिम्मेदारी सत्ता में बैठे लोगों की है।

अमरिंदर सिंह की वापसी को लेकर कोई चर्चा नहीं

कैप्टन अमरिंदर सिंह की वापसी को लेकर पायलट ने कहा कि इस विषय में न तो उनसे किसी ने चर्चा की है और न ही पार्टी ने उनसे कोई संवाद किया है। पंजाब में भाजपा और अकाली दल के संभावित गठबंधन पर उन्होंने कहा कि दोनों दल जमीन तलाशने के लिए एक-दूसरे का साथ लेने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि मुख्य मुकाबला पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच होगा। पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अधिकांश सीटें कांग्रेस को मिली थीं और पंजाब के लोग राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में होती है तो मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की परंपरा रही है, जबकि विपक्ष में नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और सभी वरिष्ठ नेता मिलकर चुनाव लड़ते हैं। चुनाव जीतने के बाद जिम्मेदारियां तय की जाती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में भी पार्टी इसी परंपरा के अनुसार मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

पायलट ने कहा कि राजस्थान हो या पंजाब, पूरे देश का युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। शिक्षा, स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, परीक्षाएं और बेरोजगारी आज सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर भविष्य देना राजनीति और नीति निर्माण की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति की राजनीति के नाम पर युवाओं से बार-बार वोट लेने की कोशिश अब सफल नहीं होगी। जनता उन लोगों से भी हिसाब मांगेगी जिन्होंने युवाओं के अरमानों को ठेस पहुंचाई और आवाज दबाने का काम किया।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: FJDA/Zone 11/2026/D-643 **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 245425 दिनांक 29.08.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	ग्रा.नि.स. सं./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Kaluram S/o Mahadev Ram एवं Jagdish Prasad Choudhary S/o Mahadev Nitharwal	श्री महादेव पुत्र श्री भोलू	11/08 /764	100.00 Sq. Meter	JDA	Ring Road Project (Zone-11)	Name Transfer	लीजडीड, मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा प्रमाण पत्र, वारिसान रजि., हक त्याग पत्र इत्यादि के आधार पर
	Sector / Block- SIZE 100 Sqm (All Blocks)							

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: FJDA/Zone 11/2026/D-651 **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 322291 दिनांक 31.07.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	ग्रा.नि.स. सं./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Kaluram S/o Mahadev Ram एवं Jagdish Prasad Choudhary S/o Mahadev Nitharwal	श्री महादेव पुत्र श्री भोलू	11/1B /156	1250.00 Sq. Meter	JDA	Ring Road Project (Zone-11)	Name Transfer	लीजडीड, मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा प्रमाण पत्र, वारिसान रजि., हक त्याग पत्र इत्यादि के आधार पर
	Sector / Block- SIZE 1250 Sqm (All Blocks)							

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

सूचना मेरा अभिभाष्य रामकरण पुत्र भूराराम जाति जाट निवासी खुडियाला तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज0 का निवासी है। मेरे अभिभाष्य के नाम की खातेदारी आराजी खसरा नम्बर 569 रकबा 3 बीघा 07 बिस्वा, आराजी खसरा नम्बर 570 रकबा 2 बीघा कुल किता 02 कुल रकबा 5 बीघा 07 बिस्वा भूमि वाके ग्राम दूदू तहसील दूदू जिला जयपुर राज0 में स्थित है जिसका जरिये वसीयत एकमात्र खातेदार काश्तकार मेरा अभिभाष्य है जिससे किसी भी दीगर व्यक्ति का कोई सम्बंध सरोकार नही है। उक्त भूमि को मेरा अभिभाष्य किसी भी दीगर व्यक्ति को बैचान करने हेतु स्वतंत्र है अगर उक्त भूमि बावत कोई भी दीगर व्यक्ति किसी भी प्रकार से फर्जी या कुटरचित दस्तावेजों के आधार पर कोई कार्यवाही या हस्तांतरण करता है तो मेरा अभिभाष्य उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा तथा किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार से उक्त भूमि बावत ऐतराज हो तो सूचना के 7 दिवस में मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज करवाये।

नन्दकिशोर मीणा, एडवोकेट
मो.न. 9079330368

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

प्रारूप 10 (नियम 6 (7) देखिए)

क्र.स. 13044 **लोक सूचना** दिनांक : 03.09.26

श्री गोविन्द प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री शांति स्वरूप एवं श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी श्री गोविन्द प्रसाद गुप्ता जाति वैश्य निवासी कृष्णा नगर, भरतपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
भरतपुर	चक न. 03	233	भरतपुर
भरतपुर	चक न. 03	224	भरतपुर
भरतपुर	चक न. 03	233/3113	भरतपुर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन ....(वर्ष)....(मास) के....दिन को जारी की जाती है। श्रवण कुमार, प्राधिकृत अधिकारी, नगर निगम, भरतपुर

Maharishi Arvind
Institute of Science & Management
(Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to RTU Kota & UOR Jaipur)
50 years
Ambabari Circle, Ambabari, Jaipur-302039

DIRECT / MANAGEMENT QUOTA ADMISSION 2026-27

SUNDAY OPEN

MBA RMAP CODE: 331 **MCA** RMCAAP CODE: 2220

100% Placement Assistance

Eligible Candidates may contact for admission on Direct/Management Quota seats on or before 14.09.2026 by 03:00 p.m. along with documents and fee.
For enquiry contact 0141-2335120, 2335487, 9929112374, 8696906801.
Lateral Entry Admission to the Third Semester of **MBA & MCA** courses is open.

चीज़ें जिस तरह से चल रही हैं, उससे मैं खुश हूँ। हमारी बैटिंग और बॉलिंग जिस तरह से हो रही है, उससे भी खुश हूँ। अच्छी गेंदों का महत्व था। अगर आप गेंद को स्पिन करा रहे थे, तो उसका फ़ायदा मिल रहा था। – हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला कप्तान, अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए।

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद सिराज

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने स्वीकार किया कि दो महीने के विश्राम के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे में अपनी गति और लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था लेकिन दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने से उन्हें अपनी लय हासिल करने में मदद मिली है। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के दौरान अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिखे। वह लय हासिल नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति भी काफी कम हो गई थी। सिराज ने कहा, ''लेकिन मेरे लिए यह जुनून पर निर्भर करता है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं तो आप बहाने नहीं बना सकते।

क्या आप जानते हैं ?... साल 1951 के पहले एशियन गेम्स नई दिल्ली में हुए थे, जहाँ भारत ने 51 पदक जीतकर दूसरा स्थान पाया था।

मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचा भारत

जूनियर पुरुष एशिया कप

मोक्वी, चीन, 11 सितंबर। गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3–1 से हराकर एएचएफ जूनियर पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत अब लगातार चौथी बार खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। भारत की जीत में कप्तान और ड्रैग फ्लिकर अनमोल एक्का ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 16 तक पहुंचा दी। अनमोल फिलहाल टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं।

गोलकीपर विवेक लाकड़ा भी भारत की जीत के नायक रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कई शानदार बचाव किए और 53वें मिनट में मलेशिया को मिले पेनल्टी स्ट्रोक को भी बेहतरीन अंदाज में रोककर भारत की बढ़त कायम रखी। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अजीत यादव ने शुरुआती दो मिनट में दो बार गोल करने के मौके बनाए। भारत को पहले क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अम्स्यार मोहामद आदिब ने शानदार बचाव करते हुए टीम को संकट से बाहर रखा। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। भारत ने 16वें मिनट में मिले चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर खाता खोला। कप्तान अनमोल एक्का ने जोरदार और नीची ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया और भारत को 1–0 की बढ़त दिलाई। मलेशिया ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन विवेक लाकड़ा और भारतीय रक्षापंक्ति ने लगातार उसके हमलों को नाकाम किया। तीसरे क्वार्टर में लाकड़ा ने शानदार डबल सेव किया। इस दौरान भारत को दो बार 10 खिलाड़ियों के साथ भी खेलना पड़ा, लेकिन मलेशिया इसका फायदा नहीं उठा सका। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी बढ़त मजबूत की। 51वें मिनट में सुखविंदर ने शानदार मूव को गोल में बदलकर स्कोर 2–0 कर दिया। इसके दो मिनट बाद लाकड़ा ने पेनल्टी स्ट्रोक रोककर मलेशिया को वापसी का मौका नहीं दिया। 54वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। मलेशिया ने वीडियो रेफरल लिया, लेकिन रेफरल गंवा दिया और पेनल्टी कॉर्नर बरकरार रहा। अनमोल ने एक बार फिर शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत की बढ़त 3–0 कर दी।

अंतिम मिनटों में मलेशिया ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन लाकड़ा और भारतीय डिफेंस ने मजबूती से मुकाबला किया। 58वें मिनट में लाकड़ा ने एक और शानदार डाइव लगाकर गोल बचाया। हालांकि, मैच खत्म होने से 24 सेकंड पहले मलेशिया को आठवां पेनल्टी कॉर्नर मिला और एम राहुल ने गोल कर स्कोर 1–3 कर दिया। इसके बाद भारत ने कोई गलती नहीं की और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। चार बार की लगातार चैंपियन बनने की कोशिश कर रही भारतीय टीम का फाइनल में सामना पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारत अब तक छह बार एएचएफ जूनियर एशिया कप का खिताब जीत चुका है।

बीसीसीआई ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड-स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन पद के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड–स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद पर चयनित उम्मीदवार बीसीसीआई की एलीट क्रिकेट और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़ी खेल विज्ञान एवं चिकित्सा सेवाओं को रणनीतिक और परिचालन नेतृत्व प्रदान करेगा।

इस पद की जिम्मेदारी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ फिजियोथेरेपी, भारतीय टीम के हेड ऑफ फिजियोथेरेपी, हेड स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग तथा भारतीय टीम की स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग टीम का नेतृत्व करना भी शामिल होगा। चयनित उम्मीदवार राष्ट्रीय और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रशिक्षकों, क्रिकेट शिक्षा विभाग तथा अन्य प्रदर्शन विशेषज्ञों के साथ मिलकर भारतीय खिलाड़ियों के लिए एकीकृत सहायता कार्यक्रम तैयार करेगा।

बीसीसीआई के अनुसार, इस पद पर खिलाड़ी कल्याण, चोट की रोकथाम और पुनर्वास, शारीरिक विकास, शोध, नवाचार तथा प्रासंगिक तकनीक और सेवाओं को अपनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हेड–स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन की प्रमुख जिम्मेदारियों में खेल विज्ञान एवं चिकित्सा विभाग के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण और ढांचा तैयार करना, चिकित्सा एवं क्लिनिकल व्यवस्था की निगरानी, सेवा वितरण, जोखिम प्रबंधन और खिलाड़ी कल्याण सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा चोट की रोकथाम, खिलाड़ियों की रिकवरी और पुनर्वास, बीमारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधन तथा दीर्घकालिक शारीरिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों की निगरानी करनी होगी।

उम्मीदवार को प्रदर्शन के मानकों, गुणवत्ता प्रबंधन, शोध और नवाचार को बढ़ावा देना होगा। इसमें विभाग की शोध इकाई विकसित करना और प्रमुख खेल एवं चिकित्सा संस्थानों के साथ साझेदारी करना भी शामिल है। विभाग की योजना, बजट, प्रदर्शन प्रबंधन और पेशेवर विकास की जिम्मेदारी भी चयनित उम्मीदवार की होगी।

योग्यता और अनुभव

आवेदक के पास स्पोर्ट्स साइंस या इससे संबंधित विषय में मास्टर डिग्री होनी चाहिए, जबकि डॉक्टरेट की डिग्री को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्मीदवार के पास बहु–विषयक प्रदर्शन टीमों के प्रबंधन और रणनीतिक नेतृत्व की भूमिका में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवार को पेशेवर या ओलंपिक खेलों में उच्च प्रदर्शन वाली टीमों के लिए स्पोर्ट्स साइंस या मेडिसिन से संबंधित रणनीतिक योजनाएं तैयार करने और उन्हें लागू करने का व्यापक अनुभव होना चाहिए। संबंधित खेल विज्ञान या चिकित्सा क्षेत्र में वर्तमान पेशेवर मान्यता या लाइसेंस भी आवश्यक है।

प्रदर्शन आधारित शोध, खिलाड़ियों के दीर्घकालिक शारीरिक विकास तथा क्षेत्रीय प्रदर्शन और खेल संस्थानों के साथ काम करने का अनुभव वांछनीय माना गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी या मेडिकल निदेशक के रूप में पूर्व अनुभव, स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन में विशेषज्ञ मान्यता तथा मेडिकल और क्लिनिकल गवर्नेंस का अनुभव अतिरिक्त योग्यता के रूप में माना जाएगा।

इस पद के लिए एक रिक्ति है और आयु सीमा 60 वर्ष से कम रखी गई है। चयनित उम्मीदवार को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कार्य करना होगा और वह हेड ऑफ क्रिकेट–सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को रिपोर्ट करेगा। इच्छुक उम्मीदवार 30 सितंबर को शाम 5 बजे तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया और विस्तृत जॉब डिस्क्रिप्शन बीसीसीआई द्वारा जारी आधिकारिक सूचना में उपलब्ध हैं।

प्रखर असावा चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप में 14वें स्थान पर

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। प्रखर असावा चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप में 14वें स्थान पर रहे। कोलकाता के विराज मडप्पा ने खिताब जीता, चंडीगढ़ के अजीतेश संधू दूसरे स्थान पर रहे। राज्य के नंबर एक गोल्फर प्रखर असावा ने चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप के आखिरी दिन गोल्फ कोर्स में बहुत मुश्किल हालात में एक बार फिर शानदार गोल्फिंग काबिलियत दिखाई और 2 अंडर स्कोर के साथ लौटे। उन्होंने होल नंबर 2, 3, 8, 17 और 18 पर बर्डी लगाई, और 1, 5 और 11 होल पर बोगी किया और 11 अंडर पार के कुल स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे। कई इंटरनेशनल खिलाड़ी स्टीफन दानेक, एन तंगराजा, तनापत पिचाईकूल, कोई चिरो इशिका वगैरह भी मुकाबले में थे।

लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर की शानदार हैट्रिक

जयपुर, 11 सितंबर। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी का दूसरा मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें मॉनसून पोलो के जोश भरे माहौल में टीम कृष्णा और टीम नेवी स्टैलियंस के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। तीसरे चक्कर तक खेल में कांटे की टक्कर रही; मेजर एआरएस वारेच और अश्विनी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए कृष्णा को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, चौथे चक्कर में बाजी पलट गई जब लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर ने शानदार हैट्रिक लगाई और नेवी स्टैलियंस को जीत दिलाई। कैप्टन एपी सिंह ने बेहतरीन डिफेंस किया और रवींद्र व यतिंदर को सटीक पास दिए, जिससे टीम की लय बनी रही। कृष्णा की शुरुआती बढ़त के बावजूद, वे नेवी के जोरदार हमले को रोक नहीं पाए और स्टैलियंस ने जीत हासिल की। इस जीत ने उनकी हिम्मत, टीम वर्क और मॉनसून पोलो की रोमांचक अनिश्चितता को बखूबी दिखाया।

नाइट पोलो में आज होगा आरपीसी कप का फाइनल : टीम जयपुर और ऑल स्टार्स आमने-सामने

जयपुर, 11 सितंबर। जयपुर पोलो सीजन सितंबर 2026 के अंतर्गत शनिवार को आरपीसी कप– (4 गोल्स) टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। नाइट पोलो के तहत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रात 7.30 बजे टीम जयपुर और टीम ऑल स्टार्स के बीच खिताबी मुकाबला होगा। जयपुर में नाइट पोलो को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह और रोमांच देखने को मिल रहा है। दर्शकों के लिए खास बात यह है कि राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर पोलो मुकाबले देखने के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। फाइनल में टीम जयपुर की ओर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, कुलदीप सिंह राठौड़, अक्षय मलिक और रुशिल नरूला मैदान में उतरेंगे। वहीं, टीम ऑल स्टार्स में जुआन जोस अल्बर्डी, अशोक चांदना, डॉ. शिवांगी सिंह और डीनो धनखड़ शामिल हैं।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच में जयपुर-सीकर फाइनल में

जयपुर, 11 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए सेमीफाइनल मैचों का परिणाम :- अभय शर्मा व समीर गौरांग का शतक, दर्शन पचार, शिफॉन खान, विकास कुमार के अर्धशतक। प्रखर शर्मा, देवेंद्र कुमार, आर्यन चौधरी, शुभम चौधरी, लखन गुर्जर के शानदार गेंदबाजी। जयपुर – अजमेर मैच (जयपुर जीती) अभय शर्मा का शानदार शतक, प्रखर की शानदार गेंदबाजीजयपुर पारी 327 /8 विकेट ।टीम के लिए अभय शर्मा 125, शिफॉन खान 66, गौरव सैनी 35, वंश शर्मा 32 व अलोक 31 रन। अजमेर के गेंदबाज शुभम चौधरी 62 /3, लखन गुर्जर 71 /3 व मिरानखान 61 /2, अजमेर पारी 257 आल आउट ।टीम के लिए समीर गौरांग 115, भव्य शर्मा 48 रन । जयपुर के गेंदबाज प्रखर शर्मा 55 /4, वंश शर्मा 29/2 विकेट। बाड़मेर – सीकर मैच (सीकर जीती), बाड़मेर पारी 187 आल आउट। टीम के लिए विकास कुमार 60, सुमित सैनी 36 रन। सीकर के गेंदबाज देवेंद्र कुमार 35 /3, आर्यन चौधरी 37 /3, हितेश शेखावत 12 /2 विकेट । सीकर पारी 188 /4, टीम के लिए दरशनपचार 70, अदनान नाबद 23 व देवांश नाबद23 रन।

यूएस ओपन : राइबाकिना ने गॉफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क, 11 सितंबर। कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने शुक्रवार को कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को 3–6, 6–4, 6–4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा।

दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा।

गॉफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6–3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया। राइबाकिना ने लगातार दबाव बनाते हुए सेट 6–4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

सबालेंका लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंची : न्यूयॉर्क में आर्यना सबालेंका का दबदबा लगातार कायम है। अमेरिका की जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर बेलारूस की शीर्ष वरीय खिलाड़ी ने लगातार तीसरी बार अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ा दिया है। सबालेंका ने गुरुवार रात खेले गए सेमीफाइनल में पेगुला को 7–5, 6–2 से हराया। इस जीत के साथ वह न्यूयॉर्क में लगातार 19 मुकाबले जीत चुकी हैं। मुकाबले की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले सेट के आठ गेम तक स्कोर बराबरी पर रहा और दोनों के बीच अधिकतर रैलियां भी छोटी रहीं। पेगुला ने सबालेंका के तेज और ताकतवर शॉट्स का अच्छी तरह सामना किया, जबकि बेलारूसी खिलाड़ी की आक्रामकता के साथ कुछ गलतियां भी हुईं। इससे पहला सेट काफी देर तक किसी भी तरफ जा सकता था।

जिला क्रिकेट संघ दौसा : अंडर-16 चैम्पियनशिप के लिए जिले की टीम घोषित

दौसा, 11 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि अंडर 16 प्रतियोगिता जो कि दिनांक 12 09 2026 से जयपुर में आयोजित की जाएगी उसके लिए जिले की टीम निम्न प्रकार है। ध्रुव कुमार जाटव कप्तान, गगन मीना, सचिन यादव, राहुल बैरवा, दक्ष शर्मा, क्याश देरवाल, प्रियांशु वैष्णव, विकास छावड़ी, हेमंत जाट, शोभित शर्मा, अरमान नकवाल, सुमित खरिया, गौरव चौधरी, हृदय शर्मा, कुशाल मीना, हार्दिक अवस्थी, आयुष शर्मा, गोविन्द पाराशर, हर्ष वर्धन डोई, युवराज दुगरिया। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि जिले की टीम का चयन सीनियर चयन समिति द्वारा किया गया है। दौसा का पहला मैच कल 12 09 2026 को टोंक से 13 09 2026 भरतपुर से और 14 09 2026 को जालौर से होगा जिला क्रिकेट संघ चयन समिति द्वारा उन ही खिलाड़ियों को टीम में लिया गया है जो दौसा जिले का मूलनिवासी है। रतन चंद शर्मा एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरा लाल सैन, शोभना गुर्जर, विनय जैन आदि द्वारा टीम को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

कुलदीप यादव ने मचाया तहलका, टीम के लिए चटकाए 10 विकेट, दिलाई बड़ी जीत

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। कुलदीप यादव की घातक स्पिन और जॉर्ज हिल की सटीक तेज़ गेंदबाज़ी के सामने ऐसेक्स की बल्लेबाज़ी पूरी तरह बिखर गई। दोनों गेंदबाज़ों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यॉर्कशायर ने हेडिंग्ले में मुक़ाबला सिर्फ़ तीन दिनों में समाप्त करते हुए पारी और 106 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस नतीजे ने यॉर्कशायर की डिवीजन वन में बने रहने की उम्मीदों को काफ़ी मज़बूत कर दिया है और अब उसका अगले सीज़न भी शीर्ष डिवीजन में खेलना लगभग तय माना जा रहा है। सीजन अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और अब कोई असाधारण नतीजा ही यॉर्कशायर को अगले वर्ष डिवीजन वन में जगह बनाए रखने से रोक सकता है। टीम ने 12 मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज की और वह भी बेहद एकतरफ़ा अंदाज़ में।

कुलदीप यादव ने मचाया तहलका, झटके 10 विकेट – भारत के स्पिनर कुलदीप यादव इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच प्रदर्शन करते हुए कुल 10 विकेट हासिल किए। पहली पारी में उन्होंने चार विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में छह बल्लेबाज़ों को पवेलियन भेजकर ऐसेक्स की वापसी की सभी उम्मीदें ख़त्म कर दीं।

वियतनाम ओपन में तन्वी ने मालविक बंसोड़ को हराया, सेमीफाइनल में पहुंची

हो ची मिन्ह सिटी, 11 सितंबर। शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को हमवतन सातवीं वरीय मालविका बंसोड़ को कड़े मुकाबले में हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की 27वें नंबर की तन्वी ने मालविका को 21–18, 15–21, 21–14 से शिकस्त दी। तीसरी वरीय ईशारानी बरुआ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग को 21–15, 21–18 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। मालविका ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और तन्वी के खिलाफ 13–6 की आरामदायक बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले 13 में से 10 अंक हासिल किए और स्कोर 16–16 से बराबर कर दिया। दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए तन्वी ने पहला गेम 21–18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और बढ़त लगातार बदलती रही।

राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता के दूसरे दिन जूनियर वर्ग के मुकाबले सम्पन्न

पदक विजेताओं का हुआ सम्मान, जूनियर राजस्थान टीम की भी घोषणा

श्रीगंगानगर, 11 सितंबर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में श्रीगंगानगर में आयोजित जूनियर एवं सब–जूनियर छात्र–छात्रा राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता–2026 के दूसरे दिन आज जूनियर वर्ग के रोमांचक मुकाबले संपन्न हुए। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे युवा तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए जोरदार मुकाबला किया। दूसरे दिन के मुकाबलों के समापन के बाद पदक वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि युवा उद्योगपति लक्ष्मन सोनी ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि श्रीगंगानगर में इस स्तर की राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन होना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इस प्रकार के बड़े टूर्नामेंट आयोजित होने से स्थानीय खिलाड़ियों को प्रदेशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनसे सीखने का अवसर मिलता है। इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पदक विजेताओं को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता के दूसरे दिन जूनियर वर्ग के विभिन्न वर्गों के मुकाबले संपन्न हुए। प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड एवं इंडियन राउंड में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। आधिकारिक परिणाम सूची के अनुसार जूनियर वर्ग की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने पदक हासिल किए।

रिकर्व जूनियर वर्ग

बालक वर्ग: स्वर्ण पदक – कृष्ण कुमार, बाड़मेर, रजत पदक – अथर्व शर्मा, जयपुर, कांस्य पदक – विवेक कुमावत, जयपुर।

बालिका वर्ग: स्वर्ण पदक – धृति शर्मा, जयपुर, रजत पदक – कल्पना रेगर, श्रीगंगानगर, कांस्य पदक – खुशबू जावा, डीपीएस।

कंपाउंड जूनियर वर्ग

बालक वर्ग: स्वर्ण पदक – वासु यादव, अलवर, रजत पदक – प्रबल प्रताप, श्रीगंगानगर, कांस्य पदक – आकाश खंडाल, बूंदी।

बालिका वर्ग: स्वर्ण पदक – यागिनी, हनुमानगढ़, रजत पदक – शिवानी, सीकर, कांस्य पदक – अरुणा, जोधपुर।

इंडियन राउंड जूनियर वर्ग

बालक वर्ग: स्वर्ण पदक – युवराज वर्मा, जयपुर, रजत पदक – राम कैलाश बिश्नोई, बीकानेर, कांस्य पदक – शोभित जांगिड़, सीएसटी।

बालिका वर्ग: स्वर्ण पदक – रेखा, श्रीगंगानगर, रजत पदक – मैथिली, श्रीगंगानगर, कांस्य पदक – सुहाना, श्रीगंगानगर।

आईएसएसओ शतरंज खेलों का अहमदाबाद में आगाज

प्रज्ञानानंद और हर्ष सांघवी ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

अहमदाबाद, 11 सितंबर। अदाणी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में आईएसएसओ शतरंज खेलों का शुक्रवार को आगाज हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 102 इंटरनेशनल स्कूलों के 427 युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 11 और 12 सितंबर को आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में अंडर–11, अंडर–14, अंडर–17 और अंडर–19 आयु वर्ग में लड़कों और लड़कियों के अलग–अलग मुकाबले हो रहे हैं। इन खेलों के जरिए विद्यार्थियों को देशभर के अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन के मौके पर भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद भी मौजूद रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मविश्वास तथा उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रज्ञानानंद के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया।

खेल मंत्रालय ने आईओए को दी छूट, सोलह सदस्यीय कार्यकारी परिषद को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को विशेष छूट देते हुए खेल मंत्रालय ने उसे 16 सदस्यीय कार्यकारी परिषद जारी रखने की अनुमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सिफारिश की थी कि परिषद के सदस्यों की संख्या में बदलाव नहीं किया जाए जबकि राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम के तहत इसे 15 सदस्यों तक सीमित करने का प्रावधान है। एक राजपत्र अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा कि उसने राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम की धारा 37(2) के तहत यह छूट देने का फैसला किया है। इस प्रावधान के तहत खेल संस्थाओं को अपने अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों के अनुरूप बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय कानूनों में आवश्यक छूट दी जा सकती है। फिलहाल आईओए की कार्यकारी परिषद में 16 सदस्य हैं जिनमें भारत में आईओसी के पदेन सदस्य भी शामिल हैं। उन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय खेल संस्थाओं को अपने कामकाज के संचालन में अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियमों का 'मुख्य रूप से पालन' करना होगा। मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ''आईओए से मंत्रालय को एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें बताया गया है कि अधिनियम की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित संविधान का मसौदा आईओसी को उसकी टिप्पणियों के लिए भेजा गया था।'' इसमें कहा गया, ''आईओसी ने विशेष रूप से सिफारिश की है कि कार्यकारी परिषद के सदस्यों की संख्या को यथावत रखा जाए और इसे भारत में आईओसी सदस्यों की संख्या से स्वतंत्र रखा जाए।'' इसका मतलब यह होगा कि आईओसी सदस्य के अलावा कार्यकारी परिषद में 15 अन्य सदस्य होंगे। आईओए ने ओलंपिक चार्टर और आईओसी के नियमों का पालन करने के लिए छूट मांगी थी, साथ ही अधिनियम के शासन संबंधी सिद्धांतों और अन्य आवश्यकताओं का पालन जारी रखने की बात कही थी। आईओए के इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

महेंद्र सिंह धोनी की सलाह : झारखंड क्रिकेट का नया दौर, दलीप ट्रॉफी जीत से बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली, 11 सितंबर। घरेलू क्रिकेट से काफी पहले दूरी बना चुके धोनी अब भी रांची में युवा खिलाड़ियों के बीच नजर आते हैं और अपने अनुभव से उन्हें खेल की बारीकियां समझाते हैं। पूर्वी क्षेत्र की दलीप ट्रॉफी जीत ने झारखंड के उभरते क्रिकेट ढांचे की ताकत को भी सामने ला दिया है। झारखंड क्रिकेट के लिए पूर्वी क्षेत्र की दलीप ट्रॉफी जीत सिर्फ एक खिताब नहीं है, बल्कि राज्य से निकल रही नई क्रिकेट प्रतिभाओं की बढ़ती ताकत का संकेत भी है। पूर्वी क्षेत्र ने गुरुवार को 2012 के बाद पहली बार दलीप ट्रॉफी अपने नाम की। इस सफलता में झारखंड के कई युवा खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई और उनके प्रदर्शन के पीछे महेंद्र सिंह धोनी की सलाह और अनुभव भी चर्चा में आया है। गौरतलब है कि झारखंड क्रिकेट से जुड़े लोगों के मुताबिक धोनी अब भी राज्य की क्रिकेट व्यवस्था पर करीबी नजर रखते हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और पूर्व भारतीय खिलाड़ी सौरभ तिवारी ने बताया कि जब भी धोनी रांची में होते हैं और उनके पास समय होता है, वह खुद क्रिकेट मैदान पहुंचते हैं। ट्रेनिंग कैंप के दौरान वह युवा और अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं और उन्हें अपनी बातें समझाते हैं।

श्रीलंका ने 33 पर गंवाए चार विकेट, पाक ने बनाए 130 रन

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। महिला एशिया कप टी–20 में श्रीलंका का सामना पाकिस्तान से जारी है। यह मुकाबला दुबई में खेला जा रहा है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान की कमान फातिमा सना संभाल रही हैं।पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने श्रीलंका के सामने 131 रन का लक्ष्य रखा है। टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 130 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने सात ओवर में चार विकेट गंवाकर 35 रन बना लिए हैं। फिलहाल कविशा दिलहारी और हर्षिता समरविक्रमा क्रीज पर हैं। फातिमा सना ने कप्तानी पारी खेलते हुए 36 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 47 रन जड़े। वहीं, तूबा हसन 12 रन बनाकर नाबाद रहीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल प्रधानमंत्री के ब्रिक्स रात्रिभोज में शामिल होंगे

इस कार्यक्रम के लिए वे शनिवार शाम को दिल्ली जाएंगे तथा रात को ही जयपुर लौटेंगे

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री दिल्ली में ब्रिक्स-2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आयोजित रात्रि -भोज में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ब्रिक्स-2026 में भाग लेने के लिए आए देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों के लिए विशेष रात्रि भोज का आयोजन भारत मंडपम के तृतीय तल पर मल्टी फंक्शन हाल में किया जा रहा है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री शाम 4 बजे जयपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री शाम 4.45 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से करीब 4.55 बजे रवाना होकर शाम 5.40 बजे संसद भवन पहुंचेंगे। संसद भवन में शाम 5.40 से 6.15 बजे तक उनका कार्यक्रम रिजर्व रखा गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री शाम 6.15 बजे संसद भवन से भारत मंडपम, प्रगति मैदान के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री शाम 6.30 बजे भारत मंडपम पहुंचेंगे, जहां 6.30 से 7.10 बजे तक एल-3 लाउंज में रहेंगे। इसके बाद शाम 7.30 से रात 9 बजे तक भारत मंडपम के मल्टी फंक्शन हॉल, तृतीय तल पर आयोजित ब्रिक्स-2026 के विशेष रात्रि-भोज में शामिल होंगे। यह रात्रि-भोज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से भारत गणराज्य की ओर से आयोजित किया जा रहा है। रात्रि-भोज में देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी भी रहेगी। मुख्यमंत्री का यह दिल्ली दौरा ब्रिक्स-2026 से जुड़े कार्यक्रम के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रात्रि-भोज के बाद मुख्यमंत्री रात 9 से 9.55 बजे तक रिजर्व समय में रहेंगे। इसके बाद रात 9.55 बजे भारत मंडपम से संसद भवन के लिए रवाना होंगे और करीब 10.10 बजे संसद भवन पहुंचेंगे। वहां से रात 10.15 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना होकर रात 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रात 11.10 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर के लिए रवाना होंगे और रात 11.55 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इस प्रकार मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा करीब आठ घंटे का रहेगा।

हूथीज़ स्ट्रेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सागर के रास्ते का इस्तेमाल कर रहा है। लाल सागर और स्वेज नहर के रास्ते, बंदरगाहों तथा व्यापारिक मार्गों का उपयोग करके सऊदी अरब अपना तेल बाहर भेज रहा है। अगर इस रास्ते को भी बंद कर दिया जाता है, तो सऊदी अरब लगभग पूरी तरह घिर जाएगा और उसका तेल फंस जाएगा। तेल की आवाजाही को और बाधित करने वाली इस नई परेशानी को देख कर अमेरिका सक्रिय हो रहा है और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर हूतियों के नियंत्रण तथा समुद्र के बीच स्थित महत्वपूर्ण द्वीप पर उनकी पकड़ को चुनौती देने की दिशा में बढ़ रहा है। हूतियों की इन गतिविधियों को देखते हुए, अमेरिका पहले से ही हूतियों से निपटने के लिए सऊदी अरब के साथ खुफिया जानकारी साझा कर रहा था। लेकिन, हूतियों और ईरान के संयुक्त अभियानों का सामना करने के लिए अमेरिकी सेना की यमन के हमलों में सीधे शामिल होने की जरूरत है।फिलहाल ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरान के साथ सीधे संघर्ष में बुरी तरह व्यस्त है। अमेरिकी सेना इस क्षेत्र में एक और सैन्य अभियान में उलझने को लेकर हिचकिचा रही है। हूती जल्दी ही सऊदी अरब के खिलाफ बहुत बड़े सैन्य अभियान की धमकी दे रहे हैं। जैसी स्थितियाँ दिखाई दे रही हैं, अगर ईरान और हूतियों का बाब अल-मंदेब समुद्री मार्ग को बंद करने का अभियान सफल होता है, तो हूतियों की गतिविधियां किसी न किसी तरह अमेरिका को इस संघर्ष में खींच लेंगी।

ब्रिटिश इकॉनमिस्ट जिम ओनील ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्रिक शिखर सम्मेलन 2009 में हुआ था। 2010 में दक्षिण अफ्रीका के इसमें शामिल होने के बाद "ब्रिक" का नाम "ब्रिक्स" हो गया। अगला बड़ा विस्तार 2024 में हुआ, जब मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इसमें शामिल हुए। जनवरी 2025 में इंडोनेशिया भी इसका सदस्य बन गया। अब इस समूह में 11 सदस्य हैं। बेलारूस, बोलीविया, कजाखस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम इसके अन्य सदस्य देश हैं। ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों की कुल आबादी करीब 4 अरब है, जो दुनिया की कुल आबादी के 49 प्रतिशत से अधिक है। इसका मतलब है कि दुनिया के लगभग हर दो में से एक व्यक्ति ब्रिक्स के किसी देश में रहता है। जी7 देशों की कुल आबादी करीब 80 करोड़ है। दोनों समूहों के बीच अंतर उनके क्षेत्रफल में भी दिखाई देता है। ब्रिक्स के 11 देशों का कुल क्षेत्रफल करीब 4.77 करोड़ वर्ग किलोमीटर है, जो दुनिया के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत है। वहीं जी7 देशों का कुल क्षेत्रफल करीब 2.11 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। आर्थिक तस्वीर अलग है। सोर्स मटीरियल में दिए गए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के 11 सदस्यों की संयुक्त जीडीपी करीब 35.18 ट्रिलियन डॉलर है, जो विश्व अर्थव्यवस्था का लगभग 40 प्रतिशत है। जी7 की संयुक्त जीडीपी करीब 55.32 ट्रिलियन डॉलर है, जो ब्रिक्स से लगभग 57 प्रतिशत अधिक है।

सैनिकों की संख्या के मामले में सैन्य ताकत ब्रिक्स को एक और बड़ी बढ़त देती है। सोर्स मटीरियल में दिए गए ग्लोबलमिलिटरी डॉट नेट के आंकड़ों के अनुसार, चीन के पास करीब 20 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी, रूस के पास करीब 11 लाख और भारत के पास करीब 14.75 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। ब्रिक्स के सभी 11 सदस्यों को मिलाकर सैनिकों की कुल संख्या 70.61 लाख से अधिक है। जी7 देशों के पास कुल मिलाकर करीब 24 लाख सैनिक हैं। लेकिन जब सैन्य विमानों की संख्या देखते हैं तो तस्वीर बदल जाती है। ब्रिक्स देशों के पास करीब 17,654 सैन्य विमान हैं, जबकि जी7 देशों के पास करीब 17,899 सैन्य विमान हैं।

परमाणु हथियार भी दोनों समूहों की सैन्य ताकत को दिखाते हैं। चीन, रूस और भारत, ब्रिक्स के तीन परमाणु हथियार रखने वाले सदस्य देश हैं। इनके पास करीब 6,230 परमाणु हथियार हैं। अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन, जी7 के तीन परमाणु हथियार रखने वाले सदस्य देश हैं और इनके पास करीब 5,637 परमाणु हथियार हैं। ऊर्जा एक और ऐसा क्षेत्र है, जहां ब्रिक्स की स्थिति मजबूत है। दुनिया के नौ सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों में से छह ब्रिक्स के सदस्य हैं- सऊदी अरब, रूस, चीन, ब्राज़ील, ईरान और यूएई।

सोर्स मटीरियल में दिए गए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, ये छह देश दुनिया के कुल तेल उत्पादन का करीब 38.6 प्रतिशत हिस्सा पैदा करते हैं। अमेरिका और कैनडा भी दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में शामिल हैं, जिससे ऊर्जा बाजार में जी7 की स्थिति भी मजबूत बनी हुई है। चीन और भारत के पास तेल शोधन की बड़ी क्षमता भी है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल शोधन करने वाले देशों में शामिल है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों के प्रॉसेसिंग एवं सप्लाई में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के मामले में भी ब्रिक्स की बड़ी हिस्सेदारी है। इन खनिजों का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा उपकरणों और कई अन्य उद्योगों में किया जाता है। दुनिया में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। सोर्स मटीरियल में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, विश्व व्यापार में ब्रिक्स की हिस्सेदारी करीब 46 प्रतिशत है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार भी पिछले वर्षों के दौरान बढ़ा है। 2003 में यह करीब 84 अरब डॉलर था। 2024 तक यह बढ़कर 1.17 ट्रिलियन डॉलर हो गया।

3,000 रूम्स, ब्रिक्स के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुनियादी ढांचा निवेश बैंक के अध्यक्ष और न्यू डेवलपमेंट बैंक के अध्यक्ष इस होटल में ठहरे हुए हैं।

युगांडा, नाइजीरिया और मलेशिया के प्रतिनिधिमंडल भी यहां ठहरे हैं।

द ललित नई दिल्ली

कनॉट प्लेस के पास स्थित द ललित नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका और बुरुंडी के प्रतिनिधिमंडल ठहरे हुए हैं। यह होटल अफ्रीकी सदस्य देशों और संपर्क के लिए आए प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी कर रहा है।

शांगरी-ला इरोस, नई दिल्ली

अशोक रोड पर स्थित शांगरी-ला इरोस को पश्चिम एशिया के ब्रिक्स सदस्य देश के प्रतिनिधिमंडल के लिए तय किया गया है। होटल के सभी सुइट फिलहाल बुक हो चुके हैं, जबकि कमरों की कीमत 60,000 रुपये प्रति रात तक पहुंच गई है।

होटल के कमरे अचानक इतने महंगे क्यों हो गए?

शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनयिक, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और कारोबारी नेता दिल्ली पहुंचे हैं। इससे कई आलीशान होटलों में कमरों की उपलब्धता कम हो गई है। यह स्थिति द ओबेरॉय और द ताजमहल होटल जैसे होटलों में विशेष रूप से साफ दिखाई दे रही है, जिनकी आधिकारिक वेबसाइटों पर फिलहाल सभी कमरे बुक दिख रहे हैं।

कौन-कौन से ब्रिक्स सदस्य शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं?

मौजूदा ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन में जिन नेताओं और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, उनमें शामिल हैं:

चीन: शी जिनपिंग, राष्ट्रपति

रूस: व्लादिमीर पुतिन, राष्ट्रपति

दक्षिण अफ्रीका: सिरिल रामाफोसा, राष्ट्रपति

ईरान: मसूद पेजेश्कियन, राष्ट्रपति

मिस्त्र: अब्देल फतह अल-सीसी, राष्ट्रपति

इथियोपिया: अबी अहमद, प्रधानमंत्री

इंडोनेशिया: प्रबोवो सुबियांतो, राष्ट्रपति

यूएई: शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

ब्राजील: माउरो विएरा, विदेश मंत्री

सोनम वांगचुक ने आंदोलन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक नियंत्रण वाली नौकरशाही व्यवस्था के बीच जमीन, रोजगार, संस्कृति और नाजुक हिमालयी पर्यावरण को लेकर डर पैदा हो गया।

तब से एलएबी और केडीए चार मुख्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इनमें पूर्ण राज्य का दर्जा, जनजातीय स्वायत्त परिषदों के लिए छठी अनुसूची में शामिल करना, जिसके तहत जमीन और संसाधनों पर अधिकार मिल सके, अलग लोक सेवा आयोग और संसद में दो सीटें शामिल हैं। वांगचुक ने जलवायु और पर्यावरण पर केन्द्रित भूख हड़तालों और मार्च के जरिए इस अभियान को और मजबूत किया। उनका कहना है कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा के लिए स्थानीय लोगों का अपने क्षेत्र पर नियंत्रण जरूरी है। सितंबर 2025 में हुई हिंसा ने स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया था। इसके बाद वांगचुक को हिरासत में लिया गया और बाद में बातचीत का रास्ता आसान बनाने के लिए उन्हें रिहा कर दिया गया।

वांगचुक की नई आंदोलन की चेतावनी इस बात को दर्शाती है कि वर्षों से किए जा रहे वादों, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के पहले किए गए छठी अनुसूची से जुड़े वादे भी शामिल हैं, के पूरा न होने और बातचीत के बावजूद, कोई ठोस प्रगति नहीं होने से लोगों में निराशा बढ़ रही है। लद्दाख की रणनीतिक स्थिति और पर्यावरण की संवेदनशीलता को देखते हुए, स्वायत्तता के सवाल का समाधान पारदर्शी और समयबद्ध संवैधानिक उपायों के जरिए करना लोकतांत्रिक विश्वास और स्थिरता बहाल करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

मोदी-पुतिन मुलाकात: कोई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना कर रहे रुस की भारत को एक प्रमुख रक्षा साझेदार बनाए रखने और भारत के रक्षा उद्योग से जुड़े क्षेत्र में अपनी भूमिका बढ़ाने में गहरी रुचि है।

ऊर्जा भी दोनों देशों के संबंधों का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। रूसी कच्चा तेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है और इससे भारतीय तेल रिफाइनरियों को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आपूर्ति मिल रही है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए भरोसेमंद और सस्ती ऊर्जा एक रणनीतिक जरूरत है। रूसी ऊर्जा सप्लाई के साथ भारत का लगातार जुड़ाव उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का व्यावहारिक उदाहरण भी है। नई दिल्ली रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने के साथ-साथ, अमेरिका, यूरोप, जापान और खाड़ी देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करने के लिए तैयार है। दोनों देश 2024-25 में लगभग 70 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इस लक्ष्य को टिकाऊ तरीके से हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, फर्टिलाइज़र, रेलवे, इस्पात और अहम खनिजों के क्षेत्रों में विविधता लाना जरुरी होगा। यूक्रेन का मुद्दा भी स्वाभाविक रूप से रणनीतिक बातचीत का हिस्सा रहा। मोदी ने विवादों को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देने की भारत की नीति को दोहराया। इस दृष्टिकोण से भारत रूस के साथ करीबी संवाद बनाए रख सकता है, बिना उसकी हर नीति का समर्थन किए। साथ ही, इससे पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध भी बने रहते हैं। रुस के लिए भी भारत के साथ संबंध उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मॉस्को को पश्चिमी गठबंधन व्यवस्था से बाहर बड़े बाजारों और रणनीतिक साझेदारों तक पहुंच की जरूरत है, जबकि भारत का कूटनीतिक प्रभाव रूस को व्यापक वैश्विक समुदाय तक पहुंचने का एक अहम जरिया देता है। पुतिन का मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण देना और मोदी द्वारा इसे स्वीकार करना इस बात का एक और प्रमाण है कि दोनों देशों के संबंध राजनीतिक स्तर पर मजबूत बने हुए हैं। इसलिए इस मुलाकात का तत्काल निष्कर्ष किसी बड़े हथियार सौदे के बजाय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने का है। एसयू-57 का प्रस्ताव, अतिरिक्त एस-400 क्षमता, रक्षा तकनीक में सहयोग और संयुक्त उत्पादन का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर नजर बनी रहेगी। हालांकि, बड़ी तस्वीर यह है कि भारत पुराने रक्षा संबंधों को व्यापक तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहा है, साथ ही अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता को भी बनाए रखना चाहता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908